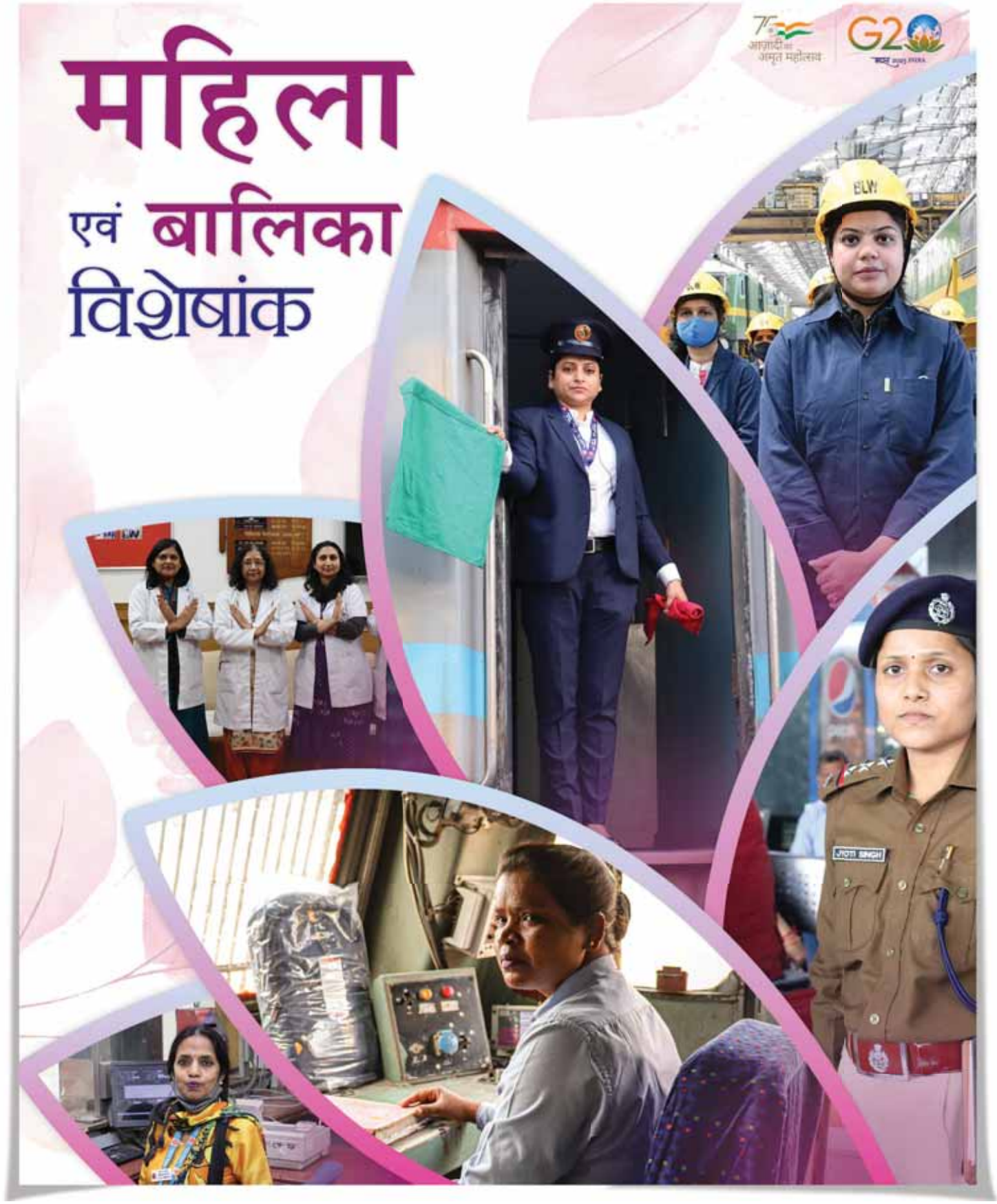
भारतीय रेल

फरवरी 2023

मूल्य ₹ 20

महिला एवं बालिका विशेषांक



AAL®

Autometers Alliance Ltd

Energy & Efficiency / Safety & Reliability



POWERING THE **RAIL TRANSPORT** EFFICIENTLY AND INTELLIGENTLY

DATA ACQUISITION & CONTROL DEVICE

Onboard Measurement Devices



Tachograph System for Electric, Diesel Locomotives, EMU, MEMU & DMU



Active Speed Sensor for Electric Locomotives



Opto Electronic Pulse Generator for Electric, Diesel Locomotives, EMU, MEMU & DMU



Hotel Load Current Sensor for Electric Locomotives



Primary Current Sensor for Electric Locomotives



Aspiration Smoke Detector for Coaches

Onboard Control Devices



Driver Display Unit LCD Displays for Electric Locomotives



Vigilance Control Device for Electric Locomotives



Fire Detector Equipment for Electric Locomotives



Diagnostics Terminal LCD Displays for Electric Locomotives



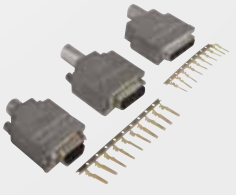
Event Recorder for Electric, Diesel Locomotives & EMUs

Electrical Connectors





Circular Connectors for Onboard & Stationary Traction



D Type Connectors for Onboard & Stationary Traction

mktre@autometers.com | C-63, Sector-57, Noida - 201 307 (U.P.) India

ISO 9001:2015 I ISO 14001:2015 I ISO 45001:2018

भारतीय रेल

रेल मंत्रालय की एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

आरंभ : 1960 | वर्ष : 63 | अंक : 07 | राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित पत्रिका | फरवरी-2023 | मूल्य : ₹20

संपादक मंडल

श्री अनिल कुमार लाहोटी
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

सुश्री अंजलि गोयल
सदस्य (वित्त), रेलवे बोर्ड

श्री संदीप माथुर
सचिव, रेलवे बोर्ड

श्री अमिताभ शर्मा
कार्यकारी निदेशक, सूचना एवं प्रचार

संपादक
योगेश अवस्थी

संपादकीय कार्यालय
संपादक, भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन,
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
editorbhartiyarailrb@gmail.com
editorbhartiyarail@gmail.com

विज्ञापन व सदस्यता हेतु संपर्क
व्यापार प्रबंधक
कमरा नं. 310, रेल भवन
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
टेलीफोन: 011-47845378, 47845089
bmpr310rb@gmail.com

संपादन सहयोग
गौतम सिंह

आवरण
भारतीय रेल में कार्यरत महिला कर्मियों की कुछ तस्वीरें

फॉलो करें
Twitter : @bhartiyarailrb

वार्षिक सदस्यता शुल्क
(ऑफलाइन)
सर्वसाधारण -₹250
रेलकर्मियों के लिए -₹200
विदेश में
सी-मेल द्वारा -₹1,250
एयर-मेल द्वारा -₹2,500
एक प्रति-₹20
वार्षिक विशेषांक-₹70

इस पत्रिका में छपी हर सामग्री का संबंध, जब तक विशेषत: स्पष्ट न लिखा जाए, किसी सरकारी सूत्र से न समझा जाए।

© भारतीय रेल



5 **नए भारत के संकल्पों और सामर्थ्य का प्रतीक है**
वंदे भारत एक्सप्रेस : प्रधानमंत्री

8 **माननीय प्रधानमंत्री ने रखी छत्रपति शिवाजी महाराज**
टर्मिनस-पुनर्विकास परियोजना की आधारशिला

10 **केन्द्रीय बजट 2023-24 में भारतीय रेल**

12 **रेल मंत्री ने संबलपुर-शालीमार एक्सप्रेस को**
हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

12 **रेल मंत्री ने रखी भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन के**
पुनर्विकास परियोजना की आधारशिला

भारत गौरव पर्यटक ट्रेन

श्री जगन्नाथ यात्रा को दिल्ली से दिखाई गई हरी झंडी

पृष्ठ सं. 13



14 **रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने की**
मध्य और पश्चिम रेलवे की परियोजनाओं की समीक्षा



महिला एवं बालिका विशेषांक पृष्ठ सं.15-56

57 **अमृत भारत स्टेशन योजना**

62 **राष्ट्रपति ने आरपीएफ/आरपीएसएफ कर्मियों को**
प्रदान किये जीवन रक्षा पदक पुरस्कार

62 **आरपीएफ/आरपीएसएफ के जवान विशिष्ट और उत्कृष्ट सेवाओं हेतु**
राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित

63 **रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला ने किया कालका-शिमला रेलवे के**
लिए नए डिजाइन के पैनोरमिक नैरो गेज कोच का निर्माण

68 **काशी तमिल संगमम्** श्री मनीष बाजपेई

संपादकीय



महिलाओं एवं बच्चों के प्रति संवेदनशील भारतीय रेल

भारतीय रेल अपने सभी यात्रियों को बेहतर सुविधा तथा सुरक्षा प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है; विशेषकर महिलाओं और बच्चों को सुरक्षा तथा सुविधाएँ प्रदान करने के लिए यह अति संवेदनशील है। परिणामस्वरूप, आज बिना किसी डर के लाखों महिलाएँ अकेले यात्रा कर रही हैं। भारतीय रेल की विकास यात्रा में महिला रेल कर्मियों के योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। आज रेलवे के सभी क्षेत्रों में महिला कर्मी अपना महत्त्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रही हैं।

पहले हम बात करते हैं महिला यात्रियों की। 45 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के लिए प्रत्येक कोच में कुछ सीटें आरक्षित रखी जा रही हैं। कई ट्रेनों में महिला यात्रियों के लिए अलग से कोच लगाए जा रहे हैं। सुरक्षा की दृष्टि से आर.पी.एफ. तथा जी.आर.पी. की एस्कॉर्ट टीमें कार्यरत हैं। कुल 939 महिला आर.पी.एफ. कर्मियों के साथ 243 'मेरी सहेली' टीमें तैनात की गई हैं।

स्टेशनों पर सुरक्षा इंतजामों सहित बड़ी ही संवेदनशीलता के साथ भारतीय रेल महिलाओं के लिए सुविधाएँ उपलब्ध करा रही है। कई स्टेशनों पर महिला यात्रियों के लिए महिला वेटिंग रूम है, साथ ही छोटे बच्चों को खुले में दूध पिलाने में संकोच का अनुभव करती माताओं के लिए विशेष रूप से 'बेबी फीडिंग रूम' बनाए गए हैं। कई स्टेशनों पर 'जननी सेवा' स्टॉल्स शुरू किए गए हैं, जहाँ से यात्री अपने छोटे बच्चों के लिए गरम दूध तथा पौष्टिक आहार प्राप्त कर सकते हैं। अपने सामाजिक दायित्व निर्वहन के क्रम में आगे बढ़ते हुए भारतीय रेल कई स्टेशनों पर सैनेटरी नैपकिन जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध करवा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने प्लेटफॉर्म पर महिला यात्रियों के बैठने के लिए विशेष प्रकार की व्यवस्था की है, जिसे 'अक्षिता सेफ बबल' नाम दिया गया है।

भारतीय रेल हर मायने में महिलाओं को बराबर आंकती है, इसीलिए आज रेलवे के हर विभाग में महिला कर्मियों का प्रतिनिधित्व बढ़ा है और इसमें उत्तरोत्तर वृद्धि ही हो रही है। आज देश के कई रेलवे स्टेशनों का संचालन पूरी तरह से महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। जहाँ कभी पुरुष कर्मियों का वर्चस्व था, ऐसे लोको पायलट, गार्ड, ट्रेन रखरखाव, ओ.एच.ई. आदि कार्यों में भी महिलाओं ने प्रतिमान स्थापित किए हैं। आज कई ट्रेनों की लोको पायलट, गार्ड महिलाएँ हैं। 'हम किसी से कम नहीं' के वाक्य को महिला कर्मियों ने सार्थक कर दिखाया है।

भारतीय रेल महिला कर्मियों को कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवा रही है। कार्यालयों में अलग चेंजिंग रूम की व्यवस्था है। महिला कर्मियों की शिकायत निवारण हेतु विशेष समितियों का गठन किया गया है।

वैश्विक स्तर पर भारतीय रेल की महिला खिलाड़ी तथा कोच कुश्ती, क्रिकेट, बॉक्सिंग, हॉकी तथा अन्य खेलों में अपना परचम लहरा रही हैं। अब तक भारतीय रेल की 96 महिला खिलाड़ियों को 'अर्जुन', 'द्रोणाचार्य' तथा अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। हाल ही में भारतीय रेल की खिलाड़ी पी.टी. उषा को भारतीय ओलम्पिक संघ का अध्यक्ष बनाया गया है, जो अपने आप में बड़े ही गर्व की बात है।

हाल ही संसद में प्रस्तुत हुए आम बजट में भारतीय रेल के लिए ₹2.40 लाख करोड़ का पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान किया गया है, जो अब तक के सर्वाधिक वर्ष 2013-14 में किए गए परिव्यय से लगभग 9 गुना ज्यादा है। बजट के पश्चात् रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बजट आवंटन के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि इससे भारतीय रेल के विकास को नई गति मिलेगी और यात्री आंकाक्षाओं को पूर्ण कर सकेंगे।

भारतीय रेल द्वारा महिला एवं बच्चों के लिए कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इन सभी को एक ही अंक 'महिला एवं बालिका विशेषांक' में समाहित करना संभव नहीं है। उनमें से कुछ विशिष्ट बिंदुओं को इस अंक में समाहित किया गया है। आशा है, आपको यह अंक पसंद आएगा।

आपको हमारा यह अंक कैसा लगा, हमें जरूर बताएँ।

नए भारत के संकल्पों और सामर्थ्य का प्रतीक है वंदे भारत एक्सप्रेस : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर किया रवाना



सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 15 जनवरी, 2023 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सिकंदराबाद को विशाखापट्टनम से जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन भारतीय रेल द्वारा शुरू की जाने वाली आठवीं वंदे भारत एक्सप्रेस है जो लगभग 700 किमी की दूरी तय करते हुए दो तेलुगू भाषी राज्यों, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश को जोड़ने वाली पहली ट्रेन है। इस ट्रेन का आंध्र प्रदेश में विशाखापट्टनम, राजमुंदरी और विजयवाड़ा स्टेशनों पर तथा तेलंगाना में खम्मम, वारंगल और सिकंदराबाद स्टेशनों पर इसका ठहराव होगा।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस शुभ वातावरण में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश को वंदे भारत एक्सप्रेस के रूप में एक भव्य उपहार मिल रहा है, जो एक तरह से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की साझा संस्कृति और विरासत को जोड़ने वाली है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल देश के कोने-कोने से जुड़ती है और देश के विभिन्न हिस्सों को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना से समझने, जानने तथा जोड़ने का अवसर प्रदान करती है। वंदे भारत एक्सप्रेस से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बहुत लाभ होगा तथा इस ट्रेन से सिकंदराबाद और विशाखापट्टनम के बीच लगने वाला समय भी अब कम हो जाएगा।

यह भारतीय रेल द्वारा शुरू की जाने वाली आठवीं तथा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के दो तेलुगू भाषी राज्यों को जोड़ने वाली पहली वंदे भारत एक्सप्रेस है, जो लगभग 700 किमी की दूरी तय करती है। सिकंदराबाद से विशाखापट्टनम की यात्रा का समय साढ़े 12 घंटे से घटाकर साढ़े आठ घंटे कर दिया जाएगा। आंध्र प्रदेश में विशाखापट्टनम, राजमुंदरी और विजयवाड़ा स्टेशनों पर और तेलंगाना में खम्मम, वारंगल और सिकंदराबाद स्टेशनों पर इसका ठहराव होगा।

श्री मोदी ने कहा, ''वंदे भारत एक्सप्रेस की एक और विशेषता है कि यह ट्रेन नए भारत के संकल्पों और सामर्थ्य का प्रतीक है। यह उस भारत का प्रतीक है, जो तेज बदलाव के रास्ते पर है।" उन्होंने कहा, "ऐसा भारत, जो अपने सपनों, अपनी आकांक्षाओं को लेकर अधीर है। ऐसा भारत, जो तेजी से चलकर अपने लक्ष्य तक पहुंचना चाहता है। वंदे भारत एक्सप्रेस उस भारत का प्रतीक है, जो अपने हर नागरिक को बेहतर सुविधाएं देना चाहता है। वंदे भारत एक्सप्रेस उस भारत का प्रतीक है, जो गुलामी की मानसिकता से बाहर
निकलकर, आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ रहा है।"



सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाते हुए राज्यपाल सुश्री तमिलिसाई सुंदरराजन, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा अन्य गणमान्य अतिथि

उन्होंने बताया कि इस वर्ष 15 दिनों के भीतर दूसरी वंदे भारत शुरू हो जाएगी और यह जमीनी स्तर पर परिवर्तन की गति को दर्शाती है। उन्होंने वंदे भारत ट्रेनों की स्वदेशी विशेषता और लोगों के मन में उनके प्रभाव एवं गर्व पर भी प्रकाश डाला। 7 वंदे भारत ट्रेनों ने कुल मिलाकर पृथ्वी के 58 चक्कर लगाने के बराबर 23 लाख किमी की दूरी तय की है तथा इन ट्रेनों में अब तक 40 लाख से अधिक यात्री सफर कर चुके हैं।

प्रधानमंत्री ने कनेक्टिविटी और गति के बीच सीधा संबंध और 'सबका विकास' के साथ उसके जुड़ाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा, "कनेक्टिविटी से जुड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर दो जगहों को ही नहीं जोड़ता बल्कि यह सपनों को हकीकत से जोड़ता है। यह मैन्युफैक्चरिंग को मार्केट से जोड़ता है, टैलेंट को उचित प्लेटफॉर्म से जोड़ता है। कनेक्टिविटी अपने साथ विकास की संभावनाओं का विस्तार करती है।" उन्होंने कहा, ''जहां गति है, वहां प्रगति है। जब भी प्रगति होती है, समृद्धि सुनिश्चित होती है।''

प्रधानमंत्री ने उस समय को याद किया जब आधुनिक कनेक्टिविटी का लाभ कुछ चुनिंदा लोगों तक ही सीमित था और आबादी का बड़ा हिस्सा महंगे परिवहन से बहुत समय बर्बाद कर रहा था। वंदे भारत ट्रेन उस सोच को पीछे छोड़कर सभी को गति और प्रगति से जोड़ने की दृष्टि के परिवर्तन की मिसाल है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि बहानेबाजी और रेलवे की खराब छवि और निराशाजनक स्थिति के लिए एक घातक दृष्टिकोण तब बदल गया, जब अच्छे और ईमानदार इरादों के साथ इन समस्याओं का समाधान किया गया और पिछले आठ वर्षों में यही वह मंत्र है, जिसने भारतीय रेल को बदल दिया।

आज भारतीय रेल में यात्रा करना एक सुखद अनुभव बन रहा है और देश के कई रेलवे स्टेशन ऐसे हैं, जहां अब आधुनिक होते भारत की तस्वीर दिखती है। उन्होंने कहा, ''पिछले 7-8 वर्षों में किए गए कार्य आने वाले 7-8 वर्षों में भारतीय रेल को बदल देंगे।'' श्री मोदी ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विस्टाडोम कोच और हेरिटेज ट्रेन, कृषि उपज को दूर-दराज के बाजारों तक ले जाने के लिए किसान रेल, 2 दर्जन से अधिक शहरों में मेट्रो नेटवर्क और भविष्य की रैपिड रेल ट्रांजिट प्रणाली तेजी से उभर रही है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले 8 वर्षों में तेलंगाना में 125 किमी से कम नई रेल लाइनें बिछाई गईं, जबकि पिछले वर्षों में तेलंगाना में लगभग 325 किमी नई रेल लाइनें बिछाई गईं। तेलंगाना में 250 किमी से अधिक की 'ट्रैक मल्टी-ट्रैकिंग' का काम भी किया गया है और कहा कि इस विद्युतीकरण अवधि के दौरान राज्य में रेलवे पटरियों का विद्युतीकरण 3 गुना बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द हम तेलंगाना में सभी ब्रॉड गेज मार्गों पर विद्युतीकरण का काम पूरा करने जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वंदे भारत एक छोर से आंध्र प्रदेश से भी जुड़ी हुई है और बताया कि केंद्र सरकार आंध्र प्रदेश में रेल नेटवर्क को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। 'ईज ऑफ लिविंग' के साथ-साथ 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले वर्षों में आंध्र प्रदेश में 350 किमी नई रेलवे लाइनों और लगभग 800 किमी मल्टी-ट्रैकिंग का निर्माण किया गया है। 2014 से पहले पिछली सरकार के दौरान आंध्र प्रदेश में सालाना केवल 60 किमी रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण किया गया था और यह गति अब बढ़कर सालाना 220 किमी से अधिक हो गई है।

इस अवसर पर राज्यपाल सुश्री तमिलिसाई सुंदरराजन, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, श्री जी किशन रेड्डी, राज्य के मंत्री और संसद सदस्य उपस्थित थे।



वंदे भारत एक्सप्रेस के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित चित्र स्पर्धा में बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। वंदे भारत एक्सप्रेस में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को चित्र दिखाते स्कूली छात्र-छात्राएँ। श्री वैष्णव ने विद्यार्थियों को शाबाशी देकर उन्हें प्रोत्साहित किया।

वंदे भारत एक्सप्रेस 2.0 की मुख्य विशेषताएं



बेहतरीन दृश्य और यात्रियों के आवागमन में सुविधा के लिए गैंगवे

स्लाइडिंग पायदान के साथ ऑटोमैटिक प्लग डोर्स



आपातकालीन निकास के साथ सतत् सील्ड खिड़कियां





सौंदर्य में वृद्धि के लिए छतों पर लहरदार पैनल



विशेष वातानुकूलन डक्ट, ताकि वातानुकूलन समान रूप से हो। तापमान अनुकूलन के लिए ऑटोमेटिक सेंसर

पार्टीशन के लिए विद्युत आधारित स्पर्श रहित दरवाजे



दीवार में लग जाने वाली मुड़ने वाली सीट





कंपार्टमेंट के अंदर अलार्म बटन



बैठने के स्थान के अंदर एवं बाहर आपातकालीन टॉक बैक बटन

वायुयान जैसी शांत एम्बियंस वाली एलइडी प्रकाश व्यवस्था



प्रत्येक सीट के लिए चार्जिंग प्वाइंट





एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए रिवाल्विंग सीट



प्रत्येक डिब्बे में मिनी पैंट्री

दिव्यांग रेल यात्रियों के लिए विशेष शौचालय



माननीय प्रधानमंत्री ने रखी छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-पुनर्विकास परियोजना की आधारशिला



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रिमोट के माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पुनर्विकास परियोजना की नींव रखी। साथ में हैं महाराष्ट्र के राज्यपाल, श्री भगत सिंह कोश्यारी मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, रेल राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे तथा अन्य अतिथिगण

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिनांक 19 जनवरी, 2023 को मुंबई में आयोजित एक समारोह में रिमोट के माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। पुनर्विकास की योजना टर्मिनस के दक्षिणी विरासत नोड को कम करने, सुविधाओं की वृद्धि, बेहतर मल्टीमॉडल एकीकरण और विश्व प्रसिद्ध प्रतिष्ठित संरचना को अपने पिछले गौरव के संरक्षण और पुनर्स्थापित करने की दृष्टि से बनाई गई है। परियोजना ₹1,800 करोड़ से अधिक की लागत से की जाएगी।

इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा आज देशभर में रेलवे को आधुनिक बनाने के लिए मिशन मोड पर काम चल रहा है। मुंबई लोकल और महाराष्ट्र की रेल कनेक्टिविटी को भी इससे फायदा हो रहा है। सरकार सामान्य मानवी को भी वही आधुनिक सुविधा, वही साफ-सफाई, उसी तेज रफ्तार का अनुभव देना चाहती है, जो कभी साधन-संपन्न लोगों को ही मिलती थी। इसलिए आज रेलवे स्टेशनों को भी एयरपोर्ट की तरह ही विकसित किया जा रहा है। अब देश के सबसे पुराने रेलवे स्टेशनों में से एक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस का भी कायाकल्प होने जा रहा है। हमारी ये धरोहर अब 21वीं सदी के भारत की शान के रूप में भी विकसित होने जा रही है। यहाँ लोकल और लंबी दूरी की ट्रेनों के लिए अलग-अलग सुविधाएं प्रदान की जाएगी। लक्ष्य यही है कि सामान्य यात्रियों को बेहतर सुविधा मिले, काम के लिए आना-जाना आसान हो। यह स्टेशन सिर्फ रेलवे की सुविधाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ये मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी का भी हब होगा यानी बस हो, मेट्रो हो, टैक्सी हो, ऑटो हो, यातायात के हर साधन यहाँ एक ही छत के नीचे कनेक्टेड होंगे। यही मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी है, जिसे हम देश के हर शहर में विकसित करने जा रहे हैं।

आधुनिक होती मुंबई लोकल, मेट्रो का व्यापक नेटवर्क दूसरे शहरों से वंदे भारत और बुलेट ट्रेन से तेज आधुनिक कनेक्टिविटी, आने वाले कुछ वर्षों में मुंबई का कायाकल्प होने जा रहा है। गरीब मजदूर से लेकर कर्मचारी, दुकानदार और बड़े-बड़े बिजनेस संभालने वाले, सबके लिए यहाँ रहना सुविधाजनक होगा। यहाँ तक कि आस-पास के जिलों से भी मुंबई आना-जाना भी सुलभ होने वाला है।

इस अवसर पर महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल, श्री रावसाहेब दादाराव पाटिल दानवे, केंद्रीय रेल, कोयला और खान, संसद सदस्य और महाराष्ट्र सरकार के मंत्री सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के पुनर्विकास योजना के मॉडल द्वारा विस्तृत जानकारी देते हुए रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल कुमार लाहोटी। साथ में हैं अन्य गणमान्य अतिथि।

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के पुनर्विकास परियोजना के मुख्य बिन्दु



- प्रतिष्ठित स्टेशन भवन का निर्माण, विरासत का विस्तार और संरक्षण।
- रिटेल, कैफेटेरिया, मनोरंजक सुविधाएं और सभी प्लेटफॉर्मों के साथ प्लेटफॉर्म पर विशाल डबल लेवल उपनगरीय कॉनकोर्स और लंबी दूरी का कॉनकोर्स।
- आगमन फुट ओवर ब्रिज, स्काईवॉक कनेक्शन।
- एक से प्रवेश और सभी ओर से स्टेशन तक आसानी से पहुंच।
- मौजूदा दक्षिण कॉनकोर्स की भीड़-भाड़ कम करना और पर्याप्त पार्किंग सुविधाएं।
- सभी ट्रैक सहित अव्यवस्था मुक्त प्लेटफॉर्म, बेहतर सतहें, प्लेटफॉर्म पर आर्केड पूरी तरह से छत
- दिव्यांगजन हितैषी सुविधाएं।
- यात्रियों की सुविधा-रोशनी, वेफाइंडिंग/साइनेज।
- सुरक्षा-सीसीटीवी, एक्सेस कंट्रोल का प्रावधान।
- प्रमाणित हरित भवन-सौर ऊर्जा, जल संरक्षण/रिसाइक्लिंग, सीवरेज उपचार संयंत्र, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट।



दिसम्बर 2022 को सेवा निवृत्त हो रहे अधिकारियों तथा कर्मचारियों श्री वी.के. त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री संजय कुमार मोहंती, सदस्य (ओबीडी), श्री बुद्धदेव मजूमदार, सलाहकार (प्रशासन), श्री सुनील कुमार गर्ग, अपर सदस्य (वाणिज्यिक), श्री दिनेश चंद्र शर्मा, एएम (मैकेनिकल इंजीनियरिंग), और श्रीमती वाका धनलक्ष्मी, एसओ के विदायी समारोह में रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने विशेष रूप से उपस्थित रह कर रेल कर्मियों को शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर श्री अनिल कुमार लाहोटी, वर्तमान अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सुश्री जया वर्मा सिन्हा, सचिव, रेलवे बोर्ड भी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय बजट 2023-24 में भारतीय रेल



केंद्रीय बजट के पश्चात् रेल भवन में प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव। साथ में हैं श्री अनिल कुमार लाहोटी, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं अन्य उच्चाधिकारीगण

केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी, 2023 को संसद में सामान्य बजट 2023-24 प्रस्तुत किया। बजट में भारतीय रेल के लिए घोषणा करते हुए उन्होंने कहा "रेलवे के लिए ₹2.40 लाख करोड़ के पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान किया गया है। अब तक का यह सर्वाधिक परिव्यय वर्ष 2013-14 में किए गए परिव्यय से लगभग 9 गुना है।"

केन्द्रीय बजट के पश्चात् रेल भवन में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे को बजट में ₹2.40 लाख करोड़ का कैपिटल इन्वेस्टमेंट सपोर्ट देने के लिए मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का धन्यवाद करता हूँ। इस कैपिटल इन्वेस्टमेंट सपोर्ट के कारण महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट को गति मिलेगी। इससे हमारे आठ सौ करोड़ यात्रियों को हम सुखद अनुभव तथा सेवा प्रदान कर सकेंगे।

बजट में ग्रीन ग्रोथ, टूरिज्म, विश्वस्तरीय सुविधाओं आदि का उल्लेख किया गया है, जिन पर रेलवे का पूरा फोक्स रहेगा। 'अमृत भारत स्टेशन' योजना के अंतर्गत 1,275 स्टेशनों का रिडेवलपमेंट किया जा रहा है, जिनमें नई दिल्ली, अहमदाबाद, सी.एस.एम.टी., कानपुर आदि जैसे बड़े स्टेशन, पुरी, जयपुर गांधीनगर आदि मीडियम तथा छोटे स्टेशन शामिल हैं। स्टेशन रिडेवेलपमेंट का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री जी के विजन को साकार करती वंदे भारत ट्रेन की यात्रा कर रहे लोग काफी सराहना कर रहे हैं। वंदे भारत ट्रेन में विश्वस्तरीय सुविधाएँ यात्रियों को उपलब्ध करवाई जा रही हैं। अब तक आठ वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रैक पर दौड़ रही हैं। इन ट्रेनों सेटों ने



अब तक किमी की दृष्टि से 52 बार इस पृथ्वी के भ्रमण के बराबर यात्रा की है। अब तक वंदे भारत एक्सप्रेस के परिचालन में किसी भी प्रकार की बड़ी दिक्कत सामने नहीं आई है।

वंदे भारत ट्रेन सेट का उत्पादन तेजी से बढ़ाया जा रहा है। वर्तमान में आई.सी.एफ. चैन्नई में इसका उत्पादन किया जाता है। आने वाले समय में सोनीपत (हरियाणा), लातुर (महाराष्ट्र), रायबरेली (उत्तर प्रदेश) में स्थित रेल उत्पादन इकाइयों में इस ट्रेन सेट का उत्पादन जल्द ही शुरू होगा। आज हर सात दिन में एक वंदे भारत ट्रेन सेट का उत्पादन हो रहा है। अगले वित्त वर्ष तक हर सप्ताह दो से तीन वंदे भारत ट्रेन सेट का उत्पादन करने का लक्ष्य है। इससे देश के हर क्षेत्र को जोड़ने का प्रधानमंत्री का विजन साकार हो सकेगा।

वंदे भारत ट्रेन सेट की तर्ज पर ही वंदे मेट्रो ट्रेन सेट का डिजाइन तथा उत्पादन का कार्य इस वर्ष पूर्ण कर लिया जाएगा। वित्त वर्ष 2024-25 में इसका उत्पादन शुरू हो जाएगा। इस ट्रेन से स्थानीय लोगों को विश्वस्तरीय लोकल ट्रेन सेवा का अनुभव प्राप्त हो सकेगा।

'आत्मनिर्भर भारत' की एक और मिसाल है हाइट्रोजन ट्रेन, जो बजट के ग्रीन ग्रोथ बिंदु में समाहित है। पूरी तरह से भारत में डिजाइन तथा निर्मित यह हाइड्रोजन ट्रेन दिसम्बर 2023 तक ट्रैक पर आएगी। सबसे पहले कालका-शिमला हैरिटेज तथा अन्य हैरिटेज सर्किटों पर हाइड्रोजन ट्रेनें चलाई जाएँगी। उसके पश्चात् अन्य स्थानों पर इन ट्रेनों को चलाया जाएगा।

ग्रीन ग्रोथ की दूसरी पहल के तहत अब तक भारतीय रेल का 85 प्रतिशत से अधिक नेटवर्क का विद्युतीकरण कर दिया गया है। अब इलेक्ट्रिसिटी भी ग्रीन तरीके से आए, इसके लिए भी बड़े आकार के 'अल्ट्रा मेगा सोलर प्लांट्स' लगाए जाएँगे।

इन्फ्रास्ट्रचर की ग्रोथ के लिए कॉरिडोर एप्रोच अपनाया जा रहा है, जिसमें एनर्जी कॉरिडोर पहाड़ी क्षेत्रों के लिए अलग से कॉरिडोर, सागर माला कॉरिडोर-पोर्ट्स को कनेक्ट करने के लिए, जनजातीय गौरव



कॉरिडोर जो हमारे ट्राइबल्स एरिया हैं, जो अनकनेक्ट हैं उन्हें कनेक्ट करने के लिए, सीमेन्ट कोरिडोर, एनर्जी कॉरिडोर, इकोनॉमी तथा सोशल कॉरिडोर का कॉम्बीनेशन लेकर इन्फ्रास्ट्रक्चर का डेवलपमेंट किया जाएगा।

रेल मंत्री ने कहा कि, अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का काम काफी तेजी से चल रहा है। वर्तमान महाराष्ट्र सरकार द्वारा जरूरी सभी परमीशन दे दी गई हैं। इस वर्ष महाराष्ट्र में बुलेट प्रोजेक्ट का कार्य तेजी से करने पर फोकस रहेगा।

बजट में टूरिज्म भी एक बड़ा थीम है। भारतीय रेल द्वारा चलाई जा रही 'भारत गौरव ट्रेन' लोगों में काफी लोकप्रिय हो रही हैं। रामायण सर्किट, जगन्नाथ सर्किट, काशी विश्वनाथ सर्किट, शिर्डी साईंबाबा सर्किट आदि थीम बेस्ड ट्रेने चलाई जा रही हैं। आगामी दिनों में पांच से छः नए सर्किट जोड़ने की योजना है, जिनकी घोषणा जल्द ही की जाएगी।

इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट पास करने में लाई जा रही तेजी के विषय में श्री वैष्णव ने कहा कि रेल मंत्रालय द्वारा 'गति शक्ति निदेशालय' बनाया गया है। पहले आठ से ज्यादा डिपार्टमेंट अलग-अलग तरीके से बड़े प्रोजेक्ट पास करने की प्रक्रिया किया करते थे। अब इन सभी का एक ग्रुप बना दिया गया है। सभी साथ बैठकर प्रोजेक्ट पर निर्णय लेते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप जिन प्रोजेक्ट को पास करने में पहले वर्षों लग जाते थे, वो आज कुछ ही महीनों में तथा छोटे प्रोजेक्ट तो कुछ ही दिनों में पास हो रहे हैं। इसी तरह से हर मण्डल में गतिशक्ति इकाई की स्थापन की गई है। तथा जोनल स्तर पर भी गति शक्ति इकाई बनाई जा रही है। इससे समेकित तरीके से इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास किया जा सकेगा।

रेल मंत्री ने संबलपुर-शालीमार एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना





संबलपुर-शालीमार एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री, श्री नवीन पट्टनायक तथा रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति

ओडिशा के मुख्यमंत्री, श्री नवीन पट्टनायक ने केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय कोयला, खान मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री, श्री प्रह्लाद जोशी और केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में, अनुगुल रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में, नई संबलपुर-शालीमार एक्सप्रेस बरास्ता तालचेर-ढेंकानाल और भद्रक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बाद में केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, श्री प्रहलाद जोशी और श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा विद्युत लोको शेड, अनुगुल में आयोजित समारोह में 14 किमी लंबी अनुगुल-बलराम नई रेलवे लाइन का उद्घाटन किया गया। यह रेल लाइन देश के विभिन्न उद्योगों और बिजली घरों को माल, विशेष रूप से कोयले के परिवहन की सुविधा प्रदान करेगी।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष, ओडिशा विधान सभा, श्री रजनीकांत सिंह, सांसद, श्री महेश साहू, विधायक, श्री ब्रज किशोर प्रधान, श्री सुशांत कुमार बेहेरा महाप्रबंधक, पूर्व तट रेलवे, श्री रूप नारायण सुनकर अनुगुल रेलवे स्टेशन एवं विद्युत लोको शेड/अनुगुल में उपस्थित थे।

रेल मंत्री ने रखी भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास परियोजना की आधारशिला

केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय कोयला, खान एवं संसदीय कार्य मंत्री, श्री प्रह्लाद जोशी तथा केंद्रीय रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव ने भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी एवं दिनांक 29 दिसम्बर, 2022 को भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में पुरी-जलेश्वर-पुरी मेमू को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर श्री वैष्णव ने कहा कि, ओडिशा में रेलवे के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास में आधुनिक बुनियादी ढांचे एवं सुविधाओं के साथ और बहुत-सी सुविधाएं होंगी। इसके अलावा, ओडिशा के 36 रेलवे स्टेशनों को अब आधुनिक सुविधाओं से उन्नत किया जा रहा है।



भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का अनावरण करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति।

भारत गौरव पर्यटक ट्रेन 'श्री जगन्नाथ यात्रा' को दिल्ली से दिखाई गई हरी झंडी

भारत गौरव पर्यटक ट्रेन 'श्री जगन्नाथ यात्रा' को दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से रेल और संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और पर्यटन, संस्कृति एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री जी किशन रेड्डी के साथ शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल कुमार लाहोटी, पर्यटन सचिव श्री अरविंद सिंह, विभिन्न मंत्रालयों और आईआरसीटीसी के वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे। रेल मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम आईआरसीटीसी लिमिटेड इस ट्रेन को चला रहा है।



दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन 'श्री जगन्नाथ यात्रा' को झंडी दिखाकर रवाना करते श्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव, रेल मंत्री तथा अन्य अतिथिगण

भारत गौरव पर्यटक ट्रेन ने 528 पर्यटकों के साथ अपने विशेष भ्रमण श्री जगन्नाथ यात्रा की शुरुआत की, जो उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और उड़ीसा के कुछ बहुत ही प्रमुख तीर्थ और विरासत स्थलों की यात्रा कराती है।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री प्रधान ने कहा कि ट्रेन देश के आम नागरिकों को देश के भीतर विशेष रूप से तीर्थ स्थलों की यात्रा करने में सक्षम बनाने की प्रधानमंत्री की सोच को पूरा करती है। उन्होंने कहा कि यात्रियों के लिए आवास, भोजन और स्थानीय परिवहन सहित उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाएं प्रदान की गई हैं।

श्री वैष्णव ने कहा कि आठ ऐसे तीर्थ सर्किट पहले ही चालू हो चुके हैं, जिनसे श्रद्धालुओं को भारतीय संस्कृति से परिचित होने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में बड़ी संख्या में पर्यटन स्थल हैं और माननीय प्रधानमंत्री लोगों तक आसान पहुंच, उपयुक्त सुविधाएं और उचित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए मंत्रालय का मार्गदर्शन कर रहे हैं जिससे स्थलों का, सही तरीके से उपयोग किया जा सके।

श्री रेड्डी ने कहा कि लाखों भारतीय धार्मिक स्थलों की यात्रा करना चाहते हैं लेकिन सुविधा और सामर्थ्य की कमी के कारण ऐसा नहीं कर पाते यह ट्रेन देश के आम लोगों के बीच घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने में एक लंबा रास्ता तय करेगी। माननीय मंत्री ने कहा कि देश में घरेलू पर्यटन का तेजी से विस्तार हो रहा है।

ट्रेन 8 दिनों के दौरे पर अपनी यात्रा पर निकली है। जिसमें पर्यटकों के द्वारा भारत, के चार धामों में से एक यानी पुरी के जगन्नाथ मंदिर के दर्शन किए जाएंगे। वाराणसी, बैद्यनाथ धाम, कोणार्क और गया यात्रा के अन्य आकर्षण हैं।

अत्याधुनिक एसी डिब्बों वाली इस टूरिस्ट ट्रेन में यात्रा के दौरान गाजियाबाद, अलीगढ़, टूंडला, इटावा, कानपुर और लखनऊ स्टेशनों पर ट्रेन में चढ़ने/उतरने का विकल्प है।

भारत गौरव पर्यटक ट्रेन की शुरुआत घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की पहल 'देखो अपना देश' के अनुरूप है। ₹17,655 प्रति व्यक्ति से शुरू होने किराए के साथ पर्यटक ट्रेन एक ऑल इनक्लूसिव टूर पैकेज है जिसमें थर्ड एसी में ट्रेन यात्रा, होटलों में रात का ठहराव, सभी भोजन (केवल शाकाहारी), बसों से आना जाना और दर्शनीय स्थलों का भ्रमण, यात्रा बीमा और गाइड की सेवाएं शामिल हैं। स्वास्थ्य से जुड़े सभी एहतियाती उपायों का ध्यान रखा जा रहा है।



रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने की मध्य और पश्चिम रेलवे की परियोजनाओं की समीक्षा

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल कुमार लाहोटी ने दिनांक 14 जनवरी, 2023 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई में आयोजित मध्य और पश्चिम रेलवे की परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर श्री अशोक कुमार मिश्र, महाप्रबंधक मध्य और पश्चिम रेलवे, श्री आलोक सिंह, अपर महाप्रबंधक, मध्य रेल, श्री प्रकाश भूटानी, अपर महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे एवं मध्य और पश्चिम रेलवे के विभागों के प्रधान प्रमुख उपस्थित थे।



मध्य और पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र के साथ अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल कुमार लाहोटी ने समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

कार्य-संस्कृति में सुधार हेतु विशेष अभियान 2.0



'विशेष अभियान 2.0' के दौरान सुश्री जया वर्मा सिन्हा, सचिव रेलवे बोर्ड

भारत सरकार की ओर से प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (DARPG) ने 14 सितंबर, 2022 से 31 अक्टूबर, 2022 तक 'विशेष अभियान 2.0' की शुरुआत की, जिसमें विशेष रूप से पूरे देश में स्वच्छता, लंबित मामलों को कम करने और सरकार की कार्य-संस्कृति में सुधार लाने पर फोकस किया गया।

रेल मंत्री के नेतृत्व में सभी रेलवे इकाइयों अर्थात, रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलवे, उत्पादन इकाइयों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने अपने अथक प्रयासों, प्रचार प्रभागों और पर्यावरण और हाउसकीपिंग प्रबंधन डिवीजनों के माध्यम से रेल परिसरों, स्टेशनों, अस्पतालों, स्कूलों, विश्राम गृहों, स्टाफ रनिंग रूम, स्टाफ कॉलोनियों, कार्यशालाओं और अन्य कार्यालय परिसरों में 10,700 स्वच्छता अभियानों के माध्यम से मंत्रिपरिषद के समक्ष निर्धारित 7,337 के लक्ष्य को पार करके अभियान की जबरदस्त सफलता में योगदान दिया। ट्रेनों और स्टेशनों (सड़कों सहित) के यांत्रिकीकृत सफाई और कचरे के संग्रहण, सफाई और सुरक्षित निपटान पर विशेष जोर दिया गया। रेल मंत्रालय के ऐसे ही एक प्रयास की माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने ट्वीट में सराहना की।

इस विशेष अभियान 2.0 में रेलवे के स्वच्छता के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए लगभग 135 समाचार प्रकाशित किए गए। ट्वीटर पर हैशटैग #SpecialCampaign2.0 ने 25 हजार उल्लेखों के साथ 83.1 मिलियन की पहुंच दर्ज करते हुए 646 मिलियन इम्प्रेशन प्राप्त किए। करीब 5.51 हजार यूजर्स ने ट्वीट करते हुए इस हैशटैग का इस्तेमाल किया है।

इस अभियान अवधि के दौरान कार्यालय स्क्रैप सहित ₹33 करोड़ से अधिक स्क्रैप का निपटारा किया गया और 20,000 वर्ग फुट की जगह मुक्त की गई। अभियान अवधि के दौरान कई सर्वोत्तम पद्धतियाँ भी विकसित हुईं और 19-23 दिसंबर, 2022 के बीच विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित सुशासन सप्ताह की प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गईं, जिसमें सचिव/रेलवे बोर्ड ने मुख्य वक्ता थीं।









महिला एवं बालिका विशेषांक









भारतीय रेल द्वारा महिला यात्रियों को उपलब्ध कराई जाने वाली विविध सुविधाएँ



लंबी दूरी की मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में स्लीपर क्लास में छह बर्थ का आरक्षण कोटा और गरीब रथ/राजधानी/दुरंतो/पूरी तरह से वातानुकूलित एक्सप्रेस ट्रेनों की थर्ड एसी क्लास में छह बर्थ का आरक्षण कोटा अकेले या समूह में यात्रा कर रही महिला यात्रियों के लिए निर्धारित किया गया है, फिर चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो।

- स्लीपर क्लास में प्रति कोच छह से सात लोअर बर्थ, वातानुकूलित 3 टियर (3एसी) में प्रत्येक कोच में चार से पांच लोअर बर्थ और वातानुकूलित 2 टियर (2एसी) क्लास में प्रति कोच तीन से चार लोअर बर्थ (ट्रेन में उस श्रेणी के डिब्बों की संख्या पर निर्भर करता है) का संयुक्त कोटा वरिष्ठ नागरिकों, 45 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिला यात्रियों और गर्भवती महिलाओं के लिए निर्धारित किया गया है।
- कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) में वरिष्ठ नागरिकों, 45 वर्ष और उससे अधिक उम्र की महिला यात्रियों को स्वचालित रूप से निचली बर्थ आवंटित करने का प्रावधान है, भले ही बुकिंग के समय सीट की उपलब्धता के अधीन कोई विकल्प न दिया गया हो।
- ट्रेन प्रस्थान करने के बाद अगर ट्रेन में निचली बर्थ खाली हो और अगर दिव्यांग रियायत के अधिकार वाले किसी दिव्यांग व्यक्ति या वरिष्ठ नागरिक या गर्भवती महिला ने सीट बुक की हो, जिसे ऊपरी/मध्य बर्थ आवंटित की गई हो, और निचली बर्थ खाली रहने के मामले में संपर्क करते हैं तो ऑन-बोर्ड टिकट चेकिंग स्टाफ के पास चार्ट में आवश्यक प्रविष्टि करने के बाद उन्हें खाली निचली बर्थ आवंटित करने का अधिकार होता है।
- अगर प्रति शिफ्ट औसत मांग 120 टिकट से कम नहीं है तो दिव्यांग व्यक्तियों (दिव्यांगजन), वरिष्ठ नागरिकों, पूर्व सांसदों, विधायकों, महिलाओं, मान्यता प्राप्त पत्रकारों और स्वतंत्रता सेनानियों से प्राप्त आरक्षण मांगों के निपटारा हेतु विभिन्न यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) केंद्रों पर अलग-अलग काउंटर निर्धारित किए गए हैं। यदि महिलाओं सहित इनमें से किसी भी श्रेणी के व्यक्तियों के लिए एक विशेष काउंटर निधारित करने का कोई औचित्य नहीं है, तो इन सभी श्रेणियों के व्यक्तियों के आरक्षण अनुरोधों से निपटने के लिए कुल मांग के आधार पर एक या दो काउंटर निर्धारित किए जाते हैं।



जिन आरक्षण कार्यालयों को कम्प्यूटरीकृत नहीं किया गया है और जहां महिलाओं के लिए अलग काउंटर मौजूद नहीं हैं, वहां महिला यात्रियों को सामान्य कतार में शामिल होने के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए और सामान्य यात्रियों वाले काउंटर पर ही अलग से उनके लिए व्यवस्था करनी चाहिए।

- मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में महिलाओं के लिए अनारक्षित सीट निर्धारित की गई है।
- उपनगरीय ट्रेनों में विशेष रूप से महिला यात्रियों के उपयोग के लिए अलग डिब्बे/कोच निर्धारित किए गए हैं।
- जहां भी आवश्यक और व्यवहार्य है, वहां महिला स्पेशल ट्रेनें भी चलाई जाती हैं।
- महत्त्वपूर्ण स्टेशनों पर महिला यात्रियों के लिए प्रतीक्षालय/हॉल निर्धारित किए गए हैं।
- नियमानुसार महिला यात्रियों के लिए अलग शौचालय की व्यवस्था भी की गई हैं।

रेलकर्मियों के बच्चों को मिलने वाली छात्रवृत्तियाँ एवं अन्य सुविधाएँ

- भारतीय रेल गैर-राजपत्रित रेलकर्मियों के मेधावी बच्चों को उच्च तकनीकी/व्यावसायिक शिक्षा के लिए प्रतिमाह ₹1500 की छात्रवत्ति प्रदान करती है।
- इसके अलावा, ₹2400 तक के ग्रेड पे वाले रेलकर्मियों की बालिकाओं को प्रतिमाह ₹1500 की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
- भारतीय रेल महिला सशक्तीकरण की गतिविधियों यथा-संगोष्ठी, शिविर, प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने वाले शिविरों को बढ़ावा देती है। इसके तहत क्रेच (शिशु सदन), महिलाओं की सुरक्षा आदि से संबंधित पहल की जाती है।
- भारतीय रेल शारीरिक/मानसिक रूप से बाधित रेलकर्मियों और उनके बच्चों के लिए व्हील चेयर खरीदने, स्पेशल सॉफ्टवेयर इत्यादि उपलब्ध कराने एवं वर्कशॉप, सेमीनार, शिविर इत्यादि के आयोजन में भी सहायत करती है।
- भारतीय रेल खेल-कूद के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रेलकर्मियों के बच्चों को नकद पुरस्कार देती है।
- छात्रवृत्ति देने के लिए बच्चों/रेलकर्मियों का चयन करते समय बालिकाओं/महिलाओं को वरीयता दी जाती है।
- खेल-कूद के अलावा अन्य मनोरंजन संबंधी गतिविधियों के अंतर्गत भारतीय रेल द्वारा मनोरंजन सुविधाएं, व्यायामशाला (जिम) उपकरणों की खरीद, कर्मचारियों/कर्मचारियों के बच्चों के लिए अवकाश शिविर, अध्ययन भ्रमण आदि की सुविधा प्रदान की जाती है।
- सांस्कृतिक गतिविधियों के संवर्द्धन हेतु आवसीय कॉलोनियों, मंडलों एवं विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन एवं संबंधित उपकरणों आदि की खरीद/रखरखाव किया जाता है।
- ₹4600 ग्रेड पे तक के (अर्थात् पे मैट्रिक्स के स्तर-7) रेल कर्मचारियों के लिए विपत्ति और बीमारी आदि में सहायता हेतु रेल कर्मचारियों को जरूरत के समय अधिक सहायता राशि, जैसे दुर्घटनाओं में रेल कर्मचारियों को, तत्काल वित्तीय सहायता देना और उन रेल कर्मचारियों को सहायता राशि प्रदान करना, जो लंबे समय से बीमार हैं तथा लंबी अवधि से अस्पताल में भर्ती हैं और जो बिना वेतन के छुट्टी पर हैं अर्थात् कर्मचारी के खाते में (एलएपी या एलएचएपी) कोई छुट्टी नहीं है। रेल कर्मचारियों की मृत्यु होने पर अंत्येष्टि प्रभार के लिए प्रत्येक मामले में ₹10,000 की धनराशि प्रदान की जाती है।
- खेल-कूद गतिविधियों हेतु अद्यतन खेल-कूद उपकरण प्रदान करने और विद्यालयों, संस्थानों तथा क्लबों में प्रशिक्षण की व्यवस्था करके खेल-कूद को बढ़ावा दिया जाता है।
- स्काउट एवं गाइड गतिविधियों के अंतर्गत सभी रेलों में प्रशिक्षण संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध करायी जाती हैं।
- कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देते हुए ध्यान, योग, जीवनशैली आदि में परिवर्तन करके तनाव के स्तर को कम करने के लिए उचित परामर्श और वैकल्पिक तरीके अपनाए जाते हैं।
- इन सबके अलावा भी भारतीय रेल द्वारा हॉलिडे होम, रेस्ट हाउस, मनोरंजन/सूचना सुविधा जैसे-टीवी में सुधार के लिए सहायता; बिजली उपकरणों/ऐसी सुविधाओं पर आवर्ती व्ययों के लिए रखरखाव निधि की व्यवस्था कराई जाती हैं।

महिला सशक्तीकरण और महिलाओं की सामाजिक भागीदारी में निर्बाध यात्रा में आरपीएफ की महती भूमिका



भारतीय रेल में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा है जिस पर ध्यान देने और कार्रवाई करने की आवश्यकता है क्योंकि भारतीय रेल देश को जोड़ने वाली भारत की सबसे बड़ी सार्वजनिक परिवहन
प्रणाली है। 12,000 से अधिक ट्रेनों और 7,000 स्टेशनों के साथ भारतीय रेल नेटवर्क का विशाल स्तर, सभी ट्रेनों और सभी स्टेशनों और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक विशाल कार्य बनाता है; भारतीय रेल पर अपनी अखिल भारतीय उपस्थिति के साथ सौंपी गई प्रमुख एजेंसी होने के नाते; ट्रेनों में महिलाओं की सुरक्षा में सुधार के लिए विभिन्न पहलों और उपायों को लागू करके इस मुद्दे को हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इस प्रकार उन्हें भारतीय समाज में किसी भी भूमिका में स्वतंत्र रूप से और निडर होकर भाग लेने के लिए सशक्त बनाता है।

रेलवे सुरक्षा बल एक तीव्र विकास चक्र से गुजरा है जहां इसने रेलवे संपत्ति की सुरक्षा की अपनी प्राथमिक भूमिका से खुद को भारतीय रेल पर महिला और बाल सुरक्षा के प्रहरी के रूप में बदल लिया है।

भारतीय रेल में महिला सुरक्षा के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन

महिला सशक्तीकरण की ओर अग्रसर महिला सुरक्षा में अपनी विविध पहलों के बीच, RPF भारतीय रेल की पहली एजेंसियों में से एक है, जिसने महिलाओं के लिए आपातकालीन स्थिति में कॉल करने या किसी भी उत्पीड़न या कदाचार की रिपोर्ट करने के लिए महिलाओं के लिए एक टोल फ्री महिला सुरक्षा हेल्पलाइन स्थापित की है। इसके अलावा इस हेल्पलाइन को रेलमदद नंबर 139 (इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम (ईआरएसएस) यानी 112 और रेलमदद मोबाइल ऐप के साथ एकीकृत किया गया था। यह हेल्पलाइन महिलाओं के लिए सहायता प्राप्त करने और घटनाओं की रिपोर्ट करने के लिए एक महत्त्वपूर्ण उपकरण है, और आरपीएफ के लिए समस्या की सीमा पर डेटा एकत्र करने और शिकायत का तुरंत समाधान करने के लिए एक साधन के रूप में कार्य करती है। जिस वर्ष तुरंत संबोधित किया गया था।

महिला सुरक्षा पर सभी महिला आरपीएफ विशेष कार्य बल

सुरक्षा को और बढ़ाने के लिए, आरपीएफ ने छोटी और लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रा करने वाली महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रेनों में महिला सुरक्षा दस्ते का गठन किया है।

ये दस्ते, जिनमें महिला आरपीएफ कर्मी शामिल हैं, नियमित गश्त करते हैं और महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रेनों की जांच करते हैं।

ट्रेनों में उत्पीड़न और दुराचार की समस्या को दूर करने के लिए यह एक महत्त्वपूर्ण कदम है, क्योंकि यह महिला सुरक्षा कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित करता है जो महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और सुरक्षित वातावरण प्रदान कर सकते हैं।

'शक्ति' 'वीरांगना' 'भैरवी' जैसे कई महिला आरपीएफ दस्ते यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं कि भारतीय रेल में यात्रा करने वाली महिलाएँ बिना किसी परेशानी या डर के ऐसा कर सकें।



'मेरी सहेली' पहल: एंड-टू-एंड समग्र महिला सुरक्षा

रेलवे में महिलाओं पर अपराध के संबंध में एक डेटा-संचालित विश्लेषण किया गया था और तीन सबसे कमजोर क्षेत्रों की पहचान की गई थी, जो अकेले यात्रा करने वाली महिलाएँ, नाबालिग बच्चों के साथ यात्रा करने वाली महिलाएँ और अकेले या देखभाल करने वाले के साथ यात्रा करने वाली बुजुर्ग महिला यात्री थीं। मेरी महिलाओं की समग्र सुरक्षा समाप्त करें 'सहेली' टीमों की परिकल्पना की गई थी। 249 सभी महिलाएँ मेरी 939 महिला आरपीएफ कर्मियों के साथ 'सहेली' टीमों को पूरे भारत में तैनात किया गया है। सभी महिला टीमों को प्रारंभिक स्टेशन से गंतव्य स्टेशन तक कमजोर महिला यात्रियों की सीट संख्या प्रदान की जाती है और प्रत्येक स्टॉपिंग स्टेशन पर उक्त महिला यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित रूप से पहुंचने तक उनकी देखभाल की जाती है और ऐसा करने से महिला यात्रियों को यात्रा करने के लिए काफी हद तक सशक्त बनाया गया है। अकेले आरपीएफ सहेली की भावना के साथ उसे सुरक्षित महसूस करने और उसकी यात्रा को परेशानी मुक्त बनाने में मदद करने के लिए हमेशा मौजूद है।

रेलवे अधिनियम के तहत अभियोजन और छापे

भारतीय रेल ने महिला यात्रियों के लिए कोच नामित और आरक्षित किए हैं ताकि महिला यात्रियों के लिए परेशानी मुक्त और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित की जा सके और महिलाओं के लिए आरक्षित कोचों में प्रवेश करने वाले अपराधियों के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए भारतीय रेल अधिनियम की धारा 162 के तहत आरपीएफ को अधिकार दिया गया है। 2022 में आरपीएफ ने 77,026 अपराधियों पर मुकदमा चलाया है, जिन्होंने महिलाओं के लिए आरक्षित कोचों में मनमाने ढंग से प्रवेश किया है और ये सक्रिय छापे और अभियोजन महिला यात्रियों के लिए एक सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए निवारक पुलिसिंग का एक अचूक क्षेत्र बनाते हैं।

भारतीय रेल में हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरों की कवरेज बढ़ाना

ट्रेनों और स्टेशनों में रेलवे परिसरों को फेस रिकग्निशन कैमरों सहित हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरों से कवर किया गया है, जिसका उद्देश्य भारतीय रेल पर अवांछित तत्वों और ज्ञात हिस्ट्रीशीटरों पर 360 डिग्री सुरक्षा और निवारक सतर्कता सुनिश्चित करना है।

ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरे भी यात्रियों की आवाजाही पर नजर रखने और किसी भी तरह के उत्पीड़न या दुर्व्यवहार को रोकने के लिए उपयोगी होते हैं। यह संभावित अपराधियों के लिए एक निवारक के रूप में कार्य करता है और किसी भी घटना के मामले में सबूत भी प्रदान करता है और महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने और किसी भी समय सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के लिए महिला यात्रियों को सशक्त बनाने में एक महत्त्वपूर्ण निवारक कदम है।

आईएसएस के तहत सीसीटीवी कैमरे प्रदान किए गए हैं और हाल ही में वीएसएस के तहत 983 स्टेशनों को नेटवर्क उपस्थिति बढ़ाने के लिए सीसीटीवी कवरेज के तहत कवर करने के लिए निर्धारित किया गया है।

भारतीय रेल पर महिला अधिकारिता में जागरुकता अभियान

आरपीएफ महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में शिक्षित करने और किसी भी सुरक्षा चिंताओं की रिपोर्ट करने के तरीके के बारे में नियमित जन जागरुकता अभियान चलाती है। महिलाओं में उनके अधिकारों और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध उपायों के बारे में जागरुकता बढ़ाकर, आरपीएफ महिलाओं को कार्रवाई करने और उत्पीड़न या दुराचार की घटनाओं की रिपोर्ट करने के लिए सशक्त बना रहा है।

रेलवे सुरक्षा बल अपने कर्मियों को महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दों को संभालने के तरीके पर नियमित प्रशिक्षण भी प्रदान करता है। इस प्रशिक्षण में उत्पीड़न और दुराचार के मामलों को कैसे संभालना है, साथ ही आपात स्थिति में चिकित्सा सहायता कैसे प्रदान की जाए, शामिल है। यह सुनिश्चित करता है कि आरपीएफ कर्मी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सुसज्जित हैं और संकट में महिलाओं को आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं।

पर्याप्त प्रकाश और परिधि सुरक्षा

इन पहलों के अलावा, स्टेशन सुरक्षा योजना के तहत आरपीएफ ने महिला सुरक्षा पर ध्यान देने के साथ यात्री सुरक्षा बढ़ाने में बुनियादी सुरक्षा व्यवस्था और परिधि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों के लिए अनुकूलित एक विस्तृत योजना तैयार की है। स्टेशनों पर प्रकाश व्यवस्था बढ़ाने, अनाधिकृत प्रवेशों को बंद करने और निर्दिष्ट प्रवेश/निकास बिंदुओं के लिए आने-जाने के रास्तों को चाक-चौबंद करने



जैसे उपायों का रेलवे में यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है।

गर्भवती महिलाओं की सहायता के लिए महिला आरपीएफ कर्मियों द्वारा 'ऑपरेशन मातृ-शक्ति'

आरपीएफ की महिला कर्मी गर्भवती महिला यात्रियों को यात्रा के दौरान अचानक प्रसव पीड़ा होने पर उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने में मदद कर रही हैं। वर्ष 2020 से, 106 महिला यात्रियों को 'ऑपरेशन मातृ-शक्ति' के तहत सुनहरे घंटे में सुंदर जीवन देने में मदद की गई है और ऐसा करने में आरपीएफ कर्मियों ने अपने समर्पण के माध्यम से भारतीय रेल पर सुरक्षित यात्रा करने के लिए महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने का काम किया है, भले ही वे गर्भवती हों क्योंकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में उनकी सहायता के लिए आरपीएफ कर्मी मौजूद रहेंगे।

इन प्रयासों के बावजूद, भारतीय रेल में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में आरपीएफ के सामने अभी भी चुनौतियां हैं। 12,000 से अधिक ट्रेनों और 7,000 स्टेशनों के साथ भारतीय रेल नेटवर्क का विशाल स्तर इसे सभी ट्रेनों और सभी स्टेशनों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ी पहल बनाता है। इतने बड़े क्षेत्र को कवर करने के लिए आरपीएफ को सीमित संसाधनों और कर्मियों के साथ काम करना पड़ता है। एक और चुनौती महिला यात्रियों में उनके अधिकारों और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध उपायों के बारे में जागरुकता की कमी है। कई महिलाओं को हेल्पलाइन नंबर या उत्पीड़न या दुराचार की घटनाओं की रिपोर्ट करने की प्रक्रिया की जानकारी नहीं होती है। रेलवे सुरक्षा बल सोशल मीडिया उपस्थिति और महिला सुरक्षा में पहल के संबंध में नियमित प्रेस ब्रीफिंग के माध्यम से कई साथी गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से महिला यात्रियों के बीच उनके अधिकारों और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध उपायों के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए ठोस प्रयास कर रहा है।

रेलवे सुरक्षा बल भारतीय रेल में यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की सेवा करने के लिए समर्पित है और गतिशील डेटा-संचालित परिनियोजन और महिला सुरक्षा बढ़ाने में पथ-प्रदर्शक तकनीक का उपयोग करके 360-डिग्री समग्र रोकथाम और पहचान नेटवर्क सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। और इस तरह महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देना ताकि महिलाएँ भारतीय रेल में आत्मविश्वास के साथ यात्रा कर सकें।

आरपीएफ में महिलाओं की भागीदारी

भारत का सबसे बड़ा नियोक्ता, रेलवे कार्यबल में देश के लैंगिक अंतर को कम करने के लिए कदम उठा रहा है। वर्ष 2018-2019 में रेलवे सुरक्षा बल/रेलवे सुरक्षा विशेष बल में हाल ही में हुई भर्ती से पहले, महिला कर्मियों का प्रतिशत कुल स्वीकृत शक्ति का लगभग 3% था। वर्ष 2018 में शुरू हुई भर्ती में कांस्टेबलों और उपनिरीक्षकों के लिए अधिसूचित 8,619 और 1121 रिक्तियों में से क्रमशः 4,216 (49% लगभग) और 301 (लगभग 27%) रिक्तियां महिलाओं के लिए आरक्षित/अधिसूचित की गई हैं ताकि हिस्सा बढ़ाया जा सके। आरपीएफ में महिलाओं की भर्ती पूरी हो गई थी और अब आरपीएफ में महिलाओं का प्रतिशत कुल स्वीकृत बल के लगभग 3% से 9% तक काफी बढ़ गया है।

एक विशेष महिला बटालियन बनाई गई है। भारतीय रेल में महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए केंद्रित चुनौतियों का सामना करने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में महिला बटालियन को तैनात किया गया है। महिला आरपीएफ कर्मियों को नियमित रूप



से आरपीएफ के फ्रंटलाइन कार्यों में तैनात किया गया है, जैसे ट्रेन एस्कॉर्ट, ट्रैक पैट्रोलिंग, रेलवे प्रतिष्ठानों की सुरक्षा और कई महत्त्वपूर्ण कानून और व्यवस्था के कर्तव्यों में।

महिला रेल कर्मियों द्वारा संचालित उत्तर पश्चिम रेलवे का गांधीनगर जयपुर रेलवे स्टेशन



महिला सशक्तीकरण की दिशा में ली गई पहल के तहत उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर मंडल के गांधीनगर जयपुर स्टेशन को दिनाक 19 फरवरी, 2018 को सम्पूर्ण रूप से महिला संचालित स्टेशन बनाया गया था। आज यह स्टेशन महिला रेलकर्मियों द्वारा सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। गांधीनगर जयपुर स्टेशन सम्पूर्ण भारतीय रेल के साथ-साथ देश में भी महिला सशक्तीकरण की मिसाल बनकर उभरा है। राजस्थान की राजधानी जयपुर का यह महत्त्वपूर्ण स्टेशन जयपुर-दिल्ली रेल मार्ग पर स्थित है। इस स्टेशन से लगभग 50 ट्रेनें रोज गुजरती है, जिनमें से 25 ट्रेनों का यहाँ ठहराव है। जयपुर शहर के पूर्वी क्षेत्रों मालवीय नगर, जगतपुरा, बजाज नगर, टोंक रोड, जवाहर लाल नेहरू मार्ग इत्यादि से लगभग 15,000 यात्री प्रतिदिन गांधीनगर स्टेशन से आवाजाही करते है। इस स्टेशन पर स्टेशन मास्टर से लेकर पॉइंट्समैन तक सभी महिला कर्मचारी पदस्थ हैं।

गांधीनगर जयपुर स्टेशन पर कार्यरत महिला कर्मचारियों को आत्मविश्वास से कार्य करने हेतु विशेष प्रशिक्षण दिया गया है, जिसके कारण यहाँ कार्यरत् महिला रेलकर्मी बेहतर और पूर्ण आत्मविश्वास के साथ कार्य कर रही है। उत्तर पश्चिम रेलवे के गॉधीनगर जयपुर स्टेशन पर समस्त महिला कर्मचारी पूर्ण उत्साह के साथ अपने कार्यो निष्पादित कर रही और वर्तमान में यह सबसे कार्यकुशल स्टेशनों की श्रेणी में सम्मलित है।

उत्तर पश्चिम रेलवे में वर्तमान में 2,885 महिला कर्मचारी कार्यरत हैं। यह महिलाकर्मी स्टेशन मास्टर, लोको पायलेट, ट्रेक मैंटेनर, डीजल शैड और वर्कशॉप में इंजीनियर व खलासी, रेलवे सुरक्षा बल, टीटीई, नर्सिगकर्मी, चिकित्सक, गार्ड इत्यादि पदों पर बखूबी अपना दायित्व निभा रही है। इसके साथ ही उत्तर पश्चिम रेलवे में कार्यरत् महिला खिलाडियों ने भी देश-विदेश में होने वाली प्रतियोगिताओं में मैडल प्राप्त कर देश को गौरवान्वित किया है।



"शिक्षित बालिका एक शिक्षित परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण की एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है। 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' के उपलक्ष्य पर मैं एक चिकित्सक के रूप में संदेश देना चाहती हूँ कि लड़का और लड़की में कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। भ्रूण हत्या को रोकने के लिए भी और प्रयास हो व जागरूकता हों, ताकि लोगों की मानसिकता में बदलाव आ सकें।

मेरे स्वयं की दो बेटियाँ होने के कारण मेरा व्यक्तिगत अनुभव है कि बेटियाँ जो कर सकती हैं वो कोई और नहीं कर सकता है। बेटियाँ घर की रौनक होती है। बेटों और बेटियों में भेदभाव करना गलत है इस ओर जागरूकता की और भी आवश्यकता है।"

डॉ. लक्ष्मी मीना
मुख्य स्वास्थ्य निदेशक, उत्तर पश्चिम रेलवे

कोलकाता मेट्रो का एक संपूर्ण महिला प्रबंधित मेट्रो स्टेशन



नेताजी भवन मेट्रो स्टेशन महिला सशक्तीकरण का प्रतीक है। 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' को भव्य तरीके से मनाने के लिए उत्तर-दक्षिण मेट्रो कॉरिडोर के इस भूमिगत स्टेशन को 'सम्पूर्ण महिला प्रबंधित मेट्रो स्टेशन' में बदल दिया गया है। इस स्टेशन के स्टेशन मास्टर से लेकर सफाईवाला तक सभी कर्मचारी महिलाएँ हैं और वे अपनी दैनिक कार्यों को लगन और समर्पण के साथ करती हैं। नेताजी भवन मेट्रो स्टेशन को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के निवास के साथ इसकी निकटता के लिए 18 जुलाई से 23 जुलाई, 2022 तक, देश की आजादी के 75वें वर्ष के जश्न के क्रम में 'आजादी की रेल ट्रेन और स्टेशन' प्रतिष्ठित सप्ताह मनाने के लिए भारतीय रेल नेटवर्क के 75 स्टेशनों में से एक के रूप में चुना गया था। दिनांक 14 अगस्त, 2022 को नेताजी भवन मेट्रो स्टेशन पर विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस भी मनाया गया।

आप सबका **भारतीय रेल** के साथ अटूट रिश्ता है

भारतीय रेल के साथ आप अपने संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, गीत, लेख आदि हिन्दी में हमें भेज सकते हैं। पसंद आने पर रचनाओं को हम रेल मंत्रालय की आधिकारिक मासिक पत्रिका

भारतीय रेल

में प्रकाशित करेंगे

ई-मेल editorbhartiyarailrb@gmail.com

चयनित सामग्री लेख की जानकारी ई-मेल द्वारा दी जाएगी,
प्रकाशित रचनाओं के लिए रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदेय भी दिया जाएगा

शर्तें लागू

उत्तर मध्य रेलवे : महिला सशक्तीकरण का नया दौर

सशक्त महिला, सशक्त परिवेश।
तभी बनेगा सशक्त देश।।

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।
यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः।
मनुस्मृति का यह श्लोक अक्षरशः महिलाओं का महत्त्व दर्शाता है। महिलाएँ आदिकाल से ही जीवन एवं समाज का आधारस्तम्भ रही है। आज के प्रगतिशील समाज में भी महिलाएँ समाज के निर्माण एवं प्रगति में उत्तरोत्तर सहयोग प्रदान कर रही हैं। आज प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएँ पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर समाज एवं देश के परिवेश को सशक्त कर रही हैं।



भारतीय रेल भी इसका एक अनूठा उदाहरण है। जहाँ एक ओर महिलाएँ प्रत्येक कार्यक्षेत्र में अपना योगदान प्रदान रेल को सशक्त कर रही हैं, साथ ही साथ महिला यात्रियों की सुविधाओं एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देकर समाज तथा देश को भी सशक्त किया जा रहा है।

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा भी सतत् इस दिशा में कई प्रयास किये जा रहे हैं। आज उत्तर मध्य रेलवे के लगभग हर विभाग एवं क्षेत्र में महिलाएँ कार्यरत हैं। उन्हें यहाँ सुरक्षित वातावरण के साथ समुचित सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। इन्ही सुविधाओं के प्रतिफल वो सर्वोत्तम प्रदर्शन करते हुए देश के उत्थान में सहभागिता कर रही हैं।

महिला कर्मियों हेतु विशेष व्यवस्था- हमारे कार्यालयों में राजपत्रित अधिकारी और कर्मचारी, अस्पतालों में डॉक्टर, सर्जन और पैरा-मैडिकल स्टाफ, इंजीनियर और जूनियर इंजीनियर, स्टेशन मास्टरों, आरक्षण लिपिकों, चल टिकट परीक्षकों इत्यादि जैसे फ्रंट लाइन कर्मचारियों के रूप में हजारों महिलाएँ कार्य कर रही हैं। उत्तर मध्य रेलवे में महिला लोको पायलट, दक्ष तकनीशियन, सहायक, आर्टिजन तथा अनेक



उत्तर मध्य रेलवे ना सिर्फ अपने आंतरिक कार्य क्षेत्र में बल्कि बाहरी समाज के महिला सशक्तीकरण के लिए भी प्रतिबद्ध है। घटते लिंग अनुपात के प्रति लोक जागरुकता बढ़ाने हेतु आगरा मंडल के नदबई एवं खेड़ली सहित कई स्टेशनों को गुलाबी रंग में रंगा गया है।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी महिलाएँ हैं। रेलवे अपनी महिलाकर्मियों की आवश्यकताओं को लेकर बेहद संवेदनशील है और यह सुनिश्चित करती है कि ये महिला कर्मी कार्य स्थलों पर पूरी सुविधा और सुरक्षा के माहौल में कार्य करें। उत्तर मध्य रेलवे में कार्यरत महिलाओं हेतु विशेष प्रसाधन, वेन्डिंग मशीन, फीडिंग कक्ष के साथ-साथ रनिंग रूमों में एकल कक्ष की व्यवस्था है। प्रमुख कार्यालयों महिला कर्मियों को सेनेटरी नेपकिन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्वचालित सेनेटरी नेपकिन वेंडिंग मशीनें लगाई हैं। प्रमुख कार्यालय परिसरों में क्रैच (शिशु देख-भाल गृह) चलाए जा रहे हैं ताकि कार्य स्थलों पर महिलाएँ अपने कार्य के साथ-साथ अपने शिशुओं की देख-भाल भी कर सकें।



सेवा एवं सुरक्षा-हम अपने ग्राहकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु निरंतर प्रयत्नशील हैं विशेषत: महिला यात्रियों को। अपनी महिला रेलयात्रियों को सुविधाजनक अपने गंतव्य तक पहुंचाने के लिए उत्तर मध्य रेलवे द्वारा ट्रेनो में महिला डिब्बे लगाए गए हैं। प्रत्येक रेलट्रेन में आरक्षित डिब्बों में 6 सीटें/ शायिकाएं महिलाओं के लिए आरक्षित रहती हैं। रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को सैनिटरी नैपकिन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्वचालित सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें लगाई हैं। स्टेशनों एवं मुख्य भवनों में शिशु फीडिंग कक्ष की व्यवस्था के साथ गाड़ियों में बेबी सीट की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। स्टेशनों एवं ट्रेनों में सीसीटीवी की व्यवस्था एवं मेरी सहेली यात्रियों को यात्रा के दौरान सुरक्षा भाव देता है।

सम्मान एवं पहचान-वर्ष 2022 के 67वें रेलवे सप्ताह पुरस्कार समारोह में उत्तर मध्य रेलवे की दो अधिकारी क्रमश: सुश्री मानसी वर्मा वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधि कारी आगरा मंडल को अपने कार्य निष्पादन के दौरान मानव संसाधन नियोजन, करियर प्रगति, प्रशिक्षण, शिकायत निवारण, एवं कर्मचारी कल्याण सहित मानव संसाधन प्रबंधन से जुड़े कार्यों में अपने सकारात्मक प्रबंधन से नए आयाम स्थापित करने हेतु रेलमंत्री द्वारा पुरस्कृत किया गया।



श्रीमती आकांक्षा शर्मा उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/जीएसडी/झांसी को लॉकडाउन के दौरान भी सभी सामग्रियों की उपलब्धता निर्बाध बनाए रखने व कई अप्राप्य सामग्रियों के मुद्दों को अपने तत्पर प्रयासों से समाधान करने हेतु रेलमंत्री द्वारा पुरस्कृत किया गया।

इसी क्रम में श्रीमती पूजा सिंह, को अगस्त-22 माह के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी के 'संरक्षा पुरस्कार' से पुरस्कृत किया गया है। महिला आरक्षी पूजा सिंह ने ड्यूटी के दौरान वीरांगना लक्ष्मीबाई स्टेशन के प्लेटफॉर्म नं. 2/3 पर ट्रेन संख्या 11842 के जनरल कोच से उतरी महिला का सुरक्षित प्रसव कराया। इस प्रकार इन्होंने रेलवे यात्री की सुरक्षा के साथ अपनी ड्यूटी के प्रति सराहनीय कार्य किया गया है।

सामाजिक उत्थान में सहभागिता-उत्तर मध्य रेलवे में क्षेत्रीय स्तर एवं मंडल स्तर पर महिला कल्याण संगठन संचालित है। ये संगठन विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंद रेल कर्मियों और उनके परिवारों की सहायता में नि:स्वार्थ एवं अनुकरणीय योगदान प्रदान करते हैं। इन संगठनों द्वारा शिक्षा के प्रचार प्रसार के लिए विभिन्न विद्यालयों का संचालन किया जाता है जिसमे शिक्षण के साथ समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम 'जैसे ड्राइंग एवं पेंटिंग, निबंध, आर्ट एवं क्राफ्ट, नृत्य, ताइक्वोंडो, वादविवाद एवं विभिन्न खेलों से सम्बंधित कोर्स तथा प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं, जिससे बच्चों का

सर्वंगीण विकास हो सके। संगठन के द्वारा सतत समाज सेवा एवं लड़कियों एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इनके माध्यम से बालिकाओं और रेलवे परिक्षेत्र में निवास कर रही महिलाओं को शिक्षा, सिलाई, कढ़ाई, खाने के उत्पाद आदि बनाने हेतु कोर्स आयोजित किये जाते है, जिससे आत्मनिर्भर होकर देश के विकास में अपना योगदान दे सकें। इन संगठनो के द्वारा महिला कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने हेतु सम्मान समारोह एवं पुरस्कार वितरण आयोजित किये जाते हैं। इसके साथ ही निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं जागरुकता कार्यक्रम भी समय-समय पर आयोजित किये जाते हैं।

मेरी सहेली-रेलवे सुरक्षा बल/उत्तर मध्य रेलवे द्वारा ट्रेनों में यात्रारत महिलाओं की सुरक्षा एवं सहायता प्रदान करने हेतु प्रयागराज, झाँसी एवं आगरा मण्डलों में 'मेरी सहेली' पहल के तहत रेलवे सुरक्षा महिला बल सदस्यों की टीम का गठन किया गया है, जिनके द्वारा उत्तर मध्य रेलवे से प्रारम्भ होने वाली ट्रेनों एवं अन्य चिन्हित गाड़ियों में यात्रारत महिलाओं को अटेंड कर उनका यात्रा सम्बन्धी विवरण नोट कर दूसरे जोनों/मण्डलों के साथ साझा किया जा रहा है तथा ट्रेनों में यात्रारत महिलाओं को सुरक्षा के सम्बन्ध में पम्पलेट, बैनर एवं Rail Display Network (RDN) आदि के माध्यम से जागरुकता के लिए, रेल मदद सुरक्षा हेल्प लाइन नं. 139 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।



महिलाओं को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की समस्या आने पर समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु रेलवे सुरक्षा बल द्वारा हर सम्भव सहायता प्रदान की जा रही है।

उत्तर मध्य रेलवे के सूबेदारगंज प्रयागराज स्थित क्षेत्रीय रेलवे सुरक्षा बल प्रशिक्षण केंद्र महिला प्रशिक्षुओं के पहले बैच की दीक्षांत परेड का आयोजन हुआ। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे की 19, मध्य रेलवे की 59, उत्तर रेलवे की 97, पूर्वोत्तर रेलवे की 02, उत्तर पश्चिम रेलवे की 22, पश्चिम रेलवे की 47 और पश्चिम मध्य रेलवे की 03 महिला आरक्षी प्रशिक्षुओं सहित कुल 248 महिला प्रशिक्षुओं ने अपने 9 माह के कठिन प्रशिक्षण को पूरा किया और दीक्षांत परेड में हिस्सा लेकर औपचारिक रूप से रेलवे सुरक्षा बल का अंग बनी।

खेल जगत-उत्तर मध्य रेलवे की महिला खिलाड़ी विभिन्न खेलों में अपनी सहभागिता दर्ज कराती हुई अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से उत्तर मध्य रेलवे के साथ साथ देश का गौरव बढ़ा रहीं हैं। बर्मिंघम में संपन्न राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक विजेता महिला हॉकी टीम की सदस्य गुरजीत और निशा एवं अतंर्राष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंटों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली पूनम और एकता ने उत्तर मध्य रेलवे की पहचान को अंतरष्ट्रीय स्तर पर चिन्हित कर दिया है। बर्लिन में आयोजित विश्व रेलवे क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में रजत पदक विजेता छवि यादव ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हमें गौरवान्वित किया है। उन्होंने मुंबई मैराथन और इंटर रेलवे क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप भी जीती।

69वीं अखिल भारतीय रेल महिला एवं पुरुष बैडमिन्टन चैंपियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे की टीम ने महिला टीम इवेन्ट में कॉस्य पदक जीता।

53वीं अखिल भारतीय रेल क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप उत्तर मध्य रेलवे की महिला टीम ने रजत पदक जीता।

मुंबई में आयोजित 8वीं महिला अखिल भारतीय रेल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे की महिला खिलाडियों ने आठ पदक जीते। 226 अंकों के साथ उत्तर मध्य रेलवे की महिला टीम ने चैंपियनशिप जीती। उत्तर मध्य रेलवे की कोमल कोहार ने 45 किलोग्राम भार वर्ग में राष्ट्रीय रिकॉर्ड को भी तोड़ा है।





अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस : पश्चिम मध्य रेलवे में महिलाओं ने संभाली ट्रेनों की कमान



महिला लोको पायलटों द्वारा ट्रेनों का संचालन
पश्चिम मध्य रेलवे के विकास में महिला रेल कर्मचारियों का अहम योगदान है

'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर दिनाँक 08 मार्च, 2022 को पश्चिम मध्य रेलवे में नारी शक्ति की एक अनूठी मिसाल महिला रेल कर्मियों द्वारा दी गई। इस अवसर पर जबलपुर रेलवे स्टेशन में गुड्स ट्रेन और भोपाल रेलवे स्टेशन से मेल एक्सप्रेस यात्री ट्रेन का संचालन पूरी तरह से महिला कर्मियों द्वारा किया गया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पमरे महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता ने सभी महिला कर्मियों को महिला दिवस की बधाई देते हुए अपने कार्य को कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिए शुभकामनाएँ दीं। पमरे के विकास और प्रगति में महिलाओं का विशेष योगदान है। पमरे में महिला रेल कर्मी विभिन्न पदों पर सफलतापूर्वक कार्य कर रही है।

जबलपुर रेलवे स्टेशन में गुड्स लोको पायलट संजू रंगारे एवं वर्षा यादव द्वारा गुड्स ट्रेन का संचालन किया गया।

इसी शृंखला में लोको पायलट श्रीमती कुमारी नूतन एवं सहायक लोको पायलट सुनैना चरपे द्वारा ट्रेन संख्या 18235 भोपाल–बिलासपुर एक्सप्रेस का भोपाल से बीना के मध्य सफल संचालन कर महिला सशक्तीकरण की मिसाल कायम की। इस दौरान उक्त ट्रेन में श्रीमती गीता गुसारी एवं रीता यादव द्वारा टिकट जाँच की गई।

इस ट्रेन का विदिशा, गंजबासौदा एवं बीना स्टेशनों पर स्वागत भी किया गया।



भारतीय रेल की प्रथम महिला परिवहन निरीक्षक

श्रीमती गीता रानी, परिवहन निरीक्षक के पद पर परिचालन विभाग कोटा मंडल में कार्यरत हैं। श्रीमती गीता रानी की नियुक्ति पश्चिम मध्य रेल में प्रथम महिला स्टेशन मास्टर के रूप में दिनांक 27 फरवरी, 1991 में हुई थी। श्रीमती गीता रानी, भारतीय रेल में परिवहन निरीक्षक के पद पर चयनित एवं ट्रैनिंग पूरी करने वाली प्रथम महिला कर्मचारी हैं। इनके द्वारा निम्न उत्कृष्ट कार्य निष्पादित किये गये हैं:-

इनके द्वारा दिनांक 21 अक्टूबर, 1992 को एक दुर्घटना को बचाया। इनकी सतर्कता और त्वरित सुरक्षा उपायों के लिए वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी/कोटा द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया था।

- इनके द्वारा दिन और रात में स्टेशन और समपार फाटकों के काम, फुटप्लेट, ब्रेकयान, संयुक्त ट्रॉली निरीक्षण आदि निष्पादित किये गये।
- दुर्घटना स्थल पर उपस्थित होना एवं संयुक्त पूछताछ कर समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
- छुट्टी, आवधिक चिकित्सा परीक्षा के मामले में कर्मचारियों का प्रबंधन।



उत्तर रेलवे के गतिशील पहियों को सशक्त करती महिला शक्ति



लुधियाना के पास ढंडारी कलां में स्टेशन मास्टर के पद पर सेवारत आरती और विवेकांजलि रावत

उत्तर रेलवे अनेक राज्यों जैसे उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के कई भागों, दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर व चंडीगढ़ के केंद्र शासित प्रदेशों को सेवा प्रदान करते हुए भारतीय रेल का ताज बना हुआ है। रूट किमी की दृष्टि से सबसे बड़ा जोन होने के नाते उत्तर रेलवे में रेलवे कर्मचारियों की एक बड़ी संख्या है, जिनमें से लगभग 15% महिलाएँ हैं।

एक खुशनुमा कार्यस्थल एक उत्पादक कार्यस्थल भी होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए उत्तर रेलवे ने कार्यालयों और कार्यस्थलों पर महिला कर्मचारियों की खुशियों और उमंगों को बनाए रखने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। जहां एक ओर महिलाएँ अपने परिवार की देखभाल का दायित्व उठा रही हैं, वहीं दूसरी ओर वे अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों का भी कुशलता से निर्वाह कर रही हैं। बच्चे हमारे राष्ट्र का भविष्य हैं और उनकी संरक्षा, सुरक्षा और सही पालन-पोषण किसी भी समाज के लिए सर्वोपरि है।

इन दिनों बेहद आत्मविश्वासी, शिक्षित और प्रशिक्षित महिलाएँ उत्तर रेलवे के संगठन में विभिन्न स्तरों पर कार्य कर रही हैं और अपने चुने हुए क्षेत्रों में अपने पुरुष साथियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर उत्कृष्ट कार्यप्रदर्शन कर रही हैं।

हजारों महिलाएँ फ्रंटलाइन कर्मचारियों जैसे राजपत्रित अधिकारी, डॉक्टर, पैरामेडिक्स, इंजीनियर, स्टेशन मास्टर, आरक्षण क्लर्क, टीटीई, लोको पायलट, ट्रेन गार्ड, कुशल तकनीशियन, सहायक, कारीगर और कार्यालय कर्मचारी के रूप में काम कर रही हैं। भारतीय रेल में महिला खिलाड़ियों का हमेशा अपना विशेष स्थान रहा है। इन खिलाड़ियों में सुश्री साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, दिव्या काकरान, सरिता रोमित सिंह, मेघना सिंह, नवजीत ढिल्लों जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। उत्तर रेलवे से कई और लोगों ने हाल के दिनों में देश के लिए ख्याति और प्रशंसा हासिल की है।

हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और माननीय रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा माननीय रेल राज्यमंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश के मार्गदर्शन में उत्तर रेलवे पारंपरिक रूप से पुरुष प्रधान संगठन में प्रत्यक्ष सकारात्मक बदलाव लाकर अपनी महिला कर्मचारियों, खिलाड़ियों, महिला यात्रियों और बच्चों के लिए हर संभव श्रेष्ठ प्रयास कर रही है। यह जोन अपनी महिला कर्मचारियों की जरूरतों के प्रति बहुत संवेदनशील है और यह सुनिश्चित करता है कि उन्हें ड्यूटी के दौरान सुरक्षित और आरामदायक कार्य वातावरण प्रदान किया जाए।

महिला कर्मचारियों को सभी रेलवे कर्मचारियों को दी जाने वाली सामान्य सुविधाओं के अलावा मातृत्व अवकाश, शिशु देखभाल अवकाश और बेहतर परिवार कल्याण के लिए विशेष अवकाश जैसे विशेषाधिकार दिए गए हैं। महिला कर्मचारियों की तैनाती के समय इस बात का ध्यान रखता है कि वे अपने प्रशासन परिवारों के करीब रहें। मण्डलों और कार्यालयों के कार्यालय परिसर में क्रेच चलाए जा रहे हैं ताकि नई माताओं को अपने आधिकारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए अपने बच्चों की देखभाल करने में सक्षम बनाया जा सके।

उत्तर रेलवे दिल्ली एनसीआर में दैनिक महिला यात्रियों के लिए लेडीज स्पेशल ईएमयू और एमईएमयू ट्रेनों की सेवाएं दे रही है। अधिकांश उपनगरीय ट्रेनों में महिला यात्रियों के लिए विशेष डिब्बे भी आरक्षित होते हैं। यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा और संरक्षा हेतु इन कोचों और ट्रेनों में 'भैरवी' बटालियन और 'महिला वाहिनी' से संबंधित आरपीएफ महिला कर्मियों को तैनात किया गया है। पुरुष अपराधियों को दंडित करने के लिए सख्त कानून भी हैं। अप्रैल-दिसंबर 2022 के दौरान, रेलवे अधिनियम की धारा 162 के तहत 1083 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। महिलाओं के लिए आरक्षित कोचों में पुरुष यात्रियों द्वारा यात्रा करने पर जुर्माने के रूप में ₹4,36,210 वसूल किए गए।



कम्प्यूटरीकृत आरक्षण प्रणाली विशेष रूप से ई-टिकटिंग सुविधा से महिला यात्रियों को बड़े पैमाने पर मदद मिल रही है। वे अपने घरों में आराम से वांछित गंतव्यों के लिए टिकट बुक कर सकती हैं। विश्राम कक्ष की ऑनलाइन बुकिंग भी महिला यात्रियों के सुखद यात्रा अनुभव में इजाफा कर रही है। कई स्टेशनों पर जलपान स्टालों के साथ महिलाओं के लिए विशेष प्रतीक्षालय उपलब्ध हैं।

उत्तर रेलवे 'बच्चों' और 'शिशु' यात्रियों की आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। इसके लिए 'जननी सेवा योजना' के तहत अनेक पहल की गई हैं। कोचों में नैपी चेंजिंग बोर्ड दिए जा रहे हैं। कुछ कोचों में बच्चों को बर्थ उपलब्ध कराई जा रही है। बच्चों की बर्थ, मुख्य बर्थ से जुड़ी छोटी विस्तारित सीटें हैं। रेलवे स्टॉलों को सलाह दी गई है कि वे भुगतान के आधार पर रेलवे स्टेशनों पर बेबी फूड, दूध, गर्म पानी और अन्य जरूरी सामान रखें। आईआरसीटीसी की ई-केटरिंग योजना के माध्यम से बच्चों के मेन्यू का ऑर्डर भी उपलब्ध कराया जा रहा है। स्तनपान कराने वाली माताओं को अपने बच्चों को एकांत में स्तनपान के लिए सभी महत्त्वपूर्ण स्टेशनों पर प्रतीक्षालय के भीतर विभाजित/पृथक् क्षेत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

अखिल भारतीय हेल्पलाइन नंबर '139' और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रेन में यात्रा करते समय महिला और बच्चों की सुरक्षा संबंधी समस्याओं के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो रहे हैं।

सभी यात्रियों के लाभ के लिए रेलवे ने पूछताछ, सहायता और शिकायत निवारण तंत्र 'रेल मदद' भी स्थापित किया है। यात्रा करने वाले शिशुओं के लिए दूध/गर्म पानी उपलब्ध कराने के लिए कई अनुरोध इसी प्लेटफॉर्म पर प्राप्त होते हैं। यात्रियों की मदद के लिए रेलवे उनकी जरूरतों को हमेशा पूरा करती है।

बेहतर व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वास्थ्य के मद्देनजर महिला स्वास्थ्य से जुड़े सार्वजनिक अभियानों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रेल ने रेलवे महिला कल्याण केंद्रीय संगठन, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली की विशेष उत्पादन इकाई 'दस्तक' में उत्पादित पर्यावरण के अनुकूल और किफायती सैनिटरी पैड लॉन्च करने की एक विशिष्ट पहल की है। महिलाओं की इस बुनियादी जरूरत को



रेलवे महिला कल्याण केंद्रीय संगठन, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली की विशेष उत्पादन इकाई 'दस्तक' में पर्यावरण के अनुकूल और किफायती सैनिटरी पैड बनातीं महिलाएँ

पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध, उत्तर रेलवे ने यात्रा के दौरान महिला यात्रियों के लिए सैनिटरी नैपकिन की पहुंच को व्यापक बनाया है। कई प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर स्वचालित सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और इनसिनरेटर लगाए गए हैं। इस पहल के अंतर्गत बड़ौदा हाउस स्थित रेलवे परिसरों को भी शामिल किया गया है।

उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती शिखा गंगल, प्री-स्कूल और प्राइमरी स्कूल के बच्चों के समग्र विकास पर जोर दे रही हैं। शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के सही मेल के साथ प्रत्येक बच्चे के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।

उत्तर रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल के कर्मी सामान्य रूप से रेल यात्रियों और विशेष रूप से महिलाओं एवं बच्चों के प्रति अत्यधिक समर्पित हैं। कई स्टेशनों पर मानव तस्करी के कई मामले पकड़े गए हैं और कई किशोरियों और बच्चों को एजेंटों के चंगुल से छुड़ाया गया है। वित्त वर्ष में उत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से 3258 भागे हुए बच्चों को पकड़कर उनके परिवारों से मिलाया गया अथवा पुनर्वास के लिए एनजीओ को सौंपा गया।

उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन, उत्तर रेलवे में तैनात अधिकारियों की पत्नियों द्वारा संचालित एक परोपकारी संगठन है। एनआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की प्राथमिकता रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों का कल्याण रहा है। यह संगठन सामाजिक कल्याण अभियान चला रहा है, प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं और महामारी के दौरान सहायता प्रदान कर रहा है। संगठन कई प्राथमिक विद्यालयों, प्रौढ़ शिक्षा कक्षाओं का संचालन करता है और महिलाओं को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करता है। यह व्याख्यान, स्वास्थ्य कार्यशालाएं, ड्राइंग, पेंटिंग और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन भी करता है। यह रेलवे कर्मचारियों के योग्य बच्चों को छात्रवृत्तियां भी प्रदान करता है।

उत्तर रेलवे रेल यात्रियों और कर्मचारियों को सर्वोत्तम सुविधाएं देने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। यह देश की महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए भी खुद को समर्पित कर रहा है।

उत्तर रेलवे की पहली महिला इंजन पायलट लक्ष्मी लाकड़ा 2005 में प्रशिक्षु सहायक लोको पायलट के रूप में दिल्ली मंडल में शामिल हुईं। उनकी प्रेरक कहानी को एनसीईआरटी की कक्षा 5 की पाठ्यपुस्तक 'सामाजिक और राजनीतिक जीवन' में शामिल किया गया है। उसके बाद से कई और महिलाएँ ट्रेन संचालन के क्षेत्र से जुड़ चुकी हैं। लोको पायलट सुधा वर्मा ने कहा कि हमें अपने सहयोगियों से कभी भी किसी विरोध या भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ा। हमारे वरिष्ठ अधिकारी बहुत उत्साहजनक व्यवहार करते हैं और वे हमेशा हमें ट्रेन की बारीकियां सिखाते हैं। सुधा वर्मा किसी दिन राजधानी एक्सप्रेस चलाने की इच्छा रखती हैं। बी.टेक डिग्री प्राप्त आरती इलेक्ट्रिक लोको का संचालन करने में अपने आपको सबसे आरामदायक स्थिति में पाती है। जलंधर कैंट में तैनात वरिष्ठ एएलपी, अंकिता बरनवाल का रिकॉर्ड बेहद शानदार है। वह कहती हैं कि मैं इन बड़े-बड़े इंजन चलाना चाहती थी मुझे खुशी है कि मैं अपने सपने को साकार कर सकी।

रेल पर्यटन व साहित्य को साथ संजोए

रेल मंत्रालय द्वारा विगत 60 सालों से भी अधिक समय से प्रकाशित मासिक पत्रिकाओं



भारतीय रेल
(हिन्दी)

की सदस्यता अब
ऑनलाइन
भी उपलब्ध

विज़िट करें

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home



Indian Railways
(English)

शर्तें एवं दरें लागू

महिला सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध और महिला एवं बाल सुरक्षा की अग्रदूत है पश्चिम रेलवे



पश्चिम रेलवे अपनी सम्माननीय महिला यात्रियों के लिए, विशेषकर महिला और बाल सुरक्षा एवं संरक्षा उपायों से संबंधित विभिन्न सुविधाएं प्रदान करने में हमेशा अग्रणी रही है। पश्चिम रेलवे भारत की पहली रेलवे होने के साथ ही पूरी दुनिया में पहली रेलवे है, जिसने 1992 में मुंबई उपनगरीय खंड में समर्पित 'लेडीज स्पेशल' ट्रेन की शुरुआत की। इसके अलावा, पश्चिम रेलवे ने महिला यात्रियों की सुरक्षा और सहायता के लिए महिला डिब्बों के अंदर सीसीटीवी कैमरे, टॉक-बैक सिस्टम तथा मेरी सहेली आदि जैसी कई सुविधाएं उपलब्ध कराकर अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं।

पश्चिम रेलवे महिला यात्रियों को हमेशा सुखद यात्रा प्रदान करने का प्रयास करती है। मुंबई उपनगरीय खंड में पश्चिम रेलवे वर्तमान में 10 महिला विशेष लोकल सेवाएं चला रही है। हाल ही में सभी गैर-एसी लोकल ट्रेनों में 25 सीटों वाला एक अतिरिक्त द्वितीय श्रेणी डिब्बा महिलाओं के लिए निर्धारित किया गया है, जिससे उनके बैठने की क्षमता में 25.50% तक की वृद्धि हुई है। भारत और मुंबई शहर की पहली वातानुकूलित लोकल ट्रेन पश्चिम रेलवे में लगातार अपनी सेवाएं दे रही है और पश्चिम रेलवे ने महिलाओं के लिए चिन्हित इसके डिब्बों को हरे रंग से पेंट करके एक मुस्कुराती हुई महिला का चित्र भी बनाया गया है, जिससे महिला यात्रियों को उनके लिए आरक्षित कोच की पहचान करना आसान हो गया है। 21:00 बजे से 06:00 बजे तक जीआरपी के सुरक्षा कर्मियों द्वारा महिला डिब्बों को एस्कॉर्ट किया जाता है। पश्चिम रेलवे ने स्तनपान कराने वाली माताओं की सुविधा के लिए 49 स्टेशनों पर प्रतीक्षालय में एक पृथक् क्षेत्र उपलब्ध कराकर स्तनपान कराने की सुविधा का प्रावधान किया है। गर्भावस्था के अग्रिम चरण वाली गर्भवती महिलाओं को ईएमयू लोकल ट्रेनों के दिव्यांग कोचों में यात्रा करने की अनुमति है। इन कोचों को विशेष रूप से दिव्यांगजन, कैंसर रोगियों के साथ-साथ गर्भवती महिलाओं की यात्रा के लिए चिह्नित किया गया है। 28 स्टेशनों पर 33 सैनिटरी पैड डिस्पेंसिंग मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं, जहां प्रति पैड 5 रुपये का मामूली शुल्क लिया जाता है, जबकि 8 स्टेशनों पर सेनेटरी पैड डिस्पोजल मशीनें उपलब्ध हैं।

सुरक्षा पहलों पर विशेष जोर देते हुए 'ई-मेरी सहेली' की शुरुआत की गई है। इस पहल को कवर करने के लिए महिला एवं पुरुष कर्मियों की टीमों को तैनात करके 57 पैसेंजर ट्रेनों में मिश्रित ट्रेन एस्कॉर्टिंग शुरू की गई है। चालू वित्त वर्ष में महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों में यात्रा करने वाले लगभग 11,950 व्यक्तियों को पकड़ा गया और उनसे जुर्माने के रूप में ₹32.12 लाख वसूल किये गये। पश्चिम रेलवे के आरपीएफ कर्मियों ने ट्रेनों में यात्रा करने वाली गर्भवती महिलाओं को तत्काल मदद और सहायता प्रदान की है, जिससे उनका मानवीय पक्ष प्रदर्शित हुआ है।

घर से भागे हुए या परिवार से बिछड़े हुए बच्चे कभी-कभी ट्रेनों में यात्रा करते हुए या रेलवे स्टेशनों के आसपास या प्लेटफॉर्मों पर भटकते हुए पाए जाते हैं। पश्चिम रेलवे का रेलवे सुरक्षा बल ऐसे बच्चों को बचाने और उन्हें उनके परिवारों से मिलाने में सक्रिय भूमिका निभाता है।

चाइल्ड हेल्प डेस्क मुंबई सेंट्रल, बांद्रा टर्मिनस, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, रतलाम और राजकोट स्टेशनों पर स्थापित किये गये हैं। इस वित्त वर्ष में दिसंबर, 2022 तक ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' के अंतर्गत 840 से अधिक घर से भागे/छूटे/लापता बच्चों को बचाया गया और उनके परिवार के साथ फिर से मिलाया गया अथवा एनजीओ और पुलिस अधिकारियों को सौंपा गया। आरपीएफ ने रेलवे में बाल तस्करी को रोकने के लिए 'कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन' से जुड़े 'बचपन बचाओ आंदोलन' के साथ एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। तस्करी रोकने और महिलाओं एवं बच्चों के शोषण को रोकने हेतु सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिए राज्य पुलिस, खुफिया एजेंसियों और गैर-सरकारी संगठनों के साथ इस संबंध में उच्च स्तरीय समन्वय बनाकर रखा जाता है। इस दिशा में पश्चिम रेलवे में आरपीएफ की 76 एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिटों का गठन किया गया है।

पश्चिम रेलवे प्रत्येक विभाग में महिलाओं की भागीदारी को हमेशा से प्रोत्साहित करती रही है। महिला सशक्तीकरण सुनिश्चित करने के अपने अनूठे प्रयास में माटुंगा रोड स्टेशन को पश्चिम रेलवे का पहला ऐसा रेलवे स्टेशन होने का गौरव प्राप्त हुआ जो केवल महिला कर्मचारियों द्वारा ही संचालित है। श्रीमती प्रीति कुमारी ने भारतीय रेल की पहली सीधी भर्ती वाली मोटरवुमन बनकर इतिहास की किताबों में एक नया पन्ना जोड़ दिया। पश्चिम रेलवे में कई महिला लोको पायलट हैं, जो मालगाड़ियों पर कार्यरत हैं, जबकि पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल में महिला टिकट जांच कर्मचारियों का एक टिकट जांच दस्ता भी कार्यरत है। पश्चिम रेलवे इन बहादुर महिला कर्मचारियों के साहस और दृढ़ संकल्प को सलाम करती है।

खेलों के क्षेत्र में हमारी महिला खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और न केवल रेलवे बल्कि देश का भी नाम रोशन किया है।

- सुश्री नवनीत कौर FIH भारतीय रेल महिला हॉकी टीम की सदस्य थीं, जिसने हाल ही में स्पेन में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। भारत ने पहली बार यह चैंपियनशिप जीती। वह उस महिला हॉकी टीम का भी हिस्सा थीं जिसने बर्मिंघम में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांस्य पदक जीता था।
- श्री राजेश्वरी गायकवाड़ बर्मिंघम में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2022 में रजत पदक जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम का हिस्सा थीं।
- सुश्री रुचिता विनेरकर उस भारतीय महिला टीम का हिस्सा थीं जिसने ISSF विश्व कप में महिला एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

अतिरिक्त ज्ञान की शक्ति से स्वयं को अधिक मजबूत बनाने की दृष्टि से महिला कर्मचारियों को सेवा में रहते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और पाठ्यक्रम को पूरा करने पर उन्हें ₹10,000 की धनराशि प्रदान की जाती है। महिला कर्मचारियों के हितार्थ नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर, कैंसर जागरुकता और जांच शिविर, आत्मरक्षा शिविर आयोजित किये जाते हैं। इसके साथ ही, महिला कर्मचारियों के लिए हॉलिडे कैंप आयोजित किये जाते हैं।

प्रधान कार्यालय के साथ-साथ मंडल कार्यालयों में विशेष आरामदायक 'महिला कक्ष' नामित किए गए हैं। महिला कर्मचारियों के हितों की रक्षा और कार्यस्थल पर उनकी सुरक्षा के लिए यौन उत्पीड़न के खिलाफ एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया गया है।

किसी बालिका को गोद लेने वाले कर्मचारी को उस बालिका के पक्ष में ₹50,000 की



एक सावधि जमा राशि प्रदान की जाती है, जो उस बालिका के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक निकाली नहीं जा सकती है। कर्मचारी हित निधि के अंतर्गत कोई भी कर्मचारी ब्रेसिज के लिए ₹10,000, चश्मे के लिए ₹3,000 और मुस्कान योजना के अंतर्गत अविवाहित बालिकाओं के लिए कंप्यूटर कोर्स के लिए ₹10,000 का लाभ उठा सकता है। उच्च अध्ययनरत बालिका को प्रति माह ₹1,000 छात्रावास अनुदान के रूप में दिया जाता है, जबकि सभी तकनीकी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए ₹1,500 प्रति माह छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान किये जाते हैं।

पश्चिम रेलवे महिलाओं और बच्चों के उत्थान के लिए 'मुस्कान के साथ सेवा' भाव के साथ निरंतर प्रयत्न कर रही है।





महिलाओं एवं बालिकाओं को सुविधाएँ प्रदान करने में अग्रणी मध्य रेल

देश की प्रथम ट्रेन आज के मध्य रेल पर चलाये जाने के कारण भारतीय रेल की अग्रणी रेल है। मध्य रेल अपने महिला यात्रियों की सुरक्षा हेतु हमेशा जागरूक तथा संवेदनशील रहते हुए उन्हे अधिकाधिक सुविधाऐं उपलब्ध कराने हेतु हमेशा प्रयासरत हैं। मध्य रेल महिला यात्रियों की सुविधाओं के लिए मुंबई उपनगरीय प्रणाली पर चलने वाली प्रत्येक लोकल ट्रेन में निश्चित आरक्षित डिब्बों के साथ ही मेन लाइन पर 2 महिला विशेष एवं हार्बर लाइन पर 2 महिला विशेष ट्रेन चलाई जाती है। इसके अलावा मेन लाइन पर सुबह एवं शाम के पीक आवर समय 5 ट्रेनों में 3 डिब्बे रेल महिला यात्रियों के लिए आरक्षित रहते है। इसी प्रकार हार्बर लाइन पर 3 ट्रेनों में 3 डिब्बे एवं ट्रान्स-हार्बर लाइन पर 12 ट्रेनों में 3 डिब्बे रेल महिला यात्रियों के लिए आरक्षित रहते है।

इसी श्रृंखला में महिला यात्रियों की सुरक्षा एवं उनकी सुविधा के लिए मुंबई उपनगरीय प्रणाली की 44 उपनगरीय रेकों के 192 महिला कोचों में 1,170 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके साथ-साथ आपातकालीन स्थिति में ट्रेन प्रबंधक/मोटरमैन से बात करने के लिए महिला यात्रियों की सुविधा के लिए 56 उपनगरीय रेकों के 262 महिला डिब्बो में आपातकालीन टॉक-बैक प्रणाली प्रदान की गई है।



इसके अलावा उपनगरीय महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए 'स्मार्ट सहेली' एप भी उपलब्ध है और अकेले सफर करने वाली लंबी दूरी की महिला यात्रियों के लिए 'मेरी सहेली' एप बेहद उपयोगी साबित हो रही है।

मध्य रेल ने मुंबई मंडल के छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस, दादर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, ठाणे, कल्याण, पनवेल और लोनावला स्टेशन; सोलापुर मंडल के सोलापुर, कलाबुरगी, वाडी, कुर्डुवाडी, दौंड, अहमदनगर, कोपरगाँव, साईनगर शिर्डी और लातूर; भुसावल मंडल के नासिक, मलकापुर, मनमाड, चालीसगाँव, पचोरा, जलगाँव, शेगाँव, अकोला, मुर्तजापुर, अमरावती, बुरहानपुर, रावेर और धुले; पुणे मंडल के कोल्हापुर, मिरज, वाठार और पुणे; नागपुर मंडल के वर्धा, धामणगांव, सेवाग्राम, चंद्रपुर, बल्लारशाह, अमला, बैतूल और नागपुर स्टेशनों पर माताओं और उनके बच्चों के लिए शिशु आहार की सुविधा प्रदान की है।



मध्य रेल के मुंबई मंडल में माटुंगा रेलवे स्टेशन और नागपुर मंडल के अजनी रेलवे स्टेशन का संचालन सभी महिला कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। संपूर्णत: महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित देश का प्रथम स्टेशन होने के कारण माटुंगा रेलवे स्टेशन 'लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डस' में भी दर्ज हुआ है।

नब्बे के दशक के उत्तरार्द्ध में, टिकट चेकिंग के क्षेत्र में ड्यूटी कर रही महिला कर्मचारियों को देखना एक बहुत ही दुर्लभ दृश्य था। मध्य रेल के मुंबई मंडल पर, उपनगरीय खंड में बिना टिकट यात्रियों और अन्य अनियमितताओं का पता लगाने के लिए 17 अगस्त, 2001 से सभी महिलाओं वाले टिकट जांच दल के गठन का विचार लागू किया गया था। विभिन्न स्टेशनों से महिला टीसी कर्मचारियों का मसौदा तैयार किया गया और उन्हें विभिन्न



मध्य रेल के मुंबई डिविजन के माटुंगा रेलवे स्टेशन एवं नागपुर डिविजन के अजनी रेलवे स्टेशन को सभी महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित स्टेशनों का सम्मान प्राप्त है। माटुंगा रेलवे स्टेशन का नाम 'लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज किया गया है, क्योंकि यह देश का पहला ऐसा स्टेशन है जिसे पूरी तरह से महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित किया गया।

विशेष महिला दस्तों में तैनात किया गया और उन्हें 'तेजस्विनी दस्ते' नाम दिया गया।

खेल को परंपरागत रूप से पुरुष डोमेन के रूप में देखा जाता है, लेकिन हाल के दिनों में मध्य रेल की महिला खेल हस्तियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक इतिहास रचा है। टिकट चेकिंग कैडर के लिए सुधा सिंह, ललिता बाबर और कई अन्य खेल हस्तियां जिन्होंने अपने सपने को हासिल करने के लिए अपना दिल, शरीर और दिमाग लगा दिया। इसी तरह, तेजस्विनी स्पेशल स्क्वॉड में स्पोर्ट्स बैकग्राउंड वाली कई महिला टिकट चेकिंग स्टाफ को तैनात किया जा रहा है और पेशेवर कर्तव्यों के साथ-साथ खेलों में भी उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया जा रहा है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस

24 जनवरी 2023 को हेरिटेज रेल संग्रहालय, भुसावल में 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया गया। हमारे समाज में लड़कियों का सशक्तीकरण और उनके द्वारा सामना की जाने वाली असमानता का उन्मूलन करना इस दिन को मनाने का उद्देश्य हैं। समाज मे लड़कियों कि सुरक्षा एव् क्षमता बढ़ाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी के लिए भी यह दिन मनाया गया। इस अवसर पर हेरिटेज रेल संग्रहालय, भुसावल को सुबह 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और शाम 6:00 से रात 10:00 बजे तक खुला रखा गया। संग्रहालय में सभी बालिका के साथ एक माता-पिता/अभिभावक को हेरिटेज रेल संग्रहालय, भुसावल में नि:शुल्क प्रवेश दिया गया।

भुसावल डिवीजन के अधिकारी, कर्मचारी एवं सामान्य जनता ने हेरिटेज रेल संग्रहालय, भुसावल मे उपस्थिती दर्शायी और इस दिन का प्रचार प्रसार करने के लिए भाग लिया। हेरिटेज रेल संग्रहालय, भुसावल सामान्य जनता के लिए जनवरी 2021 से खोला गया था।



चिरेका के सहयोग से आत्मनिर्भर बनतीं महिलाएँ



बेटियाँ भर रहीं उड़ान

प्राकृतिक सौंदर्य का धनी एवं रेल इंजन उत्पादन के क्षेत्र में विश्व पटल पर भारतीय रेल के विकास का परचम लहरा रहे रेल इंजनों का शहर चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) ने विकास और सफलता के कई स्वर्णिम एवं ऐतिहासिक दास्ताने लिखी हैं। चिरेका, चित्तरंजन के स्थापना काल से ही महिलाओं के योगदान की भूमिका और गौरवशाली रही है। चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना के उत्पादन उद्घाटन श्रीमती बासंती देवी, समाजसेवी स्वतंत्रता सेनानी चितरंजन दास की धर्मपत्नी, के कर कमलों द्वारा के साथ शुरू हुआ।

रेल इंजन संस्थान ने सर्वश्रेष्ठ रेल इंजन उत्पादन प्रदर्शन के अलावा पर्यावरण संरक्षण, हरियाली, कला संस्कृति, सामाजिक सरोकार से लेकर खेल के मैदान तक निरंतर प्रगतिवादी और प्रगतिशील प्रदर्शन कर भारतीय रेल के मानचित्र पर अपनी अलग पहचान बनाई है। इस सर्वश्रेष्ठ गौरवशाली प्रदर्शन के पीछे संस्थान के समर्पित, क्षमतावान तथा कार्य कुशल कर्मचारियों एवं अधिकारियों के बहुमूल्य योगदान के साथ-साथ चिरेका परिवार और प्रशासन के सहयोग से इस श्रेष्ठतम परिणाम को रचने में यहाँ की महिला कर्मचारियों और बालिकाओं का भी साहसिक और सराहनीय समतुल्य योगदान है। इन्होंने संस्थान के विकास और सशक्तीकरण की दिशा में कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ने का काम किया है,



जिसके बिना चिरेका के वर्षों की स्वर्णिम शिखर यात्रा की कल्पना नहीं की जा सकती। इनके सहयोग और योगदान से हमारा रेल संस्थान चारो ओर सफलता का परचम लहरा रहा है। चिरेका के सहयोग से इनकी रेल कर्मचारी के रूप में हुनर और परिश्रम की बात हो या फिर खेल के मैदान में प्रतिभा के प्रदर्शन की बात हो, यही नहीं, कला संस्कृति तथा सामाजिक आत्मनिर्भरता के पटल पर भी निरंतर बेहतरीन प्रदर्शन संस्थान को अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। चित्तरंजन के मिट्टी में पली-बढ़ी और आगे बढ़ रही महिलाओं ने महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में मिसाल पेश कीया है, जो समस्त रेल परिवार के लिए गौरवशाली और प्रेरणादायक है। रेलवे सुरक्षा बल चिरेका द्वारा भी महिला आरपीएफ कर्मचारियों के उत्थान और उत्साहवर्धन के लिए लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

विश्व पटल पर विद्युत रेल इंजन उत्पादन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज करा चुकी चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना ने महिला सशक्तीकरण को समर्पित डब्लूएपी 1 विद्युत रेल इंजन का संवर्धन एवं इसका नामकरण 'सुकन्या' के रूप में करके 'अंतरराष्ट्रीय बालिका

शिशु वर्ष' 1991 दिवस स्मरणीय बनाया। इसके अलावा भी अपने शिखर यात्रा में चिरेका ने महिलाओं पर केंद्रित कई अभियान और कदम उठाए हैं जो महिला सम्मान के लिए यादगार हैं।

श्री सतीश कुमार कश्यप,महाप्रबंधक चिरेका के मार्गदर्शन में चिरेका के आवश्यक सहयोग से यहाँ की महिला और बालिका प्रतिभाओं ने अपने प्रतिभा के दम पर विविध क्षेत्रों में काफी दमदार प्रदर्शन किया है। अंतरराष्ट्रीय मंच से लेकर राष्ट्रीय स्तर के खेल मंच पर खिलाड़ियों ने खेल प्रतियोगिता की विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में सफलता का झंडा लहराया है, जिस पर चिरेका परिवार को गर्व है। संस्थान इन खिलाड़ियों के अभ्यास और उच्च स्तरीय प्रदर्शन के लिए हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने में आगे रहती है, जिसका सुखद



परिणाम है कि चिरेका कि महिला बॉक्सर मोनिका ने दुबई में आयोजित एशियन गेम चैंपियनशिप 2021 में कांस्य पदक जीता। चिरेका कि स्टार तीरंदाज लक्ष्मी रानी मांझी ने ब्राजील में वर्ष 2016 में आयोजित रियो ओलंपिक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया अन्य तीरंदाजों, प्रीति और मोनिका सारेन ने भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। चिरेका की महिला कर्मचारी जिम्नास्ट प्रणति नायक को भारत की ओर से टोक्यो ओलंपिक में प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला, जिनके उत्साहवर्धन के लिए चिरेका प्रशासन द्वारा 'चीयर फॉर इंडिया सेल्फी' प्वाइंट बनाकर इनका उत्साह वर्धन किया गया। संस्थान के महिला कर्मचारियों की तीरंदाजी टीम की मजबूत अभ्यास के लिए यहाँ आर्चरी



अकादमी का शुभारंभ किया गया।जहां हमारे महिला तीरंदाज लगातार अभ्यास कर प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का दम दिखा रहे हैं। इसके अलावा एथलेटिक्स के विभिन्न प्रतिस्पर्धा में भी यहाँ के महिला कर्मचारियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए उपयुक्त पर्याप्त सुविधाएं प्रदान की जाती है। जिसके दम पर इन खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है।

भारत स्काउट एंड गाइड, चितरंजन जिला शाखा ने संस्थान के सहयोग और उत्साह वर्धन के माध्यम से कई उपलब्धियां हासिल की हैं। साथ ही, कला एवं सांस्कृतिक मंच, महिला चिकित्सकों का दल, रेल मेन के रूप में भी बेहतर कार्य प्रदर्शन के लिए संस्थान द्वारा उन्हें सहयोग किया जाता है। आवासीय क्षेत्र में क्वार्टरों के साज-सज्जा बागवानी में बेहतर प्रदर्शन करने वाली गृहिणियों को भी उनके हौसला अफजाई के लिए वार्षिक फ्लॉवर शो के दौरान पारितोषिक वितरण कार्यक्रम आयोजित कर उनका सम्मान किया जाता है। शिक्षा क्षेत्र में स्कूली बच्चों और उनके



कला, विकास व पढ़ाई आदि में बेहतर प्रदर्शन हेतु उनका समय-समय पर विभिन्न माध्यम से सहयोग किया जाता है। यहाँ बेटियों के शिक्षा उत्थान के लिए बालिकाओं का देशबंधु गर्ल्स हाई स्कूल में पठन-पाठन की व्यवस्था वर्षों से जारी है। महिला कर्मचारी और बेटियों के आत्मसम्मान और आत्मविश्वास में ऊर्जा का निरंतर संचार के लिए उन्हें रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित सामाजिक और जन जागरुकता रैली व कार्यक्रमों में भी सहायता प्रदान की जाती है।

यहाँ महिलाओं के सम्मान और उनके स्वर्णिम स्मृति प्रतिष्ठा को कायम रखने के लिए रेल नगरी में कई ऐसे सहायक कार्यालय और भवन महिलाओं के नाम से ही तैयार किए गए हैं, जो महिलाओं के आत्मसम्मान और उनकी उपलब्धियों को यादगार बनाते हैं, जैसे श्रीलता खेल मैदान, श्रीलता पुस्तकालय, कस्तूरबा गांधी अस्पताल, बसंती इंस्टिट्यूट, कारखाने के अंदर बसंती महिला प्रशिक्षण शॉप आदि शामिल है।

प्रत्येक वर्ष संस्थान के द्वारा 8 मार्च को महिलाओं के सम्मान और उनके उत्साह वर्धन के लिए 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, जिसमें अपने कार्य क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली महिला एवं बेटियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत भी किया जाता है।

रेलवे बोर्ड के निर्देश पर विगत वर्ष 2022 में ही 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान

को प्रचारित और प्रसारित करने के लिए 24 जनवरी 2022 को चिरेका के हेरिटेज पॉइंट पर पिता और उनकी बेटियों के साथ सेल्फी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें काफी संख्या में कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। 15 गर्ल्स अचीवर्स एवं 6 सर्वश्रेष्ठ सेल्फी बालिका को पुरस्कृत कर इनका उत्साहवर्धन भी किया गया था।

महिला कर्मचारियों के सामूहिक सद्भाव जाग्रत करते हुए इनके उत्साहवर्धन के लिए कारखाने के ट्रैक्शन मोटर्स स्थित बसंती शॉप सेक्शन में महिलाओं की टीम



द्वारा अभिनव प्रयास किया जा रहा है। करीब 2 दर्जन से अधिक महिला कर्मचारी यहाँ एकजुटता और उत्साह के साथ



क्वायल बनाने का काम करती आ रही हैं। एसबीएफ सहायता कोष से महिला कर्मचारियों के कल्याण हेतु उन्हें सहायता राशि प्रदान की जाती है, जिससे उन्हें उत्पन्न समस्याओं के समाधान और इससे छुटकारा का सहयोग मिलता है।

'चिरेका महिला कल्याण संगठन' की अध्यक्षा श्रीमती नमिता कश्यप के नेतृत्व में यहाँ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मसाला सेंटर का संचालन किया जा रहा है। इसके अलावा छोटे-छोटे शिशुओं के पठन-पाठन को लेकर महिला कल्याण संगठन द्वारा संचालित 'शिशु विहार' विद्यालय एवं विशेष बच्चों को शिक्षा के माध्यम से सशक्तीकरण करने की दिशा में 'आशा किरण' विशेष केंद्र का भी संचालन किया जा रहा है, जहां क्षेत्र के शिक्षित महिलाओं को शिक्षिका के रूप में कार्य प्रदान कर उन्हें रोजगार से जोड़ा गया है।

यहाँ के आरपीएफ विंग द्वारा नियुक्त महिला रेल सुरक्षा बल कर्मचारियों के उत्साहवर्धन और सेवा उत्थान के लिए भी कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विशेषकर रेलवे सुरक्षा बल द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'रन फॉर यूनिटी' हाफ मैराथन और गणतंत्र और स्वतंत्रता दिवस परेड झांकी, सामाजिक दायित्व के तहत पौध रोपण कार्यक्रम और राष्ट्रीय कार्यक्रम 'आजादी का अमृत महोत्सव' एवं 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रमों एवम जागरुकता रैली में पुरुष के साथ-साथ महिला आरपीएफ कर्मचारियों के बीच सहभागिता सुनिश्चित की गई, जिनमें इन्होंने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना संस्थान के प्राप्त समर्पित सहयोग के दम पर यहाँ की महिला प्रतिभावान कर्मचारी और बेटियाँ सफलता की ऊंची उड़ान भर रही हैं, जो संपूर्ण भारतवासियों के लिए उपलब्धिपूर्ण गर्व का विषय है।



आपको यह **अंक कैसा लगा**
हमें जरूर बताएं

ई-मेल : editorbhartiyarailrb@gmail.com

पत्र लिखें ▶ **संपादक,** भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001

दक्षिण पश्चिम रेलवे के कारखानों में विभिन्न पदों पर कार्यरत महिलाएँ



'राष्ट्रीय बालिका दिवस' हर साल 24 जनवरी को बालिकाओं के लिए 'राष्ट्रीय पालन दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह उत्सव देश में लड़कियों को अधिक से अधिक नए अवसर प्रदान करने के लिए शुरू किया गया था। यह समाज में लड़कियों द्वारा सामना की जाने वाली सभी असमानताओं के बारे में लोगों में जागरुकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। लड़कियों के बारे में असमानता एक बड़ी समस्या है, जिसमें शिक्षा में असमानता, पोषण, कानूनी अधिकार, मेडिकल केयर, सुरक्षा, सम्मान, बाल विवाह और बहुत सारे क्षेत्र शामिल हैं।

किंतु भारतीय रेल महिलाओं को समान अवसर प्रदान करती है। भारतीय रेल में एक लाख से अधिक महिलाएँ कार्यरत हैं जहां पहले इन नौकरियों को पुरुषों के लिए आरक्षित माना जाता था। रेलवे में महिला कर्मचारियों की अहम भूमिका है। महिलाएँ, लोको पायलट, यात्रा टिकट परीक्षक (टीटीई), रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), लिपिक, गार्ड, प्वाइंट्समैन, सहायक स्टेशन प्रबंधक और स्टेशन प्रबंधक, तकनीशियन और इंजीनियर के रूप में और कार्यकारी संवर्ग में अधिकारियों के रूप में काम कर रही हैं।

महिलाएँ रेलवे कार्यशालाओं और कारखानों में बहुत अच्छा काम कर रही हैं, विशेष कर उन भूमिकाओं में, जिनमें वेल्डिंग, मशीनिंग और फिटर शामिल हैं। जैसे कि भारतीय रेल समय के साथ विकास के पथ पर है, अधिक से अधिक महिलाएँ इन क्षेत्रों में प्रवेश कर रही हैं और कार्यबल में महत्त्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। जब इस प्रकार के कार्यों को करने की बात आती है तो महिलाएँ बाधाओं को तोड़ते हुए यह साबित कर रही हैं कि वे भी पुरुषों की तरह ही सक्षम हैं। रेलवे प्रशासन और सही प्रशिक्षण के सहयोग से महिलाएँ इन भूमिकाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और रेलवे कार्यों की विविधता में मदद कर रही हैं।

सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हुब्बल्लि में लगभग 237 महिला कर्मचारी कठिन क्षेत्रों जैसे वेल्डिंग, पेंटिंग, फिटर, ट्रिमर, मशीनिस्ट आदि में काम कर रही हैं इसके अलावा 64 लिपिकीय कार्य कर रही हैं।





पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के कोच मेंटेनेंस डिपो गुवाहाटी में सशक्त महिला अनुरक्षण दल



जब लंबी दूरी की ट्रेनों के ऑन-फ्लोर यांत्रिक रख-रखाव कार्य की बात आती है, तो पिट लाइनों और सिक लाइनों पर रख-रखाव का काम मुख्य रूप से पुरुष प्रधान रहा है, जिसमें कर्मचारियों को कोच के गियर पर नजर रखने के लिए डॉक पिट के अंदर विशेष उपकरण, गेज और उपकरण के साथ जाना होता हैं। महिलाएँ आमतौर पर पर्दे की मरम्मत, इंडिकेशन बोर्ड पेंटिंग आदि से संबंधित कोचों के अनुरक्षण कार्यों में शामिल होती थीं। अब कोच मेंटेनेंस डिपो, गुवाहाटी की परंपरा बदल गई है और महिलाओं को स्वतंत्र रूप से तैनात किया जा रहा है। भारतीय रेल में ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी कोच मेंटेनेंस डिपो में पूर्ण रूप से सर्व महिला अनुरक्षण दल को स्थायी रूप से लगाया गया हो।

आईओएच पर ध्यान देने और लंबी दूरी की ट्रेनों के ट्रिप मेंटेनेंस के लिए स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए गठित एक महिला दल का नेतृत्व कोच मेंटेनेंस डिपो, गुवाहाटी में सहायक (सी एंड डब्ल्यू) के रूप में कार्यरत श्रीमती बोनी मोना देवी कर रही हैं। आईओएच पर ध्यान देते हुए सिक लाइन पर नजर रखने के साथ ही अनुरक्षण दल गियर अनुरक्षण कार्य, जैसे डैशपॉट बदलना, ब्रेक ब्लॉक बदलना, सेफ्टी स्ट्रैप आदि का कार्य भी करती है। कार्य संस्कृति के डिजिटलीकरण के क्षेत्र में काम करने के लिए उन्हें यूडीएम, ई-ऑफिस, ऑनलाइन प्रेषण और रसीद कार्य, सीएमएम आदि जैसे कार्य में निपुण बनाया जाता है।

रंगिया में गेट कीपिंग के कार्य में लगी महिला कर्मचारी

श्रीमती जहांआरा बेगम, ट्रैक मेंटेनर-IV, सीनियर सेक्शन इंजीनियर/पी-वे/रंगिया के अधीन गेटमैन के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें समपार फाटक पर कार्य करने के लिए सुरक्षा नियमों के बारे में सराहनीय जानकारी है और वह पूर्वोत्तर सीमा क्षेत्र के अत्यधिक चुनौतीपूर्ण इलाके में अपने कार्य एवं जिम्मेदारियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। उन्होंने अन्य महिला कर्मचारियों को भी आगे आने और जिम्मेदारी साझा करने के लिए प्रेरित किया है।



पू. सी. रेल यांत्रिक कारखाना डिब्रूगढ़ में महिला यंत्रचालक





पू. सी. रेल यांत्रिक कारखाना, डिब्रूगढ़ में महिला कर्मचारी अत्यधिक परिष्कृत, कम्प्यूटरीकृत, संख्यात्मक रूप से नियंत्रित, व्हील टर्निंग लेथ, वर्टिकल टरेट लेथ और एक्सल जर्नल एवं बर्निंग लेथ मशीनों का संचालन कर रही हैं। आम तौर पर इन मशीनों का संचालन पूरे भारतीय रेल में पुरुष कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। डिब्रूगढ़ कारखाना प्रशासन ने कारखाने में मशीनों को संभालने में महिला कर्मियों की छिपी क्षमता और उनकी उत्सुकता को पहचाना। तत्पश्चात्, महिला कर्मचारियों को मशीनों का संचालन सीखने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। नतीजतन, अब तक डिब्रूगढ़ कारखाना में लगभग 8 महिला यंत्रचालक हैं। श्रीमती नमिता सोनोवाल, टेक्नीशियन-I डिब्रूगढ़ कारखाना के यंत्रचालकों में से एक हैं। उनके द्वारा उठाया गया कदम बहुत उत्साहजनक एवं सराहनीय है और महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक प्रभावी प्रयास है।

पू. सी. रेल की महिला खिलाड़ियों ने रोशन किया रेलवे का नाम



सुश्री वाई. रेणुबाला चानू भारोत्तोलन स्पर्धा की एक उत्कृष्ट कोच हैं। एक खिलाड़ी के रूप में उन्होंने 2010 में नई दिल्ली में आयोजित 19वें राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने भारतीय रेल का प्रतिनिधित्व करते हुए सीनियर राष्ट्रीय भारोत्तोलन प्रतिस्पर्धा में कई बार स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते हैं। एनएफआरएसए ने सुश्री वाई रेणुबाला चानू को 2016 से एनएफआर भारोत्तोलन टीम के कोच के रूप में नामित किया है और उनकी कोचिंग ने इस रेलवे को सीनियर नेशनल और ऑल इंडिया रेलवे मीट में कई पदक जीतने में मदद की है। उनके द्वारा पू. सी. रेल के खिलाड़ियों के मार्गदर्शन और कोचिंग के चलते सुश्री पोपी हजारिका ने भारतीय रेल टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए सीनियर राष्ट्रीय भारोत्तोलन प्रतिस्पर्धा में रजत पदक जीतने के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालिफाई किया है अन्य होनहार खिलाड़ी सुश्री संजिता चानू, सुश्री निरुपमा डेविल, सुश्री एन. ललिता ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर रेलवे चैंपियनशिपों में पदक हासिल किए हैं। सुश्री चानू को 09 से 13 अगस्त, 2021 तक पटियाला में आयोजित सीनियर राष्ट्रीय भारोत्तोलन प्रतिस्पर्धा 2020-21 में कोच के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आरएसपीबी द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।



सुश्री कल्पना चौधरी बॉक्सिंग इवेंट की एक बेहतरीन कोच हैं। एक खिलाड़ी के रूप में उन्होंने 2008 में गुवाहाटी में आयोजित एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उन्हें 'टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज' भी घोषित किया गया था। उन्होंने 2005 में रूस में आयोजित विश्व मुक्केबाजी प्रतियोगिता में कांस्य पदक और 2008 में हंगरी में आमंत्रण प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक एवं सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज और 2006 में डेनमार्क में रजत पदक जीता है। एनएफआरएसए ने सुश्री कल्पना चौधरी को 2013 से एनएफआर बॉक्सिंग टीम के कोच के रूप में नामित किया है और उनकी कोचिंग ने इस रेलवे को सीनियर नेशनल और ऑल इंडिया रेलवे मीट में कई पदक जीतने में मदद की है। उनके मार्गदर्शन और कोचिंग के तहत पू. सी. रेल के खिलाड़ी यथा-सुश्री भाग्यवती कचारी ने भारतीय मुक्केबाजी टीम का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने भारतीय रेल का प्रतिनिधित्व करते हुए सीनियर नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते अन्य एक होनहार खिलाड़ी सुश्री पविलाओ बासुमतारी ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर रेलवे चैंपियनशिप में पदक हासिल किए हैं।

भारतीय रेल के डिब्बों को गति देती सवारी डिब्बा कारखाना की महिला शक्ति



आई.सी.एफ. के रूप में जाना जाने वाला सवारी डिब्बा कारखाना (सडिका) भारतीय रेल की सबसे पुरानी रेल यात्री कोच उत्पादन इकाई है। इसके साथ-साथ इसे दुनिया की सबसे बड़ी रेल कोच उत्पादन इकाई होने का गौरव भी प्राप्त है। सडिका ने उत्पादन वर्ष 2019-20 में 4,166 कोचों का उत्पादन किया था, जो संख्या की दृष्टि से अब तक का सर्वाधिक उत्पादन है। यह कारखाना स्थापना से आज तक 70,000 से भी अधिक कोचों का उत्पादन कर चुका है और इस उत्पादन में 50 से भी अधिक प्रकार के कोच शामिल हैं।

सवारी डिब्बा कारखाना श्रमशक्ति संपन्न



उत्पादन इकाई है। इस कारखाने में लगभग 9,000 कर्मचारी सेवारत हैं, जिनमें से लगभग 1,000 महिला कर्मचारी हैं। यहाँ पुरुष कर्मचारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर महिला कर्मचारी भी अनेक श्रमसाध्य कार्य, जैसे वेल्डिंग आदि कुशलता से करती हैं।

वर्ष 2018 के 'अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस' पर सडिका की महिला शक्ति टीम को कोच का प्रत्येक चरण पूरा करके एक नए कोच का उत्पादन करने का काम सौंपा गया था और इसे इस टीम ने सफलतापूर्वक पूरा करके दिखाया। इस प्रकार सडिका की महिला शक्ति टीम ने पूरी तरह से महिलाओं द्वारा रेल यात्री कोच के उत्पादन किए जाने का नया कीर्तिमान स्थापित किया।

सडिका की महिला शक्ति टीम में 27 से 57 उम्र की महिलाएँ हैं, जो सेक्शन इंजीनियर, वेल्डर, फिटर, हेल्पर आदि विभिन्न पदों पर सेवारत है। सडिका के शेल और फर्निशिंग, दोनों डिवीजनों में नई-नई महिला शक्ति टीम का सृजन होते रहने के कारण महिला शक्ति टीम की सदस्यों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जाती है।

अब देश की पहली सेमी हाई स्पीड एनर्जी एफिशियएट रेल गाड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस के उत्पादन में भी महिला शक्ति टीम अपना योगदान दे रही है। वंदे भारत एक्सप्रेस रेल यात्रियों को अद्भुत अनुभव और सुविधाएँ प्रदान कर रही है। यह निश्चित है कि सडिका की महिला शक्ति टीम पिछली कई परियोजनाओं की तरह वंदे भारत परियोजना को भी अकेले पूरा करने में सफलता अवश्य हासिल करेगी।



बनारस रेल इंजन कारखाना में कंधे से कंधा मिलाकर योगदान करतीं महिलाएँ



बनारस रेल इंजन कारखाना में कार्यरत महिला कर्मचारियों की टीम



बनारस रेल इंजन कारखाना में कार्यरत महिला कर्मचारी विद्युत रेल इंजन में प्रयोग होने वाले उपकरणों को विद्युत कनेक्शन देती हुई।



बनारस रेल इंजन कारखाना में अर्थिंग कनेक्शन का कार्य करतीं महिला कर्मचारी



महत्त्वपूर्ण उपकरणों को सावधानीपूर्वक उचित सुरक्षा के साथ इंजन की छत पर स्थापित करतीं बनारस रेल इंजन कारखाना में कार्यरत महिला कर्मचारी



रेल इंजन में उपयोग किए जाने वाले केबल तारों के अंतिम किनारे पर विभिन्न कपलर और कनेक्टर्स की असेंबली और फिक्सिंग का कार्य करतीं बनारस रेल इंजन कारखाना की महिला कर्मचारी



रेल इंजन के अंडरफ्रेम में पाइपिंग एवं अन्य माउंटिंग कार्य करतीं बनारस रेल इंजन कारखाना की महिला कर्मचारी



ड्राइवर कैब का असेंबली कार्य करती बनारस रेल इंजन कारखाना की महिला कर्मचारी



बनारस रेल इंजन कारखाना में कार्यरत महिला कर्मचारियों ने कर्तव्यपरायणता दिखाते हुए निर्यातित डीजल इंजनों के निर्माण में पूरा सहयोग दिया।

महिला सशक्तीकरण हेतु पूर्वोत्तर रेलवे में सकारात्मक एवं उत्साहजनक वातावरण सृजित

पूर्वोत्तर रेलवे में महिला कर्मचारियों तथा यात्रियों हेतु उत्साहजनक एवं अनुकूल वातावरण बनाने के लिए कई कदम उठाए गये हैं। महिला कर्मचारियों में उनके अधिकारों के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए समय-समय पर सेमिनार एवं नाटकों का मंचन किया जाता है। पूर्वोत्तर रेलवे में 24 जनवरी, 2023 को 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया गया।



आत्मरक्षा

पूर्वोत्तर रेलवे की महिला कर्मचारियों को राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.) की महिला कप्तानों द्वारा आत्मरक्षा के लिए समय-समय पर आमंत्रित कर प्रशिक्षित किया जाता है। बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए भ्रमण कार्यक्रम, खेल-कूद कार्यक्रम, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि आयोजित किये जाते हैं। महिला यात्रियों की संरक्षा एवं सुरक्षा पर विशेष जोर दिया जाता है।

मेरी सहेली

रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) द्वारा ट्रेनों में यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए 'मेरी सहेली' अभियान शुरू किया गया है। 'मेरी सहेली' में महिला आर.पी.एफ. कर्मचारियों की एक टीम शामिल है, जो अकेले यात्रा कर रही महिला यात्रियों से मिलती है तथा उन्हें आश्वासन देती हैं कि रेलवे उनकी देखभाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस रेलवे के 17 महत्त्वपूर्ण स्टेशनों पर 'मेरी सहेली टीम' का गठन किया गया है, जो महिला यात्रियों को उनकी शिकायतों के लिए त्वरित सहायता सुनिश्चित करती है। 'मेरी सहेली टीम' यात्रा के दौरान किसी तरह की शिकायत के लिए रेलवे हेल्पलाइन 139 के बारे में उन्हें जागरूक



करती है। इसके अतिरिक्त लखनऊ जं., गोरखपुर, गोंडा, छपरा जं., भटनी, मऊ, हल्द्वानी एवं कन्नौज जैसे महत्त्वपूर्ण स्टेशनों पर विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाए महिलाओं, बालिकाओं व बच्चों के कल्याण के लिए कार्य कर रही हैं।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता

पूर्वोत्तर रेलवे के विद्यालयों में बालिकाओं के लिए मुफ्त सैनिटरी नैपकिन जैसी विशेष व्यवस्था की गई है। एन.ई. रेलवे सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल, गोरखपुर में नैपकिन्स के डिस्पोजल के लिए इंसीनरेटर मशीनें स्थापित की गई हैं। एन.ई. रेलवे गर्ल्स इण्टर कालेज, गोरखपुर में प्रत्येक माह आयोजित की जाने वाली क्विज, पेंलटिंग, वाद-विवाद, भाषण एवं अन्य प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्राओं को जागरूक किया जाता है। इस रेलवे में बालिकाए स्काउट एवं गाइड तथा खेल गतिविधियों में सक्रिय रूप से प्रतिभाग कर रही हैं। विद्यालयों में बालिकाओं के लिए अलग से प्रसाधान की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।





शिक्षा

एन.ई. रेलवे सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल, गोरखपुर में बालिकाओं को प्रोत्साहित एवं शिक्षित करने के लिए विद्यालय के भूतपूर्व छात्र-छात्राओं, प्रधानाचार्य, शिक्षकों, रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से 'नारी बुक बैंक' नाम से एक स्वैच्छिक पुस्तक बैंक खोला गया है। इस बुक बैंक द्वारा विद्यालय की जरूरतमंद छात्राओं को पुस्तकें वितरित की जाती हैं। महाप्रबन्धक द्वारा बालिकाओं को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) की लगभग 2,000 पुस्तकें वितरित की गईं। इसके अतिरिक्त प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी द्वारा भी छात्राओं को बुक बैंक के माध्यम से पुस्तकें उपलब्ध कराई गईं।

महिला सशक्तीकरण

पूर्वोत्तर रेलवे में एक महिला सशक्तीकरण समिति कार्यरत है जो महिला कर्मचारियों के उत्थान के लिए कार्य करती है। समिति महिला कर्मचारियों के अधिकारों के लिए काम करती है तथा उन्हें महिला कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा करने वाले कानूनों के बारे में जागरूक करती है। कार्यस्थलों पर सभी सुविधाओं से सुसज्जित महिला कॉमन रूम उपलब्ध कराये गये हैं। महिला कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित कर प्रोत्साहित किया जाता है।

खेल-कूद

इस रेलवे पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के अन्तर्गत 07 खेलों (कुश्ती, एथलेटिक्स, भारोत्तोलन, बास्केटबाल, हैण डबॉल एवं हॉकी) में महिला टीमें संचालित की जाती हैं, जिनमें प्रत्येक वर्ष खेल-कूद कोटे से उत्कृष्ट महिला खिलाड़ियों की भर्ती भी की जाती है।

पूर्वोत्तर रेलवे की 03 महिला खिलाड़ियों बी.एन. उषा, पूनम यादव एवं प्रियंका गोस्वामी ने राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिनमें से एक प्रियंका गोस्वामी को 'वॉक रेस' में रजत पदक प्राप्त हुआ। इस रेलवे की अंकुश एवं मानसी ने पोंतेवेदरा, स्पेन में आयोजित अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया तथा 50 किग्रा एवं 57 किग्रा भार वर्ग में क्रमशः रजत पदक एवं कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया। इस रेलवे की सुषमा, ज्योति शुक्ला एवं नीना सील ने इंचियोन सिटी, दक्षिण कोरिया में आयोजित सीनियर एशियन महिला हैण्डबॉल चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उज़्बेकिस्तान के विरुद्ध खेले गये मैच में नीना सील को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। सीनियर नेशनल गेम्स में हमारी महिला खिलाड़ियों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के अन्तर्गत कुश्ती, एथलेटिक्स, भारोत्तोलन, बैडमिंटन, बास्केटबाल, हैण्डबॉल एवं हॉकी जैसे 07 खेलों की महिला टीमें संचालित की जाती हैं, जिनमें प्रत्येक वर्ष खेल-कूद कोटा से उत्कृष्ट



महिला खिलाड़ियों की भर्ती भी की जाती है।

पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तीकरण के लिए सदैव क्रियाशील रहता है।



'अक्षिता' एक सेफ बबल : दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की अभिनव पहल



देश की धड़कन भारतीय रेल प्रतिदिन लाखों यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती है। यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा तथा संरक्षा के साथ ट्रेन परिचालन रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। करोड़ों यात्रियों में देश की आधी आबादी महिलाएँ भी सम्मिलित हैं। रेलवे निरंतर सुविधाओं को आधुनिक तथा उन्नत बनाने के दिशा में अग्रसर है। यात्री केन्द्रित सुविधा का विकास तथा उनसे फीडबैक के आधार पर सुविधाओं को सरल एवं सहज बनाने का प्रयास लगातार जारी है। इसके अंतर्गत रेलवे ने महिला यात्रियों के लिए स्टेशनों एवं विशेषतया प्लेटफॉर्मों पर विशेष सुविधा का प्रावधान किया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने एक अभिनव पहल करते हुए प्लेटफॉर्म्स पर प्रतीक्षारत महिला यात्रियों के लिए 'अक्षिता' नाम से एक उपयुक्त स्थान को चिन्हित किया है, जिसमें ट्रेन की प्रतीक्षा के दौरान महिला यात्रियों के लिए बैठने की सुविधा के साथ अन्य उपयुक्त सुविधा दी है।

महिला सशक्तीकरण की दिशा एक कदम और आगे बढ़ते हुए अकेली महिला यात्रियों को रेलवे प्लेटफॉर्म पर प्रतीक्षा के दौरान एक ऐसी जगह उपलब्ध कराना था जहां कि वो अपने आप को सुरक्षित महसूस करे। इसी उद्देश्य के दृष्टिगत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने अपने 09 महत्त्वपूर्ण स्टेशनों बिलासपुर, रायपुर, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, अनुपपुर, गोंदिया, रायगढ़, दुर्ग एवं भिलाई स्टेशनों के सामान्यतया प्लेटफॉर्म नंबर 01 पर एक ऐसे जगह को चिन्हांकित किया जो कि प्लेटफॉर्म के लगभग मध्य स्थित हो, रेलवे सुरक्षा बल के पोस्ट, स्टेशन मास्टर आदि रेल कार्यालय के निकट हो। यहाँ अनिवार्यतया सीसीटीवी कैमरे लगें हों, पानी आदि की सुविधा निकट हो। इन स्टेशनों पर उपर्युक्त संदर्भित सुविधाओं को देखते हुए ऐसे स्थानों को चिन्हाकित कर उन्हें बैरिकेट कर एक सेफ बबल का निर्माण किया गया। इन स्थानों पर रेलवे सुरक्षा बल की महिला कर्मी लगातार निगरानी करती हैं। इसमें पुरुष यात्रियों का प्रवेश वर्जित रहता है, जिसके कारण अकेली प्रतीक्षारत महिलाएँ सहज भाव से बिना किसी हिचक के आराम के साथ प्लेटफॉर्म पर अपना प्रतीक्षा समय व्यतीत करती हैं। चिन्हांकित स्थान होने के कारण प्रत्येक रेलकर्मी की नजर इस सेफ बबल पर रहती है, जिससे यह स्थान महिलाओं के लिए सुरक्षात्मक दृष्टि से उपयुक्त है। सीसीटीवी कैमरे की नजर में इस स्थान के रहने से रेलवे सुरक्षा बल नियंत्रण कार्यालय लगातार इस पर अपनी नजर रखता है।

यह स्थान काँच की की दीवार से बैरिकेटड होने के कारण सभी तरफ से द्रष्टव्य है। केवल महिलाओं की उपस्थिति उनमें पारस्परिक विश्वास पैदा करता है। अकेली महिलाओं के लिए यह स्थान अन्य महिलाओं के बीच तत्काल पहुँच उपलब्ध कराती है। 'अक्षिता' सेफ बबल की सबसे महत्त्वपूर्ण बातें यह है कि यह सेफ बबल मौजूदा सुविधाओं का उपयोग करके ही बनाया गया केन्द्र बिन्दु है, जिसमें कोई अतिरिक्त लागत नही लगी है तथा इसके अनुरक्षण में किसी भी अतिरिक्त लागत की आवश्यकता नहीं है। 'अक्षिता' स्टेशन पर प्रतीक्षारत महिलाओं में आत्मविश्वास का संचार करता है तथा रेल यात्रा के प्रति उनके विश्वास को और मजबूत करता है। कुल मिलाकर यह महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की अभिनव, अनूठी एवं सार्थक पहल है।

भावी पीढ़ियों के लिए सशक्तीकरण और उत्कृष्टता का प्रतीक : दक्षिण मध्य रेल की महिला कर्मचारी

दक्षिण मध्य रेलवे का यह दृढ़ विश्वास है कि महिला ही समाज की मूल शक्ति है। महिलाओं का सम्मान करना हमारी संस्कृति का मूलमंत्र है और यह हमारे जोन की कार्य प्रणाली में देखा जा सकता है। दमरे के कुल कार्यबल में से, महिला कर्मचारियों का हिस्सा 11% से अधिक है और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। महिला कर्मचारी जोन के सभी विभागों और मंडलों में विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं। वे विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से काम कर रही हैं और कर्तव्य के प्रति उनकी निष्ठा किसी से कम नहीं है।

रेलवे एक ऐसा संगठन है, जो अपने यात्रियों को सर्वोत्तम सेवा और रेल यात्रा का अनुभव सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे काम करता है। इसके लिए कार्य बल को अलग-थलग स्थानों पर और विषम घंटों में काम करने की आवश्यकता होती है। पूरे क्षेत्र में 1,000 से अधिक



महिला कर्मचारी लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, ट्रैक मेंटेनर, तकनीशियन और टिकट जांच निरीक्षक आदि जैसे महत्त्वपूर्ण कर्तव्यों को संभाल रही हैं। महिला कर्मचारी इन कर्तव्यों को अत्यंत समर्पण के साथ और पुरुष कर्मचारियों के समान उत्कृष्टता से निभा रही हैं। दमरे अपनी महिला कर्मचारियों का मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए लगातार उपाय कर रही है। जोन पर कार्यरत

विजयवाड़ा मंडल का प्रथम महिला संचालित रेलवे स्टेशन : रामवरप्पाडु

2017 से पहले, रामवरप्पाडु स्टेशन विजयवाड़ा-गुडिवाड़ा शाखा लाइन सेक्शन का बहुत छोटा स्टेशन था, जहां बहुत कम पैसेंजर गाड़ियां रुकती थीं। स्टेशन तक जाने का रास्ता बहुत संकरा था। रात के समय इस क्षेत्र में असामाजिक तत्व रहते थे। इस तरह से यह रोजाना यात्रा करने वाले यात्रियों, विशेषकर महिलाओं के लिए असुरक्षित स्थान था।

अब शाखा लाइन पर दोहरीकरण कार्य के साथ-साथ शाखा लाइन के सभी स्टेशनों पर कई बुनियादी ढांचे के निर्माण कार्य किए जा रहे है। इन अवसंरचनात्मक कार्यों के कारण बहुत बड़ा परिवर्तन हो रहा है, जिससे रामावराप्पाडु पर कार्यों की निगरानी के लिए कर्मचारियों की जिम्मेदारी बढ़ी है।

महिला दिवस-2018 के पर्व दिवस पर, रामवरप्पाडू स्टेशन का नाम चर्चा में रहा है। स्टेशन को तत्कालीन मंडल रेल प्रबंधक श्री आर धनंजयुलु जी द्वारा मंडल में प्रथम महिला स्टेशन के रूप में चिह्नित किया गया।



चुनौतियों से बेपरवाह, दृढ़ संकल्प और धैर्य के साथ महिला कर्मचारियों ने स्टेशन को यात्रियों के अनुकूल बनाए रखनेवाले अपने प्रयासों को जारी रखा। रेल सुरक्षा बल टीमों के सहयोग से, स्टेशन के परिसर में सघन रात्रि गश्त से, महिला कर्मचारियों ने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की। धीरे-धीरे यह स्टेशन यात्रा के लिए एक सुरक्षित जगह के रूप में बदल गया। महिला कर्मचारियों ने लगभग 1,000 सुंदर फूलों के पौधे लगाए। जिम्मेदार महिला स्टॉफ सभी आयामों का नेतृत्व करके स्टेशन और आसपास के क्षेत्र के माहौल में एक सामाजिक परिवर्तन लाया है। स्टेशन बुनियादी ढांचे, यात्री सुविधाओं और यातायात सुविधाओं के पहलुओं में विशाल परिवर्तन आ गया है। रात्रि गश्त के मामले में इस स्टेशन को 24/7 की सुविधा वाला स्टेशन कहने में कोई संदेह नहीं है।



महिलाओं के लाभ के लिए, कार्य स्थलों पर विभिन्न सुविधाएं प्रदान की गई हैं। कामकाजी माताओं के अपने बच्चों की देखभाल संबंधी दबाव को कम करने के लिए, क्षेत्रीय/ मंडल मुख्यालयों और कारखानों में शिशु देखभाल केंद्रों की सुविधा दी गई है। इसके अलावा, कार्य स्थलों पर अलग लंच रूम, कैंटीन में अलग शौचालय और बैठने की अलग व्यवस्था, लेडीज वॉश रूम में सैनिटरी नैपकिन डिस्पेंसर और इंसीनरेटर, ड्यूटी के अंतर्गत घर से बाहर रहने के दौरान टीटीई, लोको पायलट, आरपीएफ कर्मचारी आदि के लिए अलग विश्राम गृह, नियमित चिकित्सा जांच शिविर आदि की भी व्यवस्था की गई है।

क्षेत्रीय रेलो में महिला कार्यबल को अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से दक्षिण मध्य रेलवे ने कई रेलवे स्टेशनों और कार्यस्थलों को 'सभी महिला' स्टेशन/कार्यस्थल बनाने की पहल की है। इनमें बेगमपेट रेलवे स्टेशन, विद्यानगर रेलवे स्टेशन, चंद्रगिरि रेलवे स्टेशन और रामवरप्पाडु रेलवे स्टेशन शामिल हैं। रायनपाडु मालडिब्बा कारखाना, लालागुडा कारखाना, तिरुपति सवारीडिब्बा मरम्मत शॉप, विजयवाड़ा आरओएच डिपो, गुत्ती आरओएच डिपो और तिरुपति कोचिंग डिपो जैसे विभिन्न कारखानों और डिपो में कुछ अनुभाग 'सभी महिला' अनुभाग हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे महिला कर्मचारियों का उत्पीड़न या उन पर किसी अनुचित दबाव संबंधी किसी भी शिकायत की जांच करने की प्रणाली से लैस है। ऐसी मुद्दों के समाधान और समय पर कार्रवाई के लिए मुख्यालय और मंडल स्तर पर वरिष्ठ अधिकारियों की समितियां गठित हैं। कार्यालयों में शिकायत बक्सों की व्यवस्था की गई है महिला कर्मचारी अपनी शिकायतें उन बक्सों में डाल सकती हैं।

इसके अतिरिक्त प्रत्येक जोनल रेलवे में उपलब्ध कर्मचारी कल्याण निधि के माध्यम से बड़ी संख्या में कर्मचारी कल्याण कार्यकलापों का वित्तपोषण किया जाता है। रेल कर्मचारियों की बालिकाओं की उच्च शिक्षा हेतु छात्रवृत्तियां प्रदान करने के लिए कर्मचारी लाभ निधि में एक अलग राशि भी निर्धारित की गई है। रेलवे के महिला कल्याण संगठन महिला कर्मचारी और उनके परिवारों की महिलाओं के सशक्तीकरण में सक्रिय हैं। उनकी गतिविधियों में नर्सरी स्कूल, शिशु देखभाल केंद्र, मानसिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए स्कूल, पात्र मामलों में वित्तीय सहायता और महिला सदस्यों के लिए हस्तशिल्प केंद्र चलाना शामिल है।

दक्षिण मध्य रेलवे, खेल प्रतिभाओं विशेषकर महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने में सबसे अग्रणी है। दमरे की महिला खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मैचों में विधिवत भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करके संगठन का नाम रोशन कर रही हैं। दमरे, रेलवे स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करते हुए महिला खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखार रहा है इसमें महिला खिलाड़ियों के लिए एक अलग छात्रावास सुविधा भी शामिल है।

दमरे द्वारा की गई महिला सशक्तीकरण और कल्याणकारी पहलों से जोन पर काम करने वाली महिला कर्मचारियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में काफी मदद मिली है। दक्षिण मध्य रेलवे, महिला रेल यात्रियों से संबंधित मुद्दों का समाधान करने की जिम्मेदारी भी निभा रही है। गाड़ियों में महिला यात्रियों की संरक्षा और सुरक्षा को बढ़ाने के लिए सुरक्षा हेल्पलाइन, केवल महिला कोच और सीसीटीवी कैमरे आदि सुविधाएं प्रदान की गई हैं।

महिला कर्मचारियों के समग्र कार्यनिष्पादन ने संगठन को गौरवान्वित किया है और रेलवे की छवि को और बढ़ाने में मदद की है, उन्होंने भावी पीढ़ियों के लिए कड़ी मेहनत और कर्तव्य के प्रति समर्पण का सही/आदर्श उदाहरण स्थापित किया है। हाल के वर्षों में महिलाओं के सशक्तीकरण में महत्त्वपूर्ण प्रगति हुई है और यह निरंतर सुनिश्चित किया जाएगा कि भारतीय रेल पर सभी महिलाओं को सुरक्षित, स्वस्थ और संपूर्ण जीवन जीने के अवसर मिलते रहें।



हमें केवल सपने देखने में अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहिए, क्योंकि हमारा कार्य ही हमारा वर्तमान और भविष्य तय करता है। सफलता और असफलता, दोनों उसके हिस्से हैं, लेकिन कभी भी किसी भी काम को कोशिश किए बिना न छोड़ें हमेशा आगे बढ़ते रहें, शुभकामनाएं।

सुश्री मिताली राज
क्रिकेटर और ओएसडी, दमरे

महिला सशक्तीकरण हेतु समर्पित एवं प्रतिबद्ध पूर्व रेलवे



पूर्व रेलवे महिला यात्रियों के साथ-साथ महिला रेलवे लाभार्थियों की सुरक्षा और सर्वांगींण हित के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। मेधावी बेटियों की उपलब्धि की सराहना के रूप में, उत्कृष्ट महिला कर्मचारियों को पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन (ERWWO) द्वारा सम्मानित किया गया। महिला कर्मचारियों को अपनी सुरक्षा करने हेतु मुख्यालय और मंडल स्तर पर कई आत्मरक्षा शिविर आयोजित किए गए। पूर्व रेलवे का रेल सुरक्षा बल महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए अपना अभियान जारी रखे हुए है। 'नन्हे फरिश्ते' अभियान के तहत रेल सुरक्षा बल ने साल 2022 में 713 बच्चों का उद्धार किया, जिनमें से 333 लड़कियां थीं। 'ऑपरेशन डिग्निटी' के तहत पूर्व रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने 2022 के दौरान देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाली 73 महिलाओं को बचाया है। 'मातृशक्ति अभियान' अन्तर्गत रेल सुरक्षा बल ने ट्रेनों में या रेलवे परिसर में 13 गर्भवती महिलाओं को बच्चे के जन्म में सहायता प्रदान की है। 'मेरी सहेली' टीम अकेले यात्रा करते समय महिला यात्रियों की सहायता हेतु तत्पर रहती है।

रे.डि.का. कपूरथला में आयोजित महिला कल्याण तथा महिला सशक्तीकरण से सम्बंधित गतिविधियाँ

रेल डिब्बा कारखाना में छोटी बच्चियों और महिला कर्मचारियों के बीच 24 जनवरी, 2022 को ऑनलाइन माध्यम से 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया गया, जिसमे रे.डि.का. की प्रख्यात महिला कर्मचारियों ने अपनी स्वयं की सफलता की कहानियों को साझा करके युवा लड़कियों को प्रेरित किया। युवा लड़कियों को लैंगिक समानता पर अपने विचार साझा साझा किए।

रे.डि.का. में हर वर्ष 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' पर एक समारोह आयोजित किया जाता है, जहाँ सभी महिला कर्मचारी अपनी उपलब्धियों को स्वीकार करके जश्न मनाने के लिए एकत्रित होती हैं।

20 जून, 2022 को प्रशासनिक भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक महिला योग समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें 70 महिला कर्मचारियों ने योग के 30-40 मिनट के सत्र में भाग लिया। 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तत्वावधान में दिनांक 09 अगस्त, 2022 को एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया



रे.डि.का. की महिला कर्मचारियों के लिए SBF (2021-22) से दिनांक 17 सितंबर, 2022 से 21 सितंबर, 2022 तक तक नैनीताल एवं जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क, रामपुर में अवकाश शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 54 शिविरार्थियों ने भाग लिया।

छोटे बच्चों वाली महिला कर्मचारियों के लिए Crèche (शिशु सदन) की सुविधा परिसर में स्थापित की गई है, जिसका संचालन RCF/WWO द्वारा किया जाता है। रे.डि.का. में सभी विभागों/कार्यशाला स्थलों में महिला कर्मचारियों के लिए अलग विश्राम कक्ष/शौचालय की व्यवस्था की गई है।

RCF/WWO द्वारा हर साल 15 मार्च को रे.डि.का. के झील परिसर में ड्राइंग और लॉन/उद्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। हर साल 5 सितंबर को RCF/WWO द्वारा 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है, जहां आरसीएफ के स्कूलों के शिक्षकों को भाषण देने और मूल्यवान विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

आरेडिका में रेलवे महिला कल्याण संगठन

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाने में रेलवे महिला संगठन महिलाओं और बालिकाओं के विकास के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का संचालन कर महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा पर्यावरण के उन्नयन के लिए वृक्षारोपण एवं पौधों के रख-रखाव के प्रति भी जागरूकता के लिए भी कार्य करता है।



आरेडिका का तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र महिलाओं एवं बालिकाओं के विकास के लिए विभिन्न प्रकार के तकनीकी प्रशिक्षण का कार्यक्रम चलाता है, जिसका उपयोग आस-पास की महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त बनाता है। महिलाओं के विकास के लिए सिलाई, कढ़ाई एवं संरक्षा आदि के प्रशिक्षण देता है। आरेडिका आगे भी महिलाओं एवं बालिकाओं के विकास के लिए प्रयासरत रहेगा।

महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत आरेडिका की विशेष खेलाधिकारी सुधा सिंह

आरेडिका के खेल-कूद संगठन के द्वारा भी महिलाओं एवं बालिकाओं के खेल क्षेत्र में विकास के लिए पद्मश्री सुश्री सुधा सिंह को विशेष खेल-कूद अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया। सुधा सिंह का नेतृत्व बालिकाओं के विकास के लिए एक प्रेरणा का कार्य करता है। आरेडिका के खेल-कूद संगठन के नेतृत्व में 43वें अखिल भारतीय महिला वॉलीबाल चैंपियनशिप-2022 प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सुधा सिंह भारत की एक ख्याति प्राप्त अंतरराष्ट्रीय धाविका हैं। जो लगातार 2005 से अभी तक अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय खेलों में भारत देश के साथ-साथ रेलवे का नाम रोशन कर रही हैं।



उन्होंने दो बार ओलंपिक गेम्स 2012 एवं 2016 में भारत देश के साथ-साथ भारतीय रेल का प्रतिनिधित्व किया। इन्होंने 3000 मीटर स्टेपल चेज इवेंट में 16वें एशियन गेम्स 2010 में ग्वांगझू (चाइना) में गोल्ड मेडल, 17वें एशियन गेम्स इंचिओन (साउथ कोरिया) में चौथा स्थान और 18वें एशियन गेम्स 2018 में जकार्ता (इंडोनेशिया) में रजत पदक प्राप्त किया। इन्होंने 4 बार 3,000 मीटर स्टीपल चेज इवेंट में एशियन चैंपियनशिप ग्वांगझू (चाइना) 2009, कोबे सिटी (जापान) 2011, पूणे (इंडिया) 2013 और भुवनेश्वर (इंडिया) 2017 में 2 गोल्ड और 2 सिल्वर मेडल प्राप्त किया। इन्होंने आईएएएफ कॉन्टिनेंटल वर्ल्ड कप 2018 में ओस्ट्रावा (चेक रिपब्लिक) भारत देश एवं रेलवे के साथ-साथ पूरे एशिया का प्रतिनिधित्व किया। इन्होंने 2007 से 2017 तक 3,000 मीटर स्टीपल चेज इवेंट में 9 बार राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किया। इन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2010 दिल्ली (भारत) में देश के साथ-साथ रेलवे का प्रतिनिधित्व किया। इनकी इन उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने वर्ष 2021 में भारत के नागरिक सम्मान 'पद्मश्री' एवं खेल के दूसरे सर्वोच्च पुरस्कार 'अर्जुन पुरस्कार' 2012 से सम्मानित किया। इसके साथ-साथ उत्तर प्रदेश सरकार ने 'रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार' 2013 और 'यश भारती पुरस्कार' 2016 से सम्मानित किया। इन्होनें हाल ही में प्रयागराज में उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा आयोजित इन्दिरा मेराथन-2022 मे महिलाओं में प्रथम स्थान हासिल किया।



खेलकूद के क्षेत्र में पूर्व तट रेलवे की प्रतिभावान एवं उभरतीं महिला खिलाड़ी



पूर्व तट रेलवे की भारोत्तोलक, झिल्ली दलबेहेरा ने 16 से 25 अप्रैल, 2021 तक उज्बेकिस्तान में आयोजित एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप में प्रथम स्थान हासिल किया है। वर्ष 2021 में, उन्होंने ताशकंद में 45 किलोग्राम वर्ग में आयोजित '2020 एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप' में 'लिफ्ट' में स्वर्ण पदक जीते। वर्ष 2019 में उन्होंने '2019 एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप' में रजत पदक जीता। उन्होंने 'दक्षिण एशियाई खेल 2019' में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने ताशकंद में आयोजित '2021 विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप' में, भाग लिया। '2021 कॉमनवेल्थ भारोत्तोलन चैंपियनशिप' में रजत पदक प्राप्त किया।

पूर्व तट रेलवे की एन. ऊषा, विश्व रजत पदक विजेता और भारतीय महिला मुक्केबाजी की कोच हैं तथा उन्हें राष्ट्रीय 'ध्यानचंद पुरस्कार' 2020 से सम्मानित किया गया है। उन्होंने '2008 एशियाई महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप' में स्वर्ण पदक और '2008 एआईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप' में रजत पदक जीता। वह एकमात्र ऐसी महिला मुक्केबाज थीं, जिन्हें वर्ष 2009 में, पुरुषों के विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में दो रजत पदक मिले हैं और वर्ष 2008 में आयोजित 57 किग्रा वर्ग में, 'चौथी एशियाई चैंपियनशिप' में स्वर्ण पदक जीता है।

दीप ग्रेस एक्का, पूर्व तट रेलवे की स्पोर्ट्स ऑफिसर हैं, जिन्होंने टोक्यो ओलंपिक 2020 में, चौथा स्थान हासिल किया है। उन्हें वर्ष 2022 में अर्जुन पुरस्कार के लिए चुना गया है। इनके पास 150 अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियां हैं और उन्होंने 3 अंतरराष्ट्रीय गोल किए हैं। उन्होंने पिछले वर्ष जापान में, '9वें महिला एशिया कप' में, उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, वे 'ड्रैग फ्लिकर' की 'डिफेंडिंग' को 'डबल' करने में



माहिर हैं। राष्ट्रमंडल खेलों में, मलेशिया के विरुद्ध 'गोल्ड कोस्ट 2018' में, भारतीय हॉकी के दूसरे मैच में उन्होंने 150 अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियां, अपने खाते में दर्ज कीं। वर्ष 2011 में, अर्जेंटीना में चार देशों के टूर्नामेंट में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका पदार्पण हुआ, जिसमें भारत ने कांस्य पदक जीता।



सुश्री मनीषा पन्ना, एक भारतीय पेशेवर फुटबॉलर हैं, जो पूर्व तट रेलवे और भारत की महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के के रूप लिए, मिडफील्डर में खेलती हैं। महिला वह वर्ष 2015-16 की 'एएफसी ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट' में, टीम का हिस्सा थीं। उन्हें वर्ष 2021 में, भारत में आयोजित 4 राष्ट्रों के 'अंतरराष्ट्रीय महिला फुटबॉल टूर्नामेंट' के लिए चुना गया था। मनीषा जी, वर्ष 2015 से, भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं। वह पेशेवर रूप से राष्ट्रीय टीम में डिफेंडर के रूप में खेलती हैं। शुरू करने के बाद से ही, वह नियमित दस्ते की सदस्या रही हैं। वह पहली बार वर्ष 2015-16 में, 'एएफसी महिला ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट' में खेली थीं। बाद में, वह दक्षिण एशियाई खेलों और '2016 SAFF महिला चैंपियनशिप' में भी खेलीं और दोनों टूर्नामेंट जीते।

मेरी सहेली-मदद का हाथ बढ़ाना

ट्रेनों में यात्रा करने वाली महिला यात्रियों के बचाव एवं सुरक्षा के लिए पूर्व तट रेलवे में वर्ष 2020 में 'मेरी सहेली' परियोजना की शुरुआत की गई। पूर्व तट रेलवे में, 'मेरी सहेली' टीमों को 07 विभिन्न स्टेशनों पर तैनात किया गया है, जिनमें 40 महिला रेल सुरक्षा बल कर्मियों की तैनाती है। भुवनेश्वर, पुरी, विशाखापट्टनम, जगदलपुर, रायगड़ा, संबलपुर, टिटलागढ़ और बलांगीर जैसे रेलवे स्टेशनों पर 'मेरी सहेली' टीमों का संचालन है। इस परियोजना के तहत कुल 62 ट्रेनों को अपनाया गया है, जिनमें से पूर्व तट रेलवे के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत, 40 ट्रेनें रवाना होती हैं और 22 ट्रेनों का अंतिम पड़ाव हैं।

इसके अतिरिक्त 'मेरी सहेली' परियोजना के तहत अन्य जोनों द्वारा अपनाई गईं और पूर्व तट रेलवे के अधिकार क्षेत्र से गुजरने वाली ट्रेनों की 'मेरी सहेली' टीमों द्वारा जांच की जाती है।

खेलों में परचम लहरातीं भारतीय रेल की महिला खिलाड़ी

श्री रणमत सिंह

भारतीय रेल अपने कर्मियों को स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलों में खेलकूद का इतिहास 94 वर्ष पुराना है। तब हॉकी से शुरू हुआ यह सफर आज 29 खेलों में अपनी दस्तक योगदान दे रहा है। यही कारण है कि महिलाओं को खेलों की दुनिया में शिखर पर चमकाने के लिए भारतीय रेल सर्वत्र प्रसिद्ध है। जब भारत सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष एक संस्था का चयन करने का निर्णय लिया तो सबसे पहले यह पुरस्कार रेलवे खेलकूद् संवर्द्धन परिषद को मिला। इतना ही नहीं, वर्ष 2019 में फिक्की ने भी रेलवे को खेलकूद को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ संस्था माना।

आज भारोत्तोलन में विश्व भर में सर्वाधिक चर्चित नामों में से एक मीराबाई चानू और महिला क्रिकेट में सर्वाधिक चर्चित भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत शामिल हैं। लेकिन, भारतीय रेल खिलाड़ियों को तब नहीं चुनती जब वे प्रसिद्ध हो चुके हों, बल्कि वह उन्हें तब चुनती है जब वह उनमें संभावना देखती है। यही वजह है कि हर उदीयमान खिलाड़ी के लिए रेलवे पहली पसंद है।



भारतीय महिला हॉकी टीम, क्रिकेट टीम, हैंडबाल, वालीबॉल, बास्केटबॉल, कबड्डी इत्यादि टीम की अधिकांश खिलाड़ी भारतीय रेल से जुड़ी हैं। भारतीय रेल की अनेक महिलाओं को 'पद्मश्री' सम्मान से नवाजा जा चुका है, जिनमें तैराकी से आरती गुप्ता, स्काई डाइवर रिचल थॉमस, बैडमिंटन से मीना एवं मधुमिता विष्ट, बॉस्केटबाल से पी. अनीता, तीरंदाजी से बोम्बायला देवी, एथलेटिक्स से एम.डी. वालसम्मा, गीता जुत्सी, सुनीता रानी, के. एम. वीनामोल, कृष्णा पूनिया, सुधा सिंह तथा हॉकी से सलमा डी. सिल्वा और वंदना कटारिया आदि खिलाड़ी शामिल हैं।

महिला क्रिकेट टीम की पहली पीढ़ी की धुरंधर खिलाड़ी डायना इडुलजी भारतीय रेल से थीं। सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआई के प्रशासन का कामकाज संभालने के लिए बनाई टीम में उन्हें चुना था। पद्मश्री इडुलजी का टेस्ट में 1.85 की इकॉनमी रेट से 63 विकेट लेने और एक दिवसीय में 2.37 की इकॉनमी रेट से 46 विकेट लेने का अनोखा रिकार्ड है।



भारतीय रेल के खिलाड़ियों को प्राप्त महत्त्वपूर्ण पुरस्कार

पुरस्कार	कुल	महिला खिलाड़ी
पद्मश्री पुरस्कार	27	21
अर्जुन अवॉर्ड	174	68
ध्यानचंद पुरस्कार	12	--
द्रोणाचार्य अवॉर्ड	13	01
मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार	09	06

क्रिकेट जगत् से यूं तो अनेक खिलाड़ी भारतीय रेल का नाम रौशन कर रही हैं, लेकिन उन सबमें पद्मश्री मिताली राज का नाम सबसे ऊपर है। खेल जगत् का हर बड़ा पुरस्कार उनके वार्डरोब की शोभा बढ़ा रहा है। 'महिला क्रिकेट की तेंदुलकर' कही जाने वाली मिताली ने अपने पहले ही मैच में शतक ठोंक कर धूम मचा दी थी। 6,000 रन बनाने वाली वे दुनिया की इकलौती क्रिकेटर हैं। लगातार सात मैचों में सात अर्द्धशतक का रिकार्ड न सिर्फ महिलाओं में बल्कि पुरुषों में भी अनूठा है। किसी भी देश के लिए सर्वाधिक मैचों में कप्तानी करने, सबसे अधिक समय तक खेलने और लगातार 109 एकदिवसीय मैच में किसी भी देश के लिए खेलने वाली वे इकलौती खिलाड़ी हैं।



आज विश्व महिला हॉकी में भारत की टीम की अधिकांश खिलाड़ी भारतीय रेल से हैं, जिनमें हाल ही में 'अर्जुन पुरस्कार' प्राप्त करने वाली मोनिका और वंदना कटारिया शामिल हैं। ऐसी ही एक खिलाड़ी थीं 'अर्जुन अवार्ड' प्राप्त प्रेम माया जो न सिर्फ हॉकी बल्कि वालीवाल और बास्केटबाल की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी थीं। मास्को ओलंपिक में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीम और नवे एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने वाली महिला हॉकी टीम की वे सदस्य थीं।

लेकिन महिला हॉकी का उल्लेख पद्मश्री एलिजा नेलसन के उल्लेख के बिना अधूरा रहेगा, जो मॉस्को ओलंपिक में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीम की सदस्य और 1982 में एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टीम की कप्तान थीं।

इसके अलावा एथलेटिक्स जगत् की सनसनी रही पद्मश्री ज्योतिर्मय सिकदर जो बाद में सांसद भी रहीं भारतीय रेल परिवार की सदस्य रही हैं। उन्होंने 800 मीटर एवं 1,500 मीटर में एशियाई खेलों में 3 स्वर्ण पदक जीते हैं।

भारोत्तोलन में सुश्री झिल्ली दलाबेहेरा, 1,500 मीटर रेस में सुश्री चित्रा, 5,000 मीटर में सुश्री पारुल चौधरी, भाला फेंक में अन्नू रानी, मुक्केबाजी में 'अर्जुन अवार्डी' सोनिया, कुश्ती में विनेश फोगाट और दिव्या काकरान ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर भारत और भारतीय रेल का नाम रौशन किया है। विनेश फोगाट एशियाई खेलों और कामनवेल्थ में स्वर्ण पदक जीतने वाली इकलौती महिला खिलाड़ी हैं। वे विश्व चैंपियनशिप में भी 2 कांस्य जीत चुकी हैं।

लेकिन जब बात कुश्ती की चली हो तो पद्मश्री साक्षी मलिक का नाम हमेशा सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। कुश्ती में ओलंपिक (रियो ओलंपिक 2016) में पदक लाने वाली साक्षी मलिक पहली



महिला हैं। लगभग सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुकी साक्षी खेल जगत का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण 'राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार' भी जीत चुकी हैं।

सुश्री प्रणति नायक ने 2019 में एशियाई चैंपियनशिप में वाल्ट में कांस्य जीता। किसी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसा करने वाली वह सिर्फ तीसरी भारतीय हैं। कबड्डी में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों ही स्तरों पर भारतीय रेल की खिलाड़ियों का दबदबा रहा है। तेजस्विनी बाई को 2010 और 2014 के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली कबड्डी टीम की कप्तानी करने का गौरव हासिल हो चुका है। वे भारतीय टीम की प्रशिक्षक भी रही हैं।

खेलों की बात हो और पद्मश्री पी.टी. ऊषा का नाम न आए, यह असंभव है। भारत में दौड़ का पर्याय हैं पी.टी. ऊषा। ओलंपिक में सेकंड के 100वें हिस्से से पदक चूकने वाली पी.टी. ऊषा ने 1986 के एशियाई खेलों में स्वर्ण की झड़ी लगा दी। 100 मीटर, 200 मीटर 400 मीटर बाधा दौड़ और 4गुणा 400 मीटर रिले में स्वर्ण जीतकर तहलका मचा दिया था। 80 के दशक से शुरू हुई 'भारतीय ट्रैक एवं फील्ड की रानी', 'गोल्डन गर्ल', 'पय्योली एक्सप्रेस', 'उड़न परी' आदि उपनामों से मशहूर पी.टी. ऊषा की लोकप्रियता आज भी बरकरार है।

वर्तमान में पी.टी. ऊषा राज्यसभा की सदस्य तथा राज्य सभा की वाइस चेयरपर्सन भी हैं। इसके अलावा भारतीय खेल जगत के सर्वोच्च पद इंडियन



ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष पद का दायित्व भी संभाल रही हैं, जिस पर वह निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं।

भारतीय रेल ने हाल ही में चितरंजन रेल इंजन कारखाने में तीरंदाजी अकादमी खोली है। इसके अलावा भारतीय रेल अपने खिलाड़ियों को पदक जीतने पर नकद और प्रमोशन भी प्रदान करती है।



टीम इंडिया ने पहली बार महिला विशेष U19T20WorldCup में शानदार जीत के साथ विश्व कप हासिल किया। टीम को सफलता की ओर ले जाने के लिए U19 भारतीय टीम की कोच नूशिन अल खदीर का विशेष अभिनंदन। वह भारतीय रेल परिवार की एक गौरवान्वित सदस्य हैं।



झारखंड के रांची में आयोजित सीनियर महिला वन-डे ट्रॉफी में भारतीय रेल की सीनियर महिला क्रिकेट टीम ने कर्नाटक को 4 विकेट से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की

भारतीय रेल

पत्रिका अब
राष्ट्रीय रेल संग्रहालय
चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में भी उपलब्ध है




असम के गुवाहाटी में आयोजित 74वीं सीनियर नेशनल ट्रैक साइक्लिंग चैंपियनशिप में पहली बार ओवरऑल चैंपियन बनने वाली भारतीय रेल साइक्लिंग महिला और पुरुष टीमें।




रेलवे की महिला मुक्केबाजी टीम ने भोपाल में आयोजित छठी एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2022-23 जीती और राष्ट्रीय खिताब बरकरार रखा। 5, 3 और 2 पदक हासिल किए और सुश्री अनामिका हुड्डा को चैंपियनशिप की 'सर्वश्रेष्ठ चैलेंजर बॉक्सर' घोषित किया गया।



पूर्वोत्तर रेलवे की महिला भारोत्तोलन खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन:- 06 जनवरी, 2023 को तमिलनाडु के नागरकोविल में आयोजित सीनियर नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में इस रेलवे की 03 खिलाड़ियों ने पदक प्राप्त किये, जिनमें से पूनम यादव ने 81 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक तथा वन्दना गुप्ता एवं बी.एन. उषा ने क्रमश: 76 किग्रा व 87 किग्रा भार वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया।



भारतीय रेल की महिला हॉकी टीम ने नई दिल्ली में आयोजित पहला सीनियर महिला नेहरू कप टूर्नामेंट-2022 जीता। भारतीय रेल ने प्रीतम सिवाच अकादमी (पीएसए) को 2:1 से हराया और इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीता।




तमिलनाडु के नागरकोइल में आयोजित 72वीं सीनियर नेशनल (महिला और पुरुष) वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2022-23 में भारतीय रेल की विजेता बनने वाली महिला वेटलिफ्टिंग टीम और उपविजेता बनने वाली पुरुष वेटलिफ्टिंग टीम।




महाराष्ट्र के नासिक में आयोजित 27वीं सीनियर नेशनल रोड साइक्लिंग चैंपियनशिप में भारतीय रेल साइक्लिंग पुरुष और महिला टीमों को बधाई। पुरुष टीम ने सर्विसेज के नौ अंक की तुलना में 11 अंक और महिला टीम ने राजस्थान के 7 अंक की तुलना में 14 अंक हासिल किए।






पंजाब के फगवाड़ा में आयोजित सीनियर नेशनल आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में भारतीय रेल के जिम्नास्टों ने शानदार प्रदर्शन किया




उदयपुर में 72वीं सीनियर राष्ट्रीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2022 में भारतीय रेल की महिला बास्केटबॉल टीम ने स्वर्ण और पुरुषों की बास्केटबॉल टीम ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को किया सम्मानित



पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र ने 14 जनवरी, 2023 को महालक्ष्मी स्पोर्ट्स ग्राउंड में आयोजित एक समारोह में पश्चिम रेलवे के खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर के अनुसार पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ने वर्ष 2022-23 में असाधारण उपलब्धियों के लिए कई एथलीटों और खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इनमें सुश्री नवनीत कौर, एशियन गेम्स चैंपियन (महिला हॉकी), विश्व कप (निशानेबाजी) में स्वर्ण पदक विजेता सुश्री रुचिता विनरकर, सुश्री राजेश्वरी गायकवाड़, विश्व कप (महिला क्रिकेट), अंतरराष्ट्रीय रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक विजेता श्री हिमल गुसाईं, अंतरराष्ट्रीय रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट में कांस्य पदक विजेता श्री राहुल संगमा और विश्व कप (भारोत्तोलन) में रजत पदक विजेता श्री पी. सुरेश शामिल हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया और न केवल देश के लिए बल्कि भारतीय रेल के लिए भी बहुत नाम कमाया। साथ ही, श्री मिश्र ने कई राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों और पैरा एथलीटों को भी वर्ष 2022-23 में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। महाप्रबंधक ने वेटलिफ्टिंग महिला टीम, वेटलिफ्टिंग पुरुष टीम, टेबल टेनिस पुरुष टीम, वाटरपोलो पुरुष टीम और डाइविंग टीम को ऑल इंडिया रेलवे चैंपियनशिप 2022-23 में उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया।

रांची में 43वीं अखिल भारतीय रेल महिला हॉकी चैंपियनशिप का आयोजन



दक्षिण पूर्व रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन, रांची मंडल द्वारा आयोजित 43वीं अखिल भारतीय रेल महिला हॉकी चैंपियनशिप का उद्घाटन दिनांक 20 दिसम्बर, 2022 को एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम, हटिया में किया गया। श्री अतुल्य सिन्हा, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे। श्री इग्नेस टिर्की, पूर्व ओलंपियन, पद्मश्री और अर्जुन अवार्डी सम्मानित अतिथि थे जबकि श्री प्रदीप गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, रांची ने समारोह की अध्यक्षता की। टूर्नामेंट का समापन 26 दिसम्बर, 2022 को हुआ। चैंपियनशिप में कुल मिलाकर 8 क्षेत्रीय रेलवे और उत्पादन इकाइयों ने भाग लिया। भाग लेने वाली टीमें दक्षिण पूर्व रेलवे, उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, मध्य रेलवे, उत्तर पूर्व रेलवे, पश्चिम रेलवे और रेल कोच फैक्ट्री (कपूरथला) थीं। फाइनल मैच में मध्य रेल ने रेल कोच फैक्ट्री (कपूरथला) को हराकर चैंपियन बनी।

अमृत भारत स्टेशन योजना

रेल मंत्रालय ने 'अमृत भारत स्टेशन योजना' नाम से स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए एक नई नीति तैयार की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। यह स्टेशन की आवश्यकताओं और संरक्षण के अनुसार दीर्घकालिक मास्टर प्लान तैयार करने और मास्टर प्लान के तत्वों के कार्यान्वयन पर आधारित है।

व्यापक उद्देश्य

- इस योजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं (एमईए) सहित सुविधाओं को बढ़ाने के लिए विभिन्न चरणों में मास्टर प्लान के कार्यान्वयन और लंबी अवधि के समय में स्टेशन पर रूफ प्लाजा और शहर के केंद्रों के निर्माण का लक्ष्य है।
- इस योजना का लक्ष्य निधियों की उपलब्धता और परस्पर प्राथमिकता के आधार पर जहां तक संभव हो, हितधारकों की आवश्यकताओं को पूरा करना होगा।
- यह योजना नई सुविधाओं की शुरुआत के साथ-साथ मौजूदा सुविधाओं के उन्नयन और प्रतिस्थापन को पूरा करेगी।
- यह योजना उन स्टेशनों को भी शामिल करेगी जहां विस्तृत तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन किए गए हैं या किए जा रहे हैं, लेकिन रूफ प्लाजा के निर्माण का काम अभी तक शुरू नहीं किया गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि मास्टर प्लान को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए और संरचनाओं का स्थानांतरण किया जाए और चरणबद्ध योजनाओं में उपयोगिताओं पर अधिक बल दिया जा रहा है।
- उपरोक्त उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चयनित स्टेशनों के लिए निम्नलिखित व्यापक कार्यक्षेत्र की परिकल्पना की गई है।
- मास्टर प्लान में भविष्य में बनाए जाने वाले रूफ प्लाजा के सबसे उपयुक्त स्थान का प्रारंभिक विवरण होगा।
- इस योजना में लागत प्रभावी सुधार, विस्तृत, अच्छी तरह से प्रकाशित सौंदर्यपूर्ण रूप से आकर्षक प्रवेश द्वार बरामदे का प्रावधान की परिकल्पना की गई है।
- मौजूदा भवन उपयोग की समीक्षा की जाएगी और स्टेशन के प्रवेश द्वारों के पास यात्रियों के लिए जगह छोड़ी जानी चाहिए और रेलवे कार्यालयों को उपयुक्त रूप से स्थानांतरित किया जाना चाहिए।
- इस योजना का उद्देश्य बेकार/पुरानी इमारतों को लागत प्रभावी तरीके से स्थानांतरित करना है ताकि उच्च प्राथमिकता वाली यात्री संबंधी गतिविधियों के लिए जगह उपलब्ध हो सके और भविष्य में विकास सुचारू रूप से किया जा सके। प्रतीक्षालय के आकार में सुधार के लिए परिसंचरण या संरचनाओं के प्रावधान में सुधार के लिए पुरानी संरचनाओं के स्थानांतरण या संरचनाओं के स्थानांतरण के लिए आवश्यक होने के अलावा नए भवनों के निर्माण से आम तौर पर बचा जाना चाहिए।
- विभिन्न ग्रेड/प्रकार के प्रतीक्षालय को क्लब करने का प्रयास किया जाएगा और जहां तक संभव हो, अच्छा कैफेटेरिया/खुदरा सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा। प्रतीक्षालय में उपयुक्त निचले स्तर के विभाजन किए जा सकते हैं।
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' के लिए न्यूनतम दो स्टॉलों का प्रावधान किया जाएगा।
- कार्यकारी लाउंज और छोटी व्यावसायिक बैठकों के लिए स्थान भी बनाए जाएंगे।



- महत्त्वपूर्ण जानकारी आदि के प्रदर्शन के लिए एक प्रमुख स्थान पर सर्कुलेटिंग एरिया के प्रत्येक तरफ कम से कम एक सौंदर्यपूर्ण रूप से डिजाइन किया गया होर्डिंग (संकेत) लगाया जाएगा। ऐसे होर्डिंग का आकार 10 मिलीमीटर x 20 मिलीमीटर से कम नहीं होगा।
- सड़कों को चौड़ा करने, अवांछित संरचनाओं को हटाने, उचित रूप से डिजाइन किए गए साइनेज, समर्पित पैदल मार्ग, सुनियोजित पार्किंग क्षेत्र, बेहतर प्रकाश व्यवस्था आदि की सुचारू पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन के दृष्टिकोण में सुधार किया जाएगा। आवश्यक सुधारों के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ स्थानीय अधिकारियों द्वारा उनके क्षेत्रों में आवश्यक संपर्क स्थापित किया जाना चाहिए।।
- स्टेशन उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुखद अनुभव प्रदान करने के लिए भूनिर्माण, हरे पैच और स्थानीय कला और संस्कृति के तत्वों का उपयोग किया जाना चाहिए। यह उपयुक्त पेशेवरों की मदद से किया जाना चाहिए।
- सेकंड एंट्री स्टेशन बिल्डिंग और सर्कुलेटिंग एरिया को स्टेशन की जरूरत के हिसाब से बेहतर बनाया जाएगा। जहां भी वर्तमान में द्वितीय प्रवेश भवन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, वहां सर्कुलेटिंग एरिया के लिए जगह सुनियोजित की जाएगी और स्थानीय निकायों के साथ संपर्क स्थापित किया जाएगा ताकि द्वितीय प्रवेश के लिए पहुंच मार्ग शहर के मास्टर प्लान में रखे जाएं और स्टेशन के आसपास के विकास को उपयुक्त रूप से नियंत्रित किया जाए।
- सभी श्रेणियों के स्टेशनों पर उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म (760-840 मिलीमीटर) प्रदान किए जाएंगे। प्लेटफॉर्मों की लंबाई आम तौर पर 600 मीटर की होगी।
- प्लेटफॉर्म शेल्टरों की लंबाई, स्थान और चरणबद्धता स्टेशन के उपयोग के आधार पर तय की जाएगी।
- प्लेटफॉर्म लाइनों और ट्रेनों के रखरखाव सुविधाओं के साथ लाइनों पर गिट्टी रहित ट्रैक प्रदान किए जाएंगे।
- प्लेटफॉर्म क्षेत्रों की जल निकासी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। जहां तक संभव हो नालों, की स्वयं सफाई पर विशेष बल दिया जाएगा। जहां प्राकृतिक ढलान पर्याप्त नहीं हैं, वहां उपयुक्त क्रॉस ड्रेन, हौदी और पंप की व्यवस्था की जा सकती है। नालियों को खूबसूरती से डिजाइन किए गए चोरी प्रतिरोधी कवर से ढका जा सकता है।
- केबलों को खूबसूरती से डिजाइन किए गए डक्ट में ढक कर रखा जाना चाहिए और इसमें भविष्य के केबलों के लिए भी प्रावधान होना चाहिए।
- मास्टर प्लान में पार्सल हैंडलिंग स्पर्स, स्टोरेज और हैंडलिंग सुविधाओं आदि के लिए जगह चिन्हित की जाएगी। कार्यों को भी प्रस्तावित किया जाना चाहिए और उपयुक्त चरणों में निष्पादित किया जाना चाहिए।
- ऐसे प्रावधान किए जा सकते हैं कि जहां तक संभव हो, स्टेशन अपने उपयोगकर्ताओं को मुफ्त वाई-फाई की सुविधा प्रदान करे। मास्टर प्लान में 5-जी टॉवरों के लिए उपयुक्त स्थान होना चाहिए।
- स्टेशन के सार्वजनिक क्षेत्रों के भीतर फर्श, दीवारें, संरचनाएं, फर्नीचर, सैनिटरी फिटिंग आदि जैसे तत्वों की सामग्री आदि, जहां सतह या तो यात्रियों के सीधे भौतिक संपर्क में आती हैं या उन्हें दिखाई देती हैं, अत्यधिक टिकाऊ (अधिमानत: धोने योग्य) होनी चाहिए, आम तौर पर डस्टप्रूफ और कम रखरखाव की आवश्यकता होती है।
- प्रतीक्षालय, प्लेटफॉर्म, विश्राम कक्ष, कार्यालयों पर उपलब्ध फर्नीचर की समीक्षा की जाएगी और उस क्षेत्र के रेलवे स्टेशनों के लिए उपयुक्त अधिक आरामदायक और टिकाऊ फर्नीचर उपलब्ध कराने के लिए योजना बनाई जाएगी। चरणबद्ध तरीके से बहु-डिजाइन फर्नीचर को समाप्त करने की योजना बनाई जाएगी।
- संकेतों को सहज मार्ग खोजने के लिए अच्छी तरह से डिजाइन किया जाना चाहिए, अच्छी दृश्यता होनी चाहिए और सौंदर्य की दृष्टि से मनभावन होना चाहिए। सार्वजनिक घोषणा प्रणाली की गुणवत्ता में सुधार किया जाना चाहिए।
- यात्रियों की संख्या पर ध्यान दिए बिना एनएसजी/1-4 और एसजी/1-2 श्रेणी स्टेशनों पर एस्केलेटर प्रदान किए जा सकते हैं।
- स्टेशनों पर दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार होंगी।
- समारोहिक झंडों को स्टेशन में उपयुक्त स्थान पर लगाया जा सकता है।
- स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेनों के यात्रियों के लिए अच्छी दृश्यता के साथ कम से कम दो स्टेशन नाम बोर्ड एलईडी आधारित होने चाहिए।
- सर्कुलेटिंग एरिया की बाउंड्री वॉल को आमतौर पर बाहर से स्टेशन का व्यू ब्लॉक नहीं करना चाहिए। पहुंच को लोहे/स्टील की ग्रिल फेंसिंग द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है।
- सभी श्रेणियों के स्टेशनों पर महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए अलग-अलग प्रावधानों के साथ पर्याप्त संख्या में शौचालय उपलब्ध कराए जाएंगे। शौचालय का स्थान स्टेशन उपयोग के लिए उपयुक्त, आसानी से दिखाई देने वाला और सुलभ होना चाहिए।
- धन की उपलब्धता और मौजूदा परिसंपत्तियों की स्थिति के अनुसार स्थायी और पर्यावरण के अनुकूल समाधानों की ओर धीरे-धीरे बदलाव।

प्रदान की जाने वाली सुख-सुविधाओं और साधनों के पैमाने को ऊपर दिए गए व्यापक मार्गदर्शक सिद्धांतों, स्टेशन पर यात्रियों की संख्या, उपयोगकर्ताओं, विभिन्न विभागों और स्थानीय अधिकारियों सहित हितधारक परामर्श और मंडल रेल प्रबंधक के अनुमोदन के आधार पर अंतिम रूप दिया जाएगा।

पुनर्विकसित होने वाले रेलवे स्टेशनों के प्रस्तावित डिजाइन









गोमती नगर रेलवे स्टेशन, उत्तर प्रदेश का पुनर्विकास कार्य जोरों पर है। व्यावसायिक भवन, भूतल की छत के स्लैब, आर-2 ब्लॉक की पहली मंजिल और दूसरी मंजिल के साथ-साथ अन्य विभिन्न कार्यों के लिए नींव का काम पूरा हो चुका है।



भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास






शानदार बदलाव: पुनर्विकसित होने वाले जोधपुर रेलवे स्टेशन का प्रस्तावित डिजाइन।





स्थलाकृतिक सर्वेक्षण पूरा होने के साथ रामेश्वरम स्टेशन पुनर्विकास पर आगे बढ़ते हुए साइट सफाई और भू-तकनीकी जांच प्रगति पर है ₹112.69 करोड़ की लागत से स्वीकृत पुनर्विकास परियोजना के अंतर्गत तमिलनाडु के रामेश्वरम स्टेशन पर पुनर्विकास का काम तेजी से चल रहा है।



मंत्रमुग्ध कर देने वाला परिवर्तन : पुडुचेरी रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए प्रस्तावित डिज़ाइन पर एक नजर।



लखनऊ रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य
स्वीकृत लागत: ₹494.05 करोड़
मृदा परीक्षण: प्रगति पर है
ड्रोन वीडियोग्राफी: पूर्ण
प्रारंभिक स्थलाकृतिक सर्वेक्षण: पूर्ण

राष्ट्रपति ने आरपीएफ/आरपीएसएफ कर्मियों को प्रदान किये जीवन रक्षा पदक पुरस्कार



श्री जयपाल सिंह
हेड कांस्टेबल/उत्तरी रेलवे

दिनांक 12 मई, 2022 को निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में, 532/13 किमी से 1532/25 किमी के बीच, लगभग 16:10 बजे बीटीपीएन वैगन सं. 40121185538 में तकनीकी कारणों से आग लग गई। उस समय मौके पर करीब 1,000 लोग काम कर रहे थे। आग को विकराल रूप लेते देख दहशत का माहौल बन गया। जान बचाने के लिए मजदूर घबराकर इधर-उधर भागने लगे।



श्री सुरेन्द्र कुमार
कांस्टेबल/उत्तरी रेलवे

हेड कांस्टेबल जयपाल सिंह, कांस्टेबल सुरेन्द्र कुमार और कांस्टेबल बुद्धराम सैनी ड्यूटी पर तैनात थे। उन्होंने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपनी जान की परवाह न करते हुए अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ (नाफ्था) से भरे बीटीपीएन वैगन में लगी आग को अग्नि शमन यंत्र की मदद से बुझा दिया। यदि उक्त आग को तुरंत नहीं बुझाया गया होता तो यह नाफ्था से भरे कुल 18 बीटीपीएन वैगनों में फैल



श्री बुद्ध राम सैनी
कांस्टेबल/सातवीं वाहिनी/आरपीएसएफ

जाती, जिससे बड़ी दुर्घटना हो सकती थी, हजारों लोगों की जान को खतरा होता और अरबों रुपये की रेलवे संपत्ति तबाह हो जाती।

श्री जयपाल सिंह, श्री सुरेन्द्र कुमार और श्री बुद्धराम सैनी ने अपनी जान जोखिम में डालकर लगभग 1,000 जीवन और अरबों रुपये की रेलवे संपत्ति को बचाया है, जो सराहनीय कार्य है।

आरपीएफ/आरपीएसएफ के जवान विशिष्ट और उत्कृष्ट सेवाओं हेतु राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित

गणतंत्र दिवस 2023 के अवसर पर राष्ट्रपति ने आरपीएफ/आरपीएसएफ के निम्नलिखित कार्मिकों को विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएम)और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुलिस पदक (पीएम) से सम्मानित किया है:

विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक (पीपीएम)

श्री राजा राम, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, दक्षिण मध्य रेलवे।

उत्कृष्ट सेवा के लिए पुलिस पदक (पीएम)

1. श्री पंकज गंगवार, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, ईस्ट कोस्ट रेलवे।
2. श्री देवराय श्रीनिवास राव, सहायक कमांडेंट, 7बीएन आरपीएसएफ।
3. श्री जमजेर कुमार, सहायक कमांडेंट, 15बीएन आरपीएसएफ।
4. श्री प्रवीण सिंह, इंस्पेक्टर/6बीएन आरपीएसएफ।
5. श्री विजय कुमार, इंस्पेक्टर/6बीएन आरपीएसएफ।
6. श्री एन श्रीनिवास राव, सब-इंस्पेक्टर/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे।
7. श्री विवेक मोहन, सब-इंस्पेक्टर/उत्तर रेलवे।
8. श्री जे. राजेंद्रन, सब-इंस्पेक्टर/दक्षिण रेलवे।
9. श्री यावर हुसैन, सब-इंस्पेक्टर/15बीएन आरपीएसएफ।
10. श्री दिवाकर शुक्ला, सहायक उप-निरीक्षक/उत्तर पूर्व रेलवे।
11. श्री नीलेश कुमार, सहायक उप-निरीक्षक/पूर्व मध्य रेलवे।
12. श्री साजी ऑगस्टाइन, सहायक उप-निरीक्षक/दक्षिण रेलवे।
13. श्री प्रफुल्ल भालेराव, हेड कांस्टेबल, पश्चिम रेलवे।
14. श्री श्री राम साहू, रसोइया/2बीएन आरपीएसएफ।
15. श्री छबुराव सखरजी धावले, चालक/मध्य रेल।

रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला ने किया कालका-शिमला रेलवे के लिए नए डिजाइन के पैनोरमिक नैरो गेज कोच का निर्माण



दिनांक 9 जनवरी, 2023 को रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला को भारतीय रेल द्वारा कुछ समय पहले कालका–शिमला नैरो गेज रेलवे (यूनेस्को की विश्व धरोहर) के रेल डिब्बों के आधुनिकीकरण की प्रतिष्ठित परियोजना सौंपी गई थी। इस परियोजना ने महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का सामना किया क्योंकि डिब्बों के डिजाइन के विकास और उनकी जाँच–परीक्षण के लिए नैरो–गेज ट्रैक के मॉडलिंग के लिए कोई डिजिटल डाटा उपलब्ध नहीं था।

उपरोक्त सीमाओं के बावजूद, आरसीएफ की डिजाइन टीम ने भारतीय रेल के ब्रॉड गेज सिस्टम के लिए रेल डिब्बों के डिजाइन विकसित करने के अपने वर्षों के अनुभव का उपयोग करके इन नैरो गेज डिब्बों के आवश्यक डिजाइन इनपुट को फिर से बनाने के लिए अथक प्रयास किया। इस के लिए आरसीएफ डिजाइन टीम द्वारा कालका वर्कशॉप में उपलब्ध पुराने ब्लू प्रिंट और स्केचों का इस्तेमाल कर थ्री डी मॉडल तैयार किए गए। इसके बाद इन मॉडलों को बेहतर ब्रेक और सस्पेंशन अरेंजमेंट के साथ एक संशोधित बोगी विकसित करने के लिए बेस लाइन के रूप में उपयोग किया गया, जिससे नैरो गेज शेल के तीन नए डिजाइन और इंटीरियर फर्निशिंग के चार डिजाइन तैयार हुए। इन डिजाइनों को सीमित विश्लेषण तकनीक और मल्टी बॉडी विश्लेषण का उपयोग करके सुधारा गया। इसके अलावा डिब्बों के एयर कंडीशनिंग सिस्टम, बिजली सप्लाई, पैंट्री, बायो–वैक्यूम टॉयलेट, लाइटिंग, फ्लोरिंग आदि के नए डिजाइन के लिए भी कई काम किये गए। इसके परिणामस्वरूप अब रेल यात्रियों को पहाड़ों की शानदार प्राकृतिक सुंदरता का पूरी तरह से आनंद लेने के लिए नैरो गेज रोलिंग स्टॉक के एक पूरी तरह से नए डिजाइन का विकास संभव हुआ है।

इसके इलावा वर्कशॉप में इन डिब्बों के निर्माण के लिए आरसीएफ की डिजाइन और प्रोडक्शन टीम ने नए डिजाइन के शेल जिग्स, लिफ्टिंग टैकल, स्टैटिक टेस्ट जिग्स, नैरो गेज लाइन, लोडिंग गेज आदि जैसे लगभग सभी आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर का इन–हाउस निर्माण किया।

रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा इन डिब्बों के डिजाइन की मंजूरी दिए जाने के बाद दो प्रोटोटाइप शेल का निर्माण किया गया, जिनका आरसीएफ में स्थिर तनाव विश्लेषण के लिए अक्टूबर 2022 में आर डी एस ओ लखनऊ द्वारा कड़ाई से परीक्षण किया गया। बाद में, निर्माण किये गए इन दो कोच शैलों (ऐ सी चेयर कार और पॉवर कार) को कालका ले जाया गया जहां स्थिरता और सवारी की क्वालिटी निर्धारित करने के लिए कालका–शिमला रेलवे में मौजूदा अनुभागीय गति से अधिक गति पर उनका कई बार सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

पिछले वर्ष दिसंबर में इन दो कोच शेल के आसीलेशन ट्रायल की सफलता के बाद रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला कालका शिमला रेलवे के लिए नए डिजाइन के पैनोरमिक नैरो गेज कोचों के अंतिम परीक्षण शुरू करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सभी चार प्रकार के ए सी एक्जीक्यूटिव चेयर कार, ए सी चेयर कार, नॉन–ए सी चेयर कार और पावर कम लगेज कोच के पूरी तरह से सुसज्जित कोच जल्द ही आरडीएसओ लखनऊ द्वारा विस्तृत आसीलेशन ट्रायल से गुजरेंगे। इस विस्तृत आसीलेशन ट्रायल के सफल समापन के बाद और अप्रूवल मिलने पर आरसीएफ इन नए पैनोरमिक कोचों का शृंखलाबद्ध उत्पादन शुरू करेगा।

आरसीएफ12 सीटों वाले 06 प्रथम श्रेणी ए सी चेयर कार, 24 सीटों वाले 06 ए सी चेयर कार, 30 सीटों वाले 13 नॉन ए सी चेयर कार और 05 पॉवर/सामान/गार्ड वैन सहित 30 अत्याधुनिक नैरो गेज पैनोरमिक कोच का निर्माण करेगा। जो विशेषताओं से लैस होंगे जिनमें इनकी अपग्रेडेड बोगियों और बेहतर ब्रेक सिस्टम के साथ हल्के वजन का शैल शामिल है। इन कोचों में पैनोरमिक वाइड व्यू विंडो डिजाइन होगा ताकि यात्री पहाड़ों और घाटियों की सुंदरता का अनुभव कर सकें।

भारतीय
पत्रिका की ऑनलाइन सदस्यता

STEP 1

ऑनलाइन सदस्यता हेतु **www.irctc.co.in** पर जाएं।

इस पेज के **विज्ञापन** (Promotions) पर जाएं।

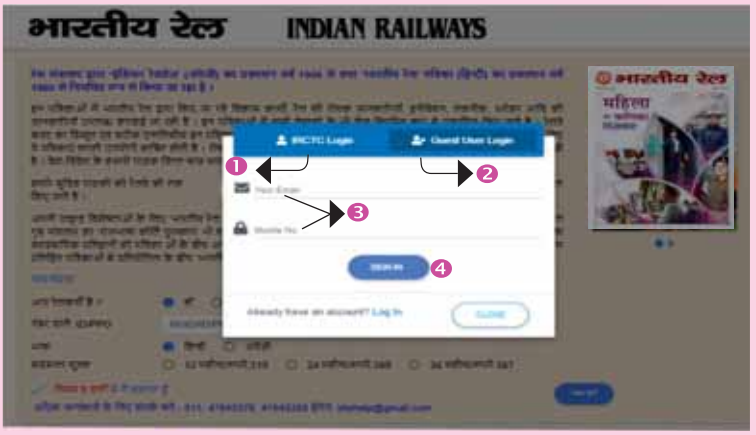
आप सीधे
www.irctctourism.com/ IRBRmag/#/home/hn
पर भी जा सकते हैं।



❸ **'भारतीय रेल पत्रिका'** पर क्लिक करें।

STEP 3

❶ इस बॉक्स में यदि आप के पास आईआरसीटीसी का लॉग–इन, पासवर्ड है तो उसका उपयोग करें।

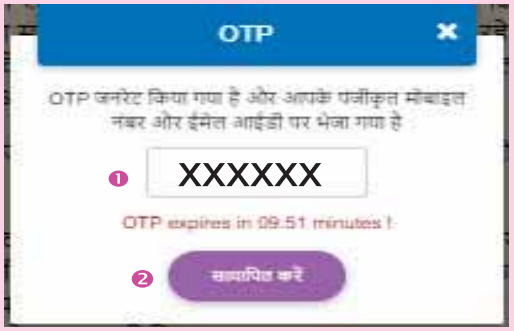


❷ लॉग–इन आईडी नहीं है तो गेस्ट लॉग–इन पर क्लिक करें।

❸ उसमें अपना ई–मेल तथा मोबाइल नंबर दर्ज करें।

❹ सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 5



❶ आपके पंजीकृत मोबाइल एवं ई–मेल पर आए ओटीपी को बॉक्स में दर्ज करें एवं

❷ सत्यापित करें

STEP 6



❶ पेमेंट मोड (कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई, वॉलेट, इंटरनेशनल कार्ड तथा आईपे) एवं

❷ पेमेंट गेट–वे का ऑप्शन पसंद करें

❸ मेक पेमेंट का बटन दबाएं

रेल
प्राप्त करने की सरल प्रक्रिया

STEP 2

1. यदि आप रेलकर्मी हैं तो 'हां' पर या रेलकर्मी नहीं हैं तो 'नहीं' पर क्लिक करें।
2. यदी 'हां' तो बॉक्स में अपना आरयूआईडी/ आईडी/पीपीओ नंबर तथा एक आधिकारिक आईडी की स्कैन कॉपी अपलोड करें।
3. 'भारतीय रेल' पत्रिका के लिए 'हिंदी' को और 'इंडियन रेलवेज' पत्रिका के लिए 'अंग्रेजी' में क्लिक करें।
4. एक, दो या तीन यानि जितने साल की सदस्यता चाहते हैं, उस बिन्दु पर क्लिक करें।



सबमिट (जमा) का बटन दबाएं।

5. नियम व शर्तों पर क्लिक करें तथा उसे ध्यान से पढ़ लें। यदि सहमत हों तो बॉक्स में टिक मार्क करें।

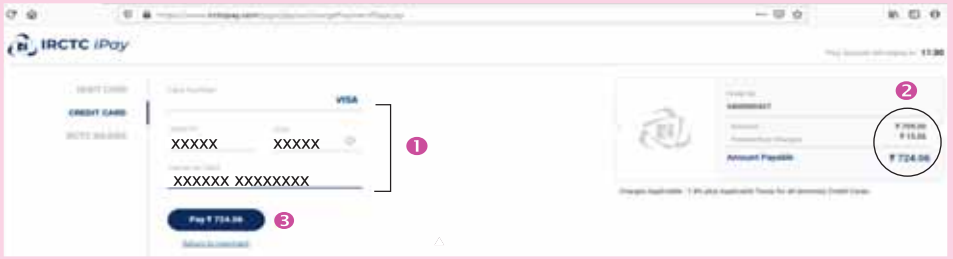
STEP 4

1. अपना पूरा पता पिन कोड के साथ दर्ज करें



2. सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 7



1. पेमेंट मोड की डीटेल भरें
2. पेमेंट एमाउंट की जानकारी देखें।
3. संतुष्ट होने पर ही 'पे' बटन को दबाएं।

➲ बैंक ओटीपी की प्रक्रिया पूर्ण होने पर पेमेंट सक्सेस फुल का मैसेज स्क्रीन पर दिखाई देगा।

कृपया ध्यान दें

- पेमेंट के समय नियमानुसार ट्रांजेक्शन शुल्क लगते हैं, कृपया पेमेंट करते समय देख लें।
- पेमेंट की प्रक्रिया पूर्ण होने पर आपको सदस्यता संबंधित जानकारी का एस.एम.एस. तथा मेल प्राप्त होगा।
- पेमेंट प्राप्त होते ही निर्धारित माह से आपको पत्रिका प्राप्त होनी शुरू हो जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 011- 47845378, 47845380 ईमेल: irbrhelp@gmail.com


मिशन की ओर अग्रसर
100%
विद्युतीकरण
भारतीय रेलवे पार कर गया
7,000 आरकेएम
के लिए निशान
विद्युतीकरण के इतिहास में पहली बार
7,107
आरकेएम
6,041
आरकेएम
17.64%
1 जनवरी- 31 दिसंबर, 2021
1 जनवरी- 31 दिसंबर, 2021


भारतीय रेलवे नेटवर्क है
100 एलइडी दक्ष
ऊर्जा दक्ष
लंबे समय में लागत दक्ष
निम्न वोल्टेज ऑपरेशन
कार्बन पदचिन्ह में कमी
बिजली बजाएं
#जीवन चुनें


माल ढुलाई राजस्व
1 अप्रैल - 31 दिसंबर
₹1,20,478
₹1,04,040
16%
वित्त वर्ष 2021-22
वित्त वर्ष 2022-23


बढ़ती
माल ढुलाई लोडिंग
1 अप्रैल से 31 दिसंबर
1109.38 MT
1029.96 MT
8%
वित्त वर्ष 2021-22
वित्त वर्ष 2022-23


यात्री श्रेणी में
रेलवे द्वारा अर्जित राजस्व में वृद्धि
₹48,913
करोड़
71%
₹28,569
करोड़
वित्त वर्ष 2021-22
वित्त वर्ष 2022-23


यात्री सेगमेंट में
नया कीर्तिमान
4,746.45
मिलियन यात्री
108.37% increase
2,299.93
मिलियन यात्री
वित्त वर्ष 2021-22
वित्त वर्ष 2022-23


लेवल क्रॉसिंग गेट्स
पर सुरक्षा बढ़ाना
एलसी गेट इंटरलॉकिंग
कमीशन
209
144
45%
STOP
2021-22
2022-23
*डेटा 31 दिसंबर, 2022 तक


गतिशीलता बढ़ाना
सुरक्षा सुनिश्चित
इलेक्ट्रॉनिक
इंटरलॉकिंग सिग्नल
कमीशन
347
237
46.41%
1 अप्रैल - 31 दिसंबर
2021-22
2022-23
*डेटा 31 दिसंबर, 2022 तक


लाइन क्षमता में वृद्धि
गतिशीलता में वृद्धि
ऑटोमैटिक सिग्नल लगाए गए
268 किमी
118 किमी
127%
2021-22
2022-23


'मिशन जीरो स्क्रैप'
संसाधनों में सुधार
₹4053.68
करोड़
₹3442
करोड़
17.77%
1 अप्रैल से 31 दिसंबर
वित्त वर्ष 2021-22
1 अप्रैल से 31 दिसंबर
वित्त वर्ष 2022-23
*डेटा 31 दिसंबर, 2022 तक


गति शक्ति
मल्टीमॉडल कार्गो टर्मिनल
माल ढुलाई टर्मिनलों की अवसंरचना विकसित कर परिवहन
क्षमता बढ़ाई जा रही है
अनंतिम रूप से लगभग 98 और लोकेशनों को चिन्हित कर
15 जीसीटी गठित की गई है
लोकेशन उद्योग की मांग और
कार्गो परिवहन की संभावना पर आधारित हैं
रेल कार्गो के प्रबंधन हेतु विकसित
अगले तीन वित्त वर्षों के भीतर
100 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल स्थापित करने का लक्ष्य


रेलवे के बुनियादी
ढांचे का उन्नयन
नई लाइन/ दोहरीकरण/ गेज परिवर्तन
1 अप्रैल से 31 दिसंबर
2,194 किमी
वित्त वर्ष 2022-23
↑65%
1,330 किमी
वित्त वर्ष 2021-22



काशी तमिल संगमम्

नेत्रद्वयम महेशस्य काशी कांचीपुरद्वय्।
विख्यातम् वैष्णवक्षेत्रं शिव सानिध्यकारक्॥

अयोध्या मथुरा माया काशी कांची अवन्तिका।
पुरी द्वारावती चौव सप्तैते मोक्षदायकाः॥

श्री मनीष बाजपेई
वरिष्ठ पत्रकार, दूरदर्शन समाचार

'ब्रहमाण्ड पुराण' व्यापक और आदि पुराणों में से एक है, जिसमें काशी और कांची को शिव के दो नेत्रों के रूप में वर्णित किया गया है। बात सिर्फ इतनी सी नहीं है...

भारत वर्ष के अनेक प्राचीन नगरों में से सात नगरों को सप्तमोक्षपुरी के रूप में अधिक पूजा जाता है, जो व्यक्ति को मुक्ति प्रदान करते हैं। इसका प्रासंगिक कथन यह है कि इन प्राचीन नगरों में से अधिकांश नगर आज भी उन्हीं नामों जाने जाते हैं। इनमें से अवंतिका उज्जैन के नाम से तथा माया हरिद्वार के नाम से प्रचलित हैं। इन सात नगरों में मुक्ति प्रदान करने की क्षमता रखने वाले नगरों के रूप में पूजा जाता है। यदि हम ध्यान दें तो देखेगें की इस सूची में काशी के ठीक बाद कांची का नाम आता है। तमिलगम से कांचीपुरम भी प्राचीनकालीन मोक्ष प्रदान करने वाले नगरों में से एक है। कांची काशी का यह संबंध अनादि काल से हैं। काशी और कांची के प्राचीन आध्यात्मिक और सामाजिक संबंधों की पुर्नव्याख्या के रूप में हमारे सामने प्रस्तुत हुआ 'काशी तमिल संगमम्' का महोत्सव।

काशी धराधाम पर आयोजित 'काशी तमिल संगमम्' का आयोजन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का वो प्रतिबिम्ब है, जिसका मूर्त रूप न केवल संपूर्ण भारत वर्ष में दिखता है बल्कि अब इससे विश्व भी अछूता नहीं रहा है क्योंकि पूरे विश्व ने कोविड के दौरान भारत की उस 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना का क्रियारूप भी देखा है इसलिए 'एक भारत अब सर्वश्रेष्ठ भारत' की राह पर आगे बढ़ चला है। 'काशी तमिल संगमम्' माननीय प्रधाममंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के उस दिव्य स्वप्न का क्रियारूप में प्रस्तुतीकरण था, जिसको लेकर वो पिछले कई दशकों से लगातार कार्यरत रहें है और प्रधानमंत्री का पदभार ग्रहण करने के बाद जैसे ही उन्होंने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की योजना को सबसे सामने रखा, उसके बाद से देश के अंदर एक-दूसरे को जानने की जो उत्सकुता जगी, मानो ऐसा लगा कि सदियों के जो अपरिचित से थे, एक बार फिर एक परिवार के रूप में बंध रहे हैं। केन्द्रीय

शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान के मुताबिक, एक महीने तक चले 'काशी तमिल संगमम्' में न केवल भारतीय संस्कृति और विरासत विद्वानों के बीच अकादमिक आदान-प्रदान के सत्र आयोजित किए गए बल्कि इसमें दोनों के बीच संबंधों और साझा मूल्यों को आगे लाने पर ध्यान भी केंद्रित किया गया। 17 नवंबर से 16 दिसम्बर तक वाराणसी में एक माह तक आयोजित हुए 'काशी तमिल संगमम्' ने भारतीय संस्कृति की दो अभिव्यक्तियों को एक नया आयाम दिया है। संगमम् के दौरान ज्ञान के विभिन्न पहलुओं-साहित्य, प्राचीन ग्रंथों, दर्शन, आध्यात्मिकता, संगीत, नृत्य, नाटक, योग, आयुर्वेद, हस्तकरघा, हस्तशिल्प एवं आधुनिक नवाचारों, व्यापार आदान-प्रदान, एडुटेक तथा अन्य आगामी पीढ़ी की तकनीकी (जेन-नेक्स्ट टेक्नोलॉजी) को कवर करने वाले विषयों पर केंद्रित रहा और इसमें सभी पक्षों का लाभ भी पहुंचा। यह शायद अपने आप में ऐसा पहला आयोजन कहा जा सकता है, जिसमें इस प्रकार इतनी संख्या में विभिन्न विषयों को शामिल किया गया हो। इसके अतिरिक्त यह भारतीय ज्ञान प्रणाली, शिक्षा एवं प्रशिक्षण पद्धतियों, कला एवं संस्कृति, भाषा, साहित्य इत्यादि के विभिन्न पहलुओं पर छात्रों, विद्वानों, शिक्षाविदों, अभ्यास करने वाले पेशेवरों इत्यादि के लिए सीखने का एक विशिष्ट अनुभव भी सिद्ध हुआ। तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों से इन ज्ञान धाराओं के कलाकारों को वाराणसी एवं उसके पड़ोसी क्षेत्रों की आठ दिवसीय यात्रा के लिए आमंत्रित किया गया था। इतने बड़े और व्यापक स्वरूप में आयोजित हुए इस महोत्सव के मुख्य शिल्पकार के रूप में भारत सरकार का शिक्षा मंत्रालय रहा जिसने विभिन्न सहयोगी संस्थाओं की मदद से इस आयोजन का सकुशल सम्पन्न करवाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन किया। माननीय प्रधानमंत्री जी के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के मर्मस्पर्शी मिशन के तहत सांस्कृतिक आदान-प्रदान का ये आयोजन यात्रियों, दर्शकों, आयोजकों और अतिथियों के मन पर एक अमिट छाप छोड़ गया। आईआईटी चेन्नई और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय ने इन 3 हजार खास मेहमानों के काशी और अयोध्या की तीर्थयात्रा का पूरा इंतजाम अपने हाथों में लिया और एक ऐसी रणनीति तैयार की जिसने हर किसी को आतिथ्य भाव का संपूर्ण आनन्द प्रदान किया। आईआईटी चेन्नई के मुताबिक नेशनल हायर एजुकेशन फॉर टेक्नोलॉजी चेन्नई और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के संयुक्त प्रयास से काशी और तमिलनाडु की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संबंधों को विशेष तौर पर उभारा गया।

काशी तमिल संगमम् : भारतीय रेल का योगदान

भारतीय रेल ने भी आईआरसीटीसी के माध्यम् से 'काशी तमिल संगमम्' में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। कुल बारह समूहों में 2,500 अतिथियों के लिए तमिलनाडु से वाराणसी तक लाने के लिए आईआरसीटीसी ने रामेश्वर से बनारस तक आने वाली बनारस साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस, चेन्नई सेंट्रल से गया जंक्शन तक जाने वाली गया साप्ताहिक सुपर फास्ट एक्सप्रेस और एरनाकुलम जंक्शन से पटना जंक्शन जाने वाली पटना सुपर फास्ट एक्सप्रेस में एक-एक कोच लगाए गए, जो 17 नवंबर से 16 दिसम्बर के बीच अलग-अलग तिथियों पर इन संचालन किया गया।

दक्षिण भारत के लोगों को काशी में भोजन को लेकर किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने केलिए आयोजको की तरफ से विशेष इंतजाम किए गये थे। इसके लिए तमिलनाडू से दक्षिण भारत के व्यंजन को तैयार करने वाले रसोइयों को बुलाया गया था। 'काशी तमिल संगमम्' में आने वाले मेहमानों के खानपान की जिम्मेदारी पर्यटन मंत्रालय ने संभाली हुई थी। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की टीम से बात करते हुए वाराणसी के कमिश्नर कौशल राज शर्मा ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री जी का स्पष्ट तौर पर कहना है कि 'काशी तमिल संगमम्' में आने वाले हर एक अतिथि को उनके प्रतिरूप ही समझा जाए और उसी तरह से व्यवहार किया जाए। आयुक्त ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की टीम से अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि 'काशी तमिल संगमम्' का ये पर्व सभी विशेष उपलब्धियों के साथ एक और बात का साक्षी है और वो है विभिन्न प्रशानिक विभागों का बेहतर तालमेल। तमिल क्षेत्र से आने वाले अतिथियों के लिए तमिल भाषाओं



में सूचनाओं का आदान प्रदान करने के लिए विशेष रूप से व्यवस्था की गई और विभिन्न श्रेणीस्तर पर इस संबंध में अधिकारियों को उत्तर दायित्व भी सौपें गए।

काशी तमिल संगमम् : तमिल संस्कृति से परिचित हुए काशीवासी

बीएचयू के एंफीथियेटर ग्राउंड में तमिलनाडु से जुड़ी खानपान, क्राफ्ट, वहां के छोटे उद्योग धंधों से जुड़े उत्पाद, कला संस्कृति से जुड़े स्टॉल लगाए गए थे। इनके बारे में जानकारी ले रहें थे नियमित रूप से आयोजित हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी इस महोत्सव को एक नई आभा से सुशोभित कर दिया था। 'काशी तमिल संगमम्' के नोडल अधिकारी बनाए गए स्टेट आर्कियोलॉजी विभाग के अधिकारी सुभाष चंद्र यादव ने बताया कि हर 2 दिन पर दो सौ दस लोगों का एक समूह वाराणसी आया और उनका पूरा आतिथ्य स्थानीय प्रशासन के साथ साथ काशी के लोगों ने भी किया। वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम, काल भैरव, केदारनाथ मंदिर के साथ सारनाथ का भ्रमण भी तीर्थयात्री ने किया और ये समूह क्रूज से गंगा आरती की विहंगम छटा को देखकर आनन्दित और रोमांचित हुए।

काशी तमिल संगमम् : शब्द युग्मों की अनगिनत व्याख्याएं

काशी तमिल संगमम् को अनेक शब्द युग्मों से परिभाषित किया गया। जैसे एक तरफ विशालाक्षी मां का जिक्र है तो दूसरी तरफ मीनाक्षी मां का जिक्र है और दोनों का ही जुड़ाव शिव से हैं। एक तरफ विश्वेश्वर का जिक्र है तो दूसरी तरफ रामेश्वर का जिक्र है और दोनों का ही महत्त्व भारत की संस्कृति में समान है एक तरफ काशी का जिक्र है तो दूसरी तरफ कांची का जिक्र है और दोनों ही भारत की ज्ञान परम्परा का आदि केन्द्र माने जाते हैं। दरअसल, शब्दों के युग्मों में संस्कृति का प्रवाह है। यह संभव है कि भाषा अलग-अलग है, पर भाव एक है। व्यवस्था अलग-अलग हो सकती है पर हेतु एक है। अभिव्यक्ति अलग अलग हो सकती है पर संस्कृति एक ही है। राज्य अलग-अलग हो सकते हैं, पर देश एक ही है और वो है भारत। भारतीयता ही हमारी पहली और आखिरी पहचान है, जिस पर हम सबको अभिमान है... और इस बुनियाद पर ही हमको दिखता है.. एक भारत श्रेष्ठ भारत।

काशी तमिल संगमम् का आध्यात्मिक स्वरुप

महान तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती के शब्दों में ...

"यह है देश हमारा भारत,
पूर्ण ज्ञान का शुभ्र निकेतन
यह है देश जहां पर बरसी,
बुद्ध देव की करुणा चेतन,
है महान, अति भव्य पुरातन,
गूंजेगा यह गान हमारा
है क्या हम सा कोई जग में,
यह है भारत देश हमारा"

दरअसल भारत महज एक भूखंड या भूमि का टुकड़ा नहीं है बल्कि भारत का विचार ही इसको राष्ट्रीय और आलौकिक चेतना से युक्त एक ऐसे वैचारिक धराधाम के रूप में प्रस्तुत करता है जहां हम इसको मातृभूमि के रूप में इसका पूजन, अर्चन और वंदन करते हैं। तमिल क्षेत्र की बात करें तो पारम्परिक रूप से 'तमिलगम' के नाम से जाना जाता है और 'अगम' का अर्थ होता है घर। यह भूमि प्राचीन काल से तमिलों का घर रही है। जब ब्रिटिश शासन कर रहे थे, उन्होंने इस क्षेत्र को मद्रास प्रेसीडेंसी का नाम दिया, लेकिन 1960 के दशक भाषा के आधार पर जब राज्यों का पुनर्गठन हुआ तब दो नामों में तमिलगम और तमिनाडू के मध्य राजनैतिक तौर 'तमिलनाडू' शब्द को मान्यता प्रदान की गई। इस प्रकार तमिलनाडू शब्द पिछले 60 वर्षों से ही प्रचलन में है जबकि 'तमिलगम' शब्द सहस्त्रब्दियों से।

काशी तमिल संगमम् : पौराणिक संबंध

'स्कंदपुराण' में काशी और उसके महत्त्व के विस्तृत विवरण के साथ इस कहानी का विशद वर्णन है। कथा के अनुसार, भगवान ब्रहमा के परामर्श पर देवगण काशी निवासी ऋषि अगस्त्य से मिले। उन्होने ऋषि अगस्त्य से विंध्य की वृद्धि को रोकने का अनुरोध किया। ऋषि अगस्त्य काशी छोड़ने पर दुखी थे किंतु, लक्ष्य पूर्ण करने के लिए अपनी पत्नी लोपमुद्रा के साथ दक्षिण की यात्रा पर निकल पड़ें। वे विंध्य पहुंचते हैं और विंध्य को अपनी ऊंचाई कम करने के लिए सहमत कर लेते हैं, जिससमे वे दक्षिण की ओर पार कर सकें। साथ ही वे दक्षिण से लौटने तक विंध्य से ऐसे ही रहने का वचन लेते हैं। विंध्य पर्वत अपनी ऊंचाई में ही रहे इसलिए ऋषि अगस्त्य दक्षिण भारत में ही रह गए। उन्होने फिर विंध्य को पार नही किया। काशी के लोगों के लिए 'स्कंदपुराण' अमूल्य है क्योंकि यह काशी के बारे में पूर्ण विवरण का एक प्रामाणिक और व्यापक स्रोत है। वेदव्यास के 'स्कंदपुराण' मे 'काशी खंड' नामक एक पृथक् खंड है।

काशी में आयोजित तमिल संगमम् क्यों हुआ विशेष?

ऐसा है काशी से कन्याकुमारी का रिश्ता.... काशी-तमिल समागम में आने वाले मेहमान काशी के हनुमान घाट इलाके में बसे लघु तमिलनाडु को देखे रहे हैं, जहां पीढ़ियों से यहाँ आकर बसे तमिल परिवार रह रहे हैं। देखा जाए तो काशी का कन्याकुमारी से ये पारम्परिक रिश्ता दो हजार साल से भी ज्यादा पुराना है। काशी में करीब दो सौ तमिल परिवार रहते हैं, जिनके दादा-परदादा आए और यहीं बस गए। इनमें तमिल के राष्ट्रकवि सुब्रह्मण्यम भारती के नाती 97 वर्षीय प्रो. के. वी. कृष्णन भी हैं। राष्ट्रकवि ने 1898 में वाराणसी आकर चार साल पढ़ाई की थी। सुब्रह्मण्यम भारती की बुआ भी बनारस में रहती हैं।

तमिलनाडु के नाट्कोट्टई क्षत्रम की ओर से काशी विश्वनाथ मंदिर में 210 वर्षों से निर्बाध 3 आरतियाँ की जाती हैं। आरती के लिए भस्मी और चंदन तमिलनाडु से ही मंगाया जाता है। देश की आजादी से पहले 1926 में बनारस में दक्षिण भारतीय व्यंजन परोसने की शुरुआत अय्यर परिवार ने की थी। 1950 के बाद कुछ चुनिंदा सिनेमा हॉल में सुबह का एक शो दक्षिण भारतीयों के लिए चला करता था।

काशी : एक लोकप्रिय नाम

तमिलानाडू में कई पुरुष है जिनका नाम कासी या काशीनाथन या काशी विश्वनाथन है। भवनों का नामकरण भी काशी पर

किया गया है। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का नाम भी काशी पर है। तमिलनाडू में काशी एक लोकप्रिय नाम है।

काशी : पवित्रता का मापदंड

'काशियिलुम वीसम अधिगम' आप शायद नही समझ पाएंगे, लेकिन जो तमिल क्षेत्र के है,वो इसको न केवल समझते हैं बल्कि दैनिक कार्य व्यवहार में इसका उपयोग भी करते हैं। इसका अर्थ है कि किसी चीज का जो माप होता है, वह चीज उस माप से तनिक अधिक ही होती है। वास्तव में यह भावना या अभिव्यक्ति का तरीका है, जिसने कई शीर्षक नामों को जन्म दिया है। जैसे सवाई माधव राजपूत राजा के लिए सवाई का अर्थ 1.25 बार यानि सवा है यानि राजा वास्तव में स्वयं से अधिक है। इसी तरह काशी शब्द का उपयोग तमिलक्षेत्र में पवित्रता की तुलना के एक स्थापित प्रमाप के रूप में किया जाता है।

काशी : घर घर काशी घर घर विश्वनाथ

इस देश में न जाने कितनी काशी हैं या यूं कह लें कि हर एक शिवालय या शिव का स्थान काशी विश्वनाथ के समान हो जाता है। तमिलक्षेत्र में ऐसे नगर हैं जिन्हें दक्षिण का काशी कहा गया, जिसका अर्थ है दक्षिण के चमकते शहर जैसे दक्षिणाकाशी जो कांची है, संयोग से उत्तराखंड में भी उत्तर काशी है, इसे सौम्य काशी भी कहा जाता है। वृद्ध काशी जो विरुदाचलम है। तिरुनेलवेली के पास तेनकाशी है। विरुदनगर का शिवकाशी आदि। तमिलनाडू में ये कुछ प्रमुख स्थान है जिनका महत्त्व काशी के समान है और यहाँ स्थिति निर्मित मंदिरों की कथा महान है। तमिल क्षेत्र में ऐसे मंदिर भी है जिन्हें काशिक्कू निगराना स्थलम् कहा जाता है, जिसका अर्थ है, दक्षिण में काशी सापेक्ष महत्त्वपूर्ण स्थल अर्थात् काशी के समान ही पवित्र। मूल रूप से ये मंदिर और कस्बे हैं जिन्हें दक्षिण मे भी मोक्ष स्थलों के रूप में देखा गया है। इनके मुक्ति स्वरूप के कारण इन्हें, दक्षिण का काशी कहा गया है। ऐसा ही एक मंदिर है कोयम्बतूर के निकट पेरुर का भगवान पट्टीश्वर मंदिर। वर्तमान समय में भी आसपास के शहरों से कई लोग इस मंदिर में आते हैं। अपने प्रियजनों की अस्थियों को पास में बहने वाली नोय्यल नदी में विसर्जित करते हैं.. जबकि इस क्षेत्र में अन्य बड़ी नदियां भी हैं। तमिलनाडू में छह ऐसे मंदिर हैं जिनको काशी के समान मान्यता प्राप्त है। इनको 'काशिक्कू सममान स्थलम' कहा जाता है। जिसमें तिरुवंकाडु-नवग्रह मंदिर भी जो बुद्ध ग्रह स्थल के रूप में वर्णित हैं, तिरुवैयारु, तिरुविडैमरुदूर, मईलाडुदुरै, छायवनम् (तिरुचौकाडू) सीरकाली के पास और श्री वंजियम। दीपावली के दिन इन मंदिर, सरोवरों या कावेरी नदी के पानी में स्नान करने की प्रथा है, क्योंकि इन मंदिरों का पानी काशी में बहने वाली गंगा के समान माना जाता है। तमिलनाडू में एक मंदिर है जिसे रोचक रूप से 'काशियिलुम वीसम अधिगम कॉण्ड स्थलम' कहा जाता है। वह जो काशी से भी थोड़ा-सा भी अधिक सम्मान रखता हो। यह कुंभकोणम मंदिर और नगर से जुड़ी एक जातक कथा भी है। जिसके आधार पर कुंभकोणम को काशी की तुलना में अंत्यन्त पवित्र स्थान 'काशियिलुम वीसम अधिगम कॉण्ड स्थलम' माना जाने लगा।

काशी तमिल संगमम् : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अभिव्यक्ति

भाषा, कला, साहित्य, संस्कृति, भारतीय ज्ञान परम्परा, बहुभाषिता इन छह मजबूत स्तंभों पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की बुलंद इमारत तामीर की गई है, जिसका उद्देश्य ना केवल समृद्ध और शक्तिशाली भारत का निर्माण करना है बल्कि अपने भविष्य के नेतृत्व को भारतीय संस्कृति और विचारों से परिचित करवाना भी है। तमिल साहित्य भारतीय ज्ञान परम्परा का वो अकूत खजाना है, जिससे लाभ से हम सभी इसलिए वंचित रह जाते हैं क्योंकि हम हिन्दी से आगे नहीं बढ़ पाते हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्रीमान नरेन्द्र मोदी जी का साफ कहना है कि हम अपनी मातृभाषा पर गर्व करें, सम्मान और आदर के साथ उसको व्यवहार में लाए, लेकिन जो अन्य क्षेत्रीय भाषाएं हैं, उन पर भी अभिमान करें और कोशिश करें कि हम एक या दो क्षेत्रीय भाषाओं को भी सीखे और बोलने की कोशिश करें और माननीय नरेन्द्र मोदी जी का यह प्रयास रंग ला रहा है। भाषा संगम के माध्यम् से, हमारे शैक्षणिक संस्थानों के युग्म राज्यों की योजना से अब ये संभव हो रहा है। इसकी बानगी हमको 'काशी तमिल संगमम्' में भी देखने को मिली। साहित्यिक, सांस्कृतिक, सामाजिक विचारों का ये महाकुंभ 'काशी तमिल संगमम्' को अगर भौतिक रूप से देखे तो लगभग एक माह का ये आयोजन है और इस दौरान भारतीय संस्कृति की दो प्राचीन अभिव्यक्तियों के विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञों, विद्वानों के मध्य अकादमिक आदान-प्रदान, चर्चा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के रूप में देख सकते हैं, लेकिन अगर इस कार्यक्रम की आध्यात्मिक व्याख्या की जाए तो ये अनन्त हैं विचारों के संदर्भ में भारतीय ज्ञान परम्परा के सूत्र विचारों के अनन्त क्षितिज को छूते हैं जहां राज्यों, भाषायी भेद सहित तमाम विभेदों का लोप हो जाता है और हम सिर्फ और सिर्फ भारतीय रह जाते हैं और आध्यात्म के उस अनन्त क्षितिज से अगर हमकों कुछ दिखता है तो वो एक भारत श्रेष्ठ भारत।

ये महान दृश्य है ये मेरा भारतवर्ष है
भाव, भाषा, भ्रातृत्व का ये पावन विमर्श है
नित नूतन सोपान है, चहुंओर बिखरता हर्ष है
दिव्य है, भव्य है, ये आलौकिक द्रश्य है
ये महान दृश्य है, ये मेरा भारत वर्ष है।
एक भारत श्रेष्ठ भारत....

सूचना

'भारतीय रेल' पत्रिका में लेखक के नाम के साथ प्रकाशित हुए लेख (फोटोग्राफ के साथ), लेखक द्वारा उपलब्ध करवाए जाते हैं। भविष्य में लेख तथा फोटोग्राफ्स से संबंधित कॉपी राइट्स के उल्लंघन तथा अन्य किसी भी प्रकार के विवाद के लिए लेखक संपूर्ण रूप से जिम्मेदार होगा। रेल मंत्रालय या संपादकीय टीम किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगी। लेख में व्यक्त किये गए विचार लेखक के निजी विचार हैं, इनसे संपादक मण्डल का सहमत होना जरूरी नहीं है। *-संपादक*

क्या आप जानते हैं?



दो राज्यों में एक स्टेशन

महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में नवापुर रेलवे स्टेशन दो राज्यों, महाराष्ट्र और गुजरात की सीमा पर स्थित एक अनूठा स्टेशन है।



चिनाब ब्रिज की अनूठी विशेषताएं

1315 मीटर लंबा चिनाब ब्रिज
रियासी जिले में, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में

- 120 साल के जीवन के साथ डिजाइन किया गया है
- 266 किमी/घंटा तक तेज हवा की गति का सामना करें
- ब्लास्ट लोड के लिए डिज़ाइन किया गया
- जोन-5 के भूकंपीय बलों को सहन कर सकता है



पूरी तरह से महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित पहला गैर-उपनगरीय स्टेशन

जयपुर, राजस्थान में गांधी नगर रेलवे स्टेशन भारत का पहला गैर-उपनगरीय स्टेशन है, जो पूरी तरह से महिलाओं द्वारा 24x7 संचालित होता है, जिसमें स्टेशन का संचालन और रेलवे सुरक्षा बल।



WAG-12: दुनिया का सबसे शक्तिशाली लोकोमोटिव

भारतीय रेल द्वारा भारत में निर्मित सबसे शक्तिशाली 12000 एचपी लोकोमोटिव के संचालन के साथ, भारत उच्च-अश्वशक्ति लोकोमोटिव का स्वदेशी उत्पादन करने वाला दुनिया का छठा देश बन गया है।



कार्बन तटस्थता के लिए इंटीग्रल कोच फैक्ट्री की उल्लेखनीय यात्रा!

इंटीग्रल कोच फैक्ट्री ने अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को पूरी तरह से कम कर दिया है और पवन चक्कियों, बिजली उत्पादन के लिए सौर पैनल स्थापित करके और अपने आसपास के क्षेत्रों में संरक्षित हरे जंगलों का निर्माण करके कार्बन तटस्थता प्राप्त कर ली है।



वंदे भारत एक्सप्रेस

सामान्यतः घाट क्षेत्रों में एक बैंकर (पुशिंग लोको) पहाड़ी पटरियों पर चढ़ने के लिए ट्रेनों की आवश्यकता होती है, लेकिन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की पहाड़ी पटरियों को क्रूज कर सकती है घाट क्षेत्र अपेक्षाकृत आसानी से।

अपना ज्ञान टटोलें

1 हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा हावड़ा से न्यू जलपाईगुड़ी को जोड़ने वाली किस ट्रेन का उद्घाटन किया गया?

(क) तेजस एक्सप्रेस | (ख) वंदे भारत एक्सप्रेस | (ग) इंटरसिटी एक्सप्रेस | (घ) हावड़ा एक्सप्रेस

2 कौन-सा स्टेशन नागालैंड का दूसरा स्टेशन बना?

(क) दीमापुर | (ख) कोहिमा | (ग) शोखुवी | (घ) मोकोक्चुंग

3 भारत में किस रेलवे स्टेशन पर सर्वाधिक प्लेटफॉर्म्स हैं नाम बताइए।

(क) वाराणसी | (ख) गोरखपुर | (ग) हावड़ा | (घ) एर्नाकुलम

4 हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटित वंदे भारत एक्सप्रेस नागपुर से किस शहर को जोड़ती है?

(क) उज्जैन | (ख) बिलासपुर | (ग) चंडीगढ़ | (घ) चेन्नई

5 रेलवे बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी कौन हैं?

(क) श्री वी. के. त्रिपाठी | (ख) श्री वी. के. यादव | (ग) श्री अनिल कुमार लाहोटी | (घ) श्री अश्वनी लोहानी

6 भारतीय रेल के किस खिलाड़ी को मुक्केबाजी के लिए 'द्रोणाचार्य पुरस्कार-2022' से सम्मानित किया गया?

(क) मो. अली कमर | (ख) राज सिंह | (ग) सुजीत मान | (घ) जीवनजोत सिंह तेजा

7 भारतीय रेल की किस खिलाड़ी को कुश्ती के क्षेत्र में 'अर्जुन अवॉर्ड-2022' से सम्मानित किया गया?

(क) सुश्री बबीता कुमारी | (ख) सुश्री पूजा ढांडा | (ग) श्री दीपक पूनिया | (घ) सुश्री सरिता

8 स्टेशनों पर लघु खान-पान इकाइयों का महिलाओं के लिए कितने प्रतिशत उप-कोटे का प्रावधान है?

(क) 33 प्रतिशत | (ख) 10 प्रतिशत | (ग) 45 प्रतिशत | (घ) 50 प्रतिशत

9 भारतीय रेल की सर्वप्रथम महिला डीजल रेल इंजन ड्राइवर हैं-

(क) सुश्री सुरेखा | (ख) सुश्री मुमताज़ काथावाला (काज़ी) | (ग) सुश्री मेघना | (घ) सुश्री नगमा ज़ैदी

10 भारतीय रेल की सर्वप्रथम महिला गार्ड हैं-

(क) सुश्री वंदना चतुर्वेदी | (ख) सुश्री आभा | (ग) सुश्री लता खन्ना | (घ) सुश्री मानवी शर्मा

2. (ग) 4. (घ) 6. (क) 8. (क) 10. (क)
1. (घ) 3. (ग) 5. (ग) 7. (ख) 9. (घ)

पेज नं. 37-38

रेल, पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोए

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र हिंदी मासिक पत्रिका



भारतीय रेल

की सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

विज़िट करें

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

क्यूआर कोड स्कैन करें

सदस्यता शुल्क

मद		ऑफलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ऑनलाइन सदस्यता शुल्क (₹)
एक प्रति (मासिक अंक)		20	-
एक प्रति (विशेषांक)		70	-
वार्षिक सदस्यता (सर्व साधारण)	एक वर्ष	250	263
	दो वर्ष	460	483
	तीन वर्ष	675	709
वार्षिक सदस्यता (रेलकर्मी)	एक वर्ष	200	210
	दो वर्ष	370	389
	तीन वर्ष	540	567
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) सी-मेल द्वारा		1,250	1,313
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) एयर-मेल द्वारा		2,500	2,625

(वार्षिक सदस्यता शुल्क विशेषांक के साथ)

भुगतान का माध्यम

ऑनलाइन सदस्य www.irctctourism.com/IRBRMag पर सदस्यता शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।

ऑफलाइन डी.डी./चेक/म.ओ./पो.ओ./नगद देय-'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली'

सदस्यता फॉर्म

नाम .....

पता .....

पोस्ट..... जिला.....

राज्य..... पिन कोड .....

मोबाइल ..... ई-मेल .....

रेल कर्मचारी: हाँ/नहीं वर्तमान सदस्यता (यदि हो तो) संख्या ..... तारीख .....

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: व्यापार प्रबंधक, कमरा नं. 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001, टेलीफोन: 011-47845089, 45089 (रेलवे) **bmpr310rb@gmail.com**

प्रिय विज्ञापनदाता

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र मासिक हिन्दी पत्रिका

भारतीय रेल

में अपने विज्ञापन देकर लाखों उपभोक्ताओं तक अपने उत्पादों की पहुंच बनाएं

विज्ञापन दरें

(विज्ञापन चार कलर में) नीचे दी गई दरों के साथ 5 प्रतिशत की जीएसटी/आइजीएसटी प्राप्य होगी

विवरण	विशेष दर (वार्षिक अंक) (₹)	सामान्य अंक (मासिक दरें)	
		सामान्य दरें (₹)	अनुबंधित दरें (₹)
बैक कवर	13,300	11,400	10,450
सेकेण्ड कवर	12,350	10,450	9,500
थर्ड कवर	11,400	9,500	8,550
पूरा पृष्ठ (विशेष स्थिति, जैसे टेक्स्ट के बाद में)	9,500	8,550	7,600
पूरा पृष्ठ	8,550	7,600	6,650
आधा पृष्ठ	6,650	5,130	4,180
सेंटर स्प्रेड	17,000	15,000	13,300
सेंटर स्प्रेड (दो पेज इकट्ठे) (स्पेशल पोजीशन)	18,500	16,500	14,700

* तीन महीने या ज्यादा समय के लिए लगातार अथबा बारी-बारी देने पर अनुबंधित दरें लागू।

तकनीकी विवरण

पत्रिका का आकार

28 X 20.5 सेमी

छपाई क्षेत्र

23 X 16.5 सेमी

भुगतान का माध्यम

'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली' के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा नकद राशि रूम नं. 310, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001 में जमा की जा सकती है

विज्ञापन सामग्री

ई-मेल, आर्टपुल, सीडी

पत्रिका का प्रसार

समग्र देश में

संपर्क करें:

व्यापार प्रबंधक

310, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,

टेलिफोन: 011-233822531, 23303665, 23304456

पंजीयन संख्या : दिल्ली पोस्टल नं. डी.एल. (एन.डी.)-11/6031/2021-22-2023
आर.एन.आई. रजिस्टर्ड नं. 14427/1960
दिनांक 08 को प्रकाशित तथा दिनांक 10-11 को प्रेषित

आई.एस.एस.एन. 2457-0001

OUR GLOBAL DREAMS NOW SMOOTH ON WHEELS



CNC Underfloor Wheel Lathe



CNC Vertical Turning & Boring Machine

- Supplied CNC Underfloor Wheel Lathe to SNCF, France.
- Supplied CNC Vertical Turning & Boring Machine to Bangkok Metro, Thailand.

hyt

HYT ENGINEERING CO. PVT. LTD.

Sales Office: 17-18, Ground Floor, Hans Bhawan, Bahadur Shah Zafar Marg, I.T.O., New Delhi - 110 002, India. Phone: + 91 11 4320 2200/01

Work: 29/10, 29/10/1, 29/10/2, D-II Block, MIDC, Chinchwad, Pune - 411 019, India. Phone: + 91 20 6634 3900

www.hytengineering.com I info@hytengineering.com

मुद्रक व प्रकाशक : **प्रशान्त कुमार पट्टनायक** द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के लिए मैसर्स जे.के. ऑफसेट ग्राफिक्स प्रा.ली., बी-278, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 में मुद्रित व 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली से प्रकाशित। संपादक : **योगेश अवस्थी**